दैनिक
लखनऊ से प्रकाशित एवं उ.प्र., बिहार ,झारखण्ड, मध्यप्रदेश, राजस्थान, दिल्ली में प्रसारित
RNI-UPHIN/2014/58471

अमन लेखनी

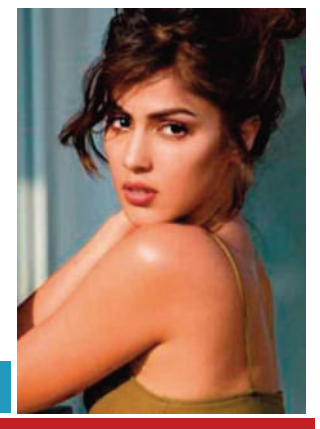

ऋतिक ने पूरी की जेलर 2 की...

पूरी तरह से खत्म नहीं होता ट्रॉमा...

वर्ष : 12 | अंक : 183 | लखनऊ, 27 जून, शनिवार 2026 | पृष्ठ : 08 | मूल्य : 2.00 रुपए

खबर संक्षेप

सहारनपुर में एक ही परिवार के 4 की मौत

सहारनपुर। दिल्ली-देहरादून इकोनामिक कॉरिडोर पर हलगोया कट के पास सोनीपत से हरिद्वार जा रहे श्रद्धालुओं की टाटा टियागो कार में पीछे से आ रही स्कार्पियो कार ने टक्कर मार दी। जिससे टियागो में बैठे 9 वर्षीय बच्चे, दो महिलाओं व एक व्यक्ति की मौत हो गई। गांव मड़ोरा निवासी सात लोग टाटा टियागो में सोनीपत, बागपत, शामली होते हुए हरिद्वार जा रहे थे।

जेल से भागा कैदी दबोचा, पैर में लगी गोली

परतापुर। आजीवन कारावास की सजा काट रहा सिद्धदोष कैदी इज्जतनगर स्थित केंद्रीय कारागार से भाग गया था। चार दिन बाद पुलिस ने उसे परतापुर से गिरफ्तार किया। गिरफ्तारी से बचने के लिए कैदी ने पुलिस पर फायरिंग भी की, जवाबी फायरिंग में कैदी के पैर में गोली लगी। बंदी दिनेश ने बताया कि वह अमरोहा के डिडोली थाना क्षेत्र का निवासी है।

मुंडका में जहरीली गैस से 3 की मौत

नई दिल्ली। बाहरी दिल्ली के मुंडका में शुक्रवार को एक फैक्टरी में हादसा हुआ। इस हादसे में 3 लोगों की मौत हो गई। वे सेप्टिक टैंक के अंदर जहरीली गैस की चपेट में आ गए।दिल्ली फायर सर्विस के अनुसार,दोपहर 12:03 बजे एक कॉल आई जिसमें बताया गया कि मुंडका इंडस्ट्रियल एरिया की एक फैक्टरी में कुछ लोग सेप्टिक टैंक के अंदर फंस गए हैं।

डीसीएम में पीछे से घुसी बाइक, 3 की मौत

भीटी। अहिरौली के पियारेपुर मंदिर के पास हाइवे पर सरिया लदे डीसीएम वाहन के पीछे अनियंत्रित बाइक घुस गई। इससे बाइक चालक, उनकी पत्नी व बेटे की मौत हो गई। पुलिस ने तीनों शव व वाहनों को कब्जे में ले लिया है। अयोध्या जिले के गोशाईगंज के गौहनिया गांव के सुरेंद्र कुमार की सास बीमार हैं और जिला मुख्यालय के ओम हॉस्पिटल में भर्ती हैं।

गहरी खाई में गिरी पिकअप, 6 की मौत

शिमला। हिमाचल प्रदेश के शिमला जिले के रामपुर क्षेत्र में हादसे में मां-बेटे समेत 6 लोगों की मौत हो गई है। दुर्गम क्षेत्र काशापाट जा रही एक पिकअप गाड़ी दुर्घटनाग्रस्त होकर करीब 200 फीट नीचे तकलेच-देवठी सड़क किनारे जा गिरी। मृतक आशा देवी बेटे के साथ मायके काशा जा रही थी। ग्रामीणों की मदद से राहत कार्यों को अंजाम दिया।

शाह ने ली नारको-कोऑर्डिनेशन सेंटर की शीर्ष-स्तरीय बैठक

'नारकोटिक्स कंट्रोल विजन डॉक्यूमेंट' जारी किया..6,000 करोड़ के नशीले पदार्थ नष्ट

राज कुमार सिंह चौहान ब्यूरो प्रमुख / नई दिल्ली,

देश में नशीले पदार्थों के कारोबार के खिलाफ केंद्र सरकार अपनी कार्रवाई को और तेज करने जा रही है। केंद्रीय गृह मंत्री शाह शुक्रवार को नारको-कोऑर्डिनेशन सेंटर (एनसीओआरडी) की 10वीं शीर्ष-स्तरीय बैठक की की। इस दौरान उन्होंने 'नारकोटिक्स कंट्रोल विजन डॉक्यूमेंट 2026-2029' जारी किया। इससे देश को ड्रग्स मुक्त बनाने के लिए अगले 3 वर्षों का रोडमैप तय किया गया।

बैठक में केंद्र और राज्य सरकारों के साथ विभिन्न जांच एजेंसियों के वरिष्ठ अधिकारी शामिल रहे। गृह मंत्रालय और नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) की ओर से आयोजित इस बैठक का मुख्य उद्देश्य देशभर में ड्रग तस्करी और नशीले पदार्थों के दुरुपयोग के खिलाफ चल रहे अभियानों की समीक्षा करना और उन्हें और मजबूत बनाना है। बैठक में विभिन्न मंत्रालयों, राज्य सरकारों और ड्रग कानून लागू करने वाली एजेंसियों के प्रतिनिधि हिस्सा लेंगे। सरकार का कहना है कि ड्रग्स के खिलाफ जीरो-टॉलरेंस नीति को और प्रभावी बनाने बेहतर समन्वय बनाएं।

केंद्र- राज्य सरकारों के साथ जांच एजेंसियों के वरिष्ठ अधिकारी शामिल रहे

3 साल के लिए प्रभावी

ड्रग माफिया पर बड़ा प्रहार

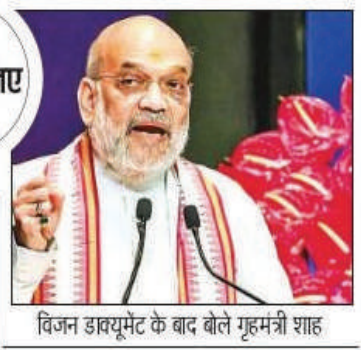

विजन डाक्यूमेंट के बाद बोले गृहमंत्री शाह

'ऑनलाइन ड्रग डिस्पोजल फोर्टनाइट कैंपेन' शुरू

गृह मंत्री शाह ने इस दौरान 'ऑनलाइन ड्रग डिस्पोजल फोर्टनाइट कैंपेन' की भी शुरुआत की। इस अभियान के तहत देशभर में जब्त किए गए लगभग 2,09,500 किलो नशीले पदार्थों को नष्ट किया। इन नशीले पदार्थों की अनुमानित कीमत करीब 6,000 करोड़ बताई गई है।

नए विजन डॉक्यूमेंट में खास

'नारकोटिक्स कंट्रोल विजन डॉक्यूमेंट 2026-2029' में नशीले पदार्थों की मांग कम करने, तस्करी की सप्लाई चेन तोड़ने और नशे के शिकार लोगों के पुनर्वास पर विशेष जोर दिया जाएगा। इसके साथ ही यह दस्तावेज आने वाले वर्षों में ड्रग्स के खिलाफ राष्ट्रीय रणनीति का आधार बनेगा।विजन डॉक्यूमेंट में नई चुनौतियों से निपटने की रणनीति भी शामिल की गई है। इनमें सिंथेटिक ड्रग्स का बढ़ता इस्तेमाल और डार्कनेट के जरिए हो रही ड्रग तस्करी प्रमुख हैं। इसके अलावा, नशे से प्रभावित लोगों के लिए जागरूकता अभियान, इलाज की सुविधाएं और पुनर्वास सेवाओं को मजबूत करने के लिए एक व्यापक ढांचा तैयार किया गया है।

गृहमंत्री शाह की अहम बातें

- सभी संबंधित एजेंसियों और अधिकारियों को एनसीबी की वार्षिक रिपोर्ट को ध्यान से पढ़ना चाहिए।
- अगले एक वर्ष में किसी भी सूचकांक - में गिरावट नहीं आनी चाहिए।
- हर मानक में उल्लेखनीय सुधार होना चाहिए और यह अगले वार्षिक रिपोर्ट में भी दिखाई देना चाहिए।
- नशीले पदार्थों के खिलाफ लड़ाई खुफिया जानकारी आधारित होनी चाहिए।
- ड्रग तस्करी से निपटने के लिए नेटवर्क-केंद्रित रणनीति के साथ आगे बढ़ना होगा।
- नशे के कारोबार के खिलाफ लड़ाई में कठोर और निर्दयी रवैया अपनाना जरूरी है।
- केवल सख्त और समन्वित कार्रवाई के जरिए ही इस चुनौती पर विजय हासिल की जा सकती है।

अभियान को सक्रियता रूप से आगे बढ़ाएं

उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने एक्स पर लिखा, मैं उन विश्वविद्यालयों, शिक्षण संस्थानों और संगठनों की सराहना करता हूं जो इस अभियान को सक्रिय रूप से आगे बढ़ा रहे हैं। हम जागरूकता फैलाएं, नशा छोड़ने की प्रक्रिया से गुजर रहे लोगों का समर्थन करें और सक्रियता बढ़ाए।

जागरुकता अभियान में शामिल हुए सीएम विजय

तमिलनाडु के सीएम सी. जोसेफ विजय ने शुक्रवार को चेन्नई के मरीना बीच पर 'स्टार्ट रन, स्टॉप ड्रग्स' एंटी-ड्रग अवेयरनेस रन को हरी झंडी दिखाई। ट्रैकसूट, स्नीकर्स और धूप के चश्मे पहने विजय ने 'स्टार्ट रन, स्टॉप ड्रग्स' टी-शर्ट पहने प्रतिभागियों के साथ दौड़ते हुए जोरदार तालियां बटोरीं।

स्वस्थ समाज के लिए नशा से दूर रहें: रेड्डी

तेलंगाना के सीएम ए. रेवंत रेड्डी और राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने लोगों से नशे से दूर रहने और नशामुक्त समाज के निर्माण में सहयोग देने की अपील की। रेड्डी ने कहा कि स्वस्थ समाज का निर्माण हो।

मुंद्रा पोर्ट ड्रग्स मामला

3000 किलो हेरोइन मामले में मुख्य आरोपी तलवार अरेस्ट

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 24 और 25 जून को राष्ट्रीय राजधानी में छह परिसरों पर तलाशी अभियान के दौरान दिल्ली निवासी हरप्रीत सिंह तलवार को गिरफ्तार किया है। यह तलाशी अभियान 13 सितंबर, 2021 को मुंद्रा बंदरगाह पर जब्त की गई लगभग 3000 किलोग्राम हेरोइन से जुड़े कथित मनी लॉन्ड्रिंग की चल रही जांच के अंतर्गत किया गया है। यहां पर लंबे समय से ड्रग की देश और देश के बाहर तस्करी की खबरें थीं। इस पर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है।

कर्मचारियों, व्यापारिक सहयोगियों से भी की पूछताछ

तलवार को 24 जून को गिरफ्तार किया गया और रिमांड के लिए विशेष धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के समक्ष पेश किया गया। अगस्त 2022 में, राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने भी इसी मामले के संबंध में तलवार उर्फ कबीर तलवार को गिरफ्तार किया था। ईडी ने कहा कि तलवार इस मामले में मुख्य आरोपी है। ईडी के टीमों ने उनके कर्मचारियों, व्यापारिक सहयोगियों और संगठनों पर तलाशी के बाद उसे गिरफ्तार किया था।

ऑपरेशन कवच-14.0

दिल्ली पुलिस ने भी 255 ड्रग तस्कर समेत सैकड़ों को दबोचा

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

दिल्ली पुलिस ने नशीले पदार्थों की तस्करी, अवैध हथियारों और संगठित अपराध के खिलाफ चलाए गए 'ऑपरेशन कवच-14.0' के तहत 48 घंटे के विशेष अभियान में बड़ी सफलता हासिल की है। यह अभियान 22 जून से 24 जून तक चलाया गया, जिसमें सभी 15 पुलिस जिलों में एक साथ व्यापक कार्रवाई की गई। 1,474 पुलिस टीमों ने 4,035 स्थानों पर छापेमारी की। इस कार्रवाई में 212 मामले दर्ज किए। 255 आरोपितों को गिरफ्तार किया 237.466 किलोगांजा, 5.184 किलो ओजी गांजा, 1.096 किलोहेरोइन, 159.8 ग्राम कोकीन, 366.48 ग्राम चरस, 101.1 ग्राम एमडीएमए आदि जब्त किए।

'छात्रों की गूंज' कांग्रेस का अभियान

28 शहरों में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर केंद्र सरकार को घेरा

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

कांग्रेस ने शिक्षा व्यवस्था, परीक्षा प्रणाली और कथित पेपर लीक मामलों को लेकर केंद्र सरकार के खिलाफ अपना राष्ट्रव्यापी 'छात्रों की गूंज' अभियान तेज कर दिया है। पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने गुरुवार को देश के 28 शहरों में एक साथ प्रेस वार्ताएं आयोजित कर शिक्षा व्यवस्था में व्यापक सुधार और केंद्रीय शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग उठाई। कांग्रेस महासचिव (संचार) जयराम रमेश ने कहा कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी द्वारा राजस्थान के कोटा से शुरू किया गया 'छात्रों की गूंज' अभियान देशभर के युवाओं के बीच व्यापक समर्थन प्राप्त कर रहा है।

रमेश ने आरोप लगाया कि केंद्र की शिक्षा व्यवस्था 'भयावह वसूली तंत्र' में बदल गई है तथा लगातार पेपर लीक और परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं ने लाखों छात्रों को निराशा में धकेल दिया है। पेपर लीक से छात्रों का भविष्य बर्बाद किया जा रहा है।

संगठन में बड़ा फेरबदल

कांग्रेस ने हरियाणा, ओडिशा उत्तरप्रदेश के प्रभारी बदले

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने संगठनात्मक फेरबदल करते हुए हरियाणा, ओडिशा और उत्तर प्रदेश के लिए नए अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) प्रभारियों की नियुक्ति कर दी है। पार्टी के महासचिव के.सी. वेणुगोपाल द्वारा हस्ताक्षरित नई नियुक्तियां तत्काल प्रभाव से लागू होंगी। जारी आदेश के मुताबिक संजय दत्त को हरियाणा, लालजी देसाई को ओडिशा तथा राजेंद्र पाल गौतम को उत्तर प्रदेश का एआईसीसी प्रभारी नियुक्त किया गया है। पार्टी नेतृत्व ने इन तीनों नेताओं को संबंधित राज्यों में संगठन को मजबूत करने और आगामी राजनीतिक गतिविधियों के समन्वय की जिम्मेदारी सौंपी है। कांग्रेस ने साथ ही निवर्तमान प्रभारियों के योगदान की भी सराहना की है। वेणुगोपाल ने कहा कि पार्टी अविनाश पांडे, बी.के. हरिप्रसाद और अजय कुमार लल्लू द्वारा संगठन के लिए किए गए कार्यों की पार्टी सराहना करती है।

मद्रास हाईकोर्ट ने तमिलनाडु सरकार के फैसले को अवैध बताया

इस्लाम अपना लिया तो नहीं मिलेगा पिछड़ी जाति का दर्जा साथ ही आरक्षण का फायदा

धर्म परिवर्तन और आरक्षण पर अहम फैसला सुनाया

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

मद्रास हाईकोर्ट ने हाल ही में धर्म परिवर्तन और आरक्षण को लेकर एक बेहद अहम फैसला सुनाया है। हाईकोर्ट ने तमिलनाडु सरकार के उस आदेश को असंवैधानिक करार देते हुए रद्द कर दिया है, जिसके तहत हिंदू धर्म की पिछड़ी, अति-पिछड़ी या अनुसूचित जाति से इस्लाम अपनाने वाले लोगों को 'बैकवर्ड क्लास मुस्लिम' का दर्जा और आरक्षण देने की बात कही गई थी। जस्टिस जीआर स्वामीनाथन और जस्टिस पी बी बालाजी की पीठ ने अपने फैसले में कहा कि कोई भी व्यक्ति इस्लाम अपनाने के बाद सिर्फ एक मुस्लिम होता है। कोई भी शख्स इस्लाम अपनाने के बाद सिर्फ 'एक मुसलमान' रह जाता है।

यह था मामला?

यह मामला थूथुकुडी जिले के रहने वाले समीर अहमद की याचिका के बाद सामने आया। पहले उसका नाम परमशिवम था। परमशिवम का जन्म एक हिंदू परिवार में हुआ था। 2015 में उसने इस्लाम धर्म अपनाकर अपना नाम समीर अहमद रख लिया और मुस्लिम रीति-रिवाजों से शादी की। धर्म परिवर्तन के बाद समीर ने आवेदन तहसीलदार के पास दिया था।

महाराष्ट्र सीएम फडणवीस से मिले केतन के पिता, मुख्यमंत्री बोले

निकम करेंगे पैरवी, केस फास्ट ट्रैक कोर्ट में चलेगा

केतन को उसकी मंगेतर व प्रेमी ने लोहागढ़ किले से धक्का दे दिया था

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

केतन अग्रवाल के पिता विशाल अग्रवाल ने पुणे में सीएम देवेंद्र फडणवीस से मुलाकात की और बेटे के लिए न्याय की मांग की। फडणवीस ने शुक्रवार को केतन अग्रवाल के परिवार को भरोसा दिलाया कि सरकार दोषियों को कड़ी सजा दिलाने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ेगी। केतन को उनकी मंगेतर और उसके प्रेमी ने लोहागढ़ किले से धक्का देकर हत्या कर दी थी। फडणवीस ने इस मांग को भी स्वीकार कर लिया है कि मामले की सुनवाई त्वरित अदालत में कराई जाए। केतन की मंगेतर सिया गोयल और उसके प्रेमी चेतन चौधरी पर हत्या का आरोप है।

केतन के परिवार से चर्चा करते सीएम फडणवीस

परिवार को न्याय जरूर मिलेगा

मुख्यमंत्री कार्यालय के अनुसार केतन के पिता के साथ बैठक के दौरान फडणवीस ने उन्हें भरोसा दिलाया कि सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि दोषियों को कड़ी सजा मिले और पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने के लिए हर संभव प्रयास किया जाएगा।

न्याय विभाग ने प्रक्रिया शुरु की

फडणवीस ने अभियोजन पक्ष की ओर से पैरवी करने के लिए वरिष्ठ अधिवक्ता उज्ज्वल निकम को नियुक्त करने की मंजूरी भी दे दी है। मुख्यमंत्री ने न्याय विभाग के सचिव को निकम की नियुक्ति के लिए जरूरी प्रक्रिया शुरू करने का निर्देश दिया है।

विग के कारण हुई केतन की हत्या!

सिर पर छोटा सा विग पैच लगाने की बात को लेकर शुरू हुई चर्चा अब देश के सबसे चर्चित हत्याकांडों में बदल गई है। केतन अग्रवाल की मौत के मामले में कई चौंकाने वाले खुलासे हो रहे हैं। मृतक के पिता का कहना है कि उन्होंने सिया गोयल के परिवार को पहले ही बता दिया था कि केतन बालों के लिए छोटा सा विग पैच इस्तेमाल करते हैं।

बंगाल में भी लागू होगा यूसीसी

मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी के ऐलान से मचा सियासी बवाल

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

पश्चिम बंगाल की राजनीति में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) को लेकर एक बड़ा बयान सामने आया है। मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने दावा किया है कि बंगाल में भी यूसीसी को लागू किया जाएगा। 26 जून को कोलकाता में सीएम सुवेंदु ने कहा बंगाल में यूसीसी को लागू करने के लिए एक तय प्रक्रिया का पालन किया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि इसको लेकर विधानसभा में पूरी रणनीति बताई जाएगी। इसके तहत एक उच्च स्तरीय समिति का गठन किया जाएगा, जिसकी कमान एक वर्तमान न्यायमूर्ति के हाथों में होगी। सीएम सुवेंदु ने देश के अन्य राज्यों का उदाहरण देते हुए कहा कि जिस तरह गुजरात, उत्तराखंड और असम में समान नागरिक संहिता को लेकर कानूनी प्रक्रिया शुरू की गई या इसे लागू किया गया, उसी तर्ज पर बंगाल में भी इसे जमीन पर उतारा जाएगा।

सीएम फंड से हर साल 1500 करोड़ की इलाज सहायता

मुख्यमंत्री ने किया गोरखपुर में एस्ट्रोमेडिक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल का उद्घाटन

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ/गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जरूरतमंद लोगों के इलाज के लिए प्रति वर्ष 1200 से 1500 करोड़ रुपये मुख्यमंत्री राहत कोष से दिए जाते हैं। गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधा आज की आवश्यकता है। वर्ष 2017 के बाद स्वास्थ्य एवं चिकित्सा सेवा के विस्तार से सरकार ने प्रदेश के प्रति लोगों की धारणा को बदला है। पूर्व व वर्तमान सरकार के बीच सबसे बड़ा अंतर यही है कि पहले हर जिले में माफिया पैदा किया गया और अब हर जिले में मेडिकल कॉलेज की सुविधा दी जा रही है।

सीएम योगी शुक्रवार को बेतियाहाता में एस्ट्रोमेडिक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल का उद्घाटन करने के बाद उपस्थित जनसमूह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पिछली सरकारों ने वन डिस्ट्रिक्ट-वन माफिया दिया था, जबकि हमारी सरकार ने प्रदेश को वन डिस्ट्रिक्ट-वन मेडिकल कॉलेज, वन डिस्ट्रिक्ट-वन प्रोडक्ट और वन डिस्ट्रिक्ट-वन कुजीन जैसी योजनाओं का उपहार दिया है। इन योजनाओं से प्रदेश के प्रति धारणा बदलने, नई और मजबूत पहचान बनाने में मदद मिली है। मुख्यमंत्री ने कहा कि चिकित्सा एवं स्वास्थ्य क्षेत्र का उन्नयन

● चिकित्सा एवं स्वास्थ्य क्षेत्र का उन्नयन डबल इंजन सरकार की प्राथमिकता

सरकार की प्राथमिकता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में संपूर्ण विश्व की सबसे बड़ी स्कीम आयुष्मान भारत संचालित हो रही है। इस स्कीम में जो तबके छूट गए, उन्हें यूपी सरकार ने राज्य स्तर पर कवर किया। इस योजना में लाभार्थियों को पांच लाख रुपये तक के इलाज की सुविधा मुफ्त मिलती है। इसके अलावा वह जरूरतमंद लोगों के इलाज के लिए प्रति वर्ष 1200 से 1500 करोड़ रुपये मुख्यमंत्री राहत कोष से देते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि 2017 के बाद से प्रदेश में व्यापक परिवर्तन देखने को मिल रहा है। बिना भेदभाव सबको सुरक्षा, सम्मान और शासन की सुविधाओं का लाभ मिल रहा है। पहले पूर्वी उत्तर प्रदेश में एकमात्र गोरखपुर का बीआरडी मेडिकल कॉलेज था, जो खुद ही बीमार था। वास्तव में मेडिकल कॉलेज बीमार नहीं था, बल्कि तत्कालीन सरकारों की मानसिकता बीमार थी, जिन्होंने यहां की जनता को मरने के लिए छोड़ दिया था। आज वही बीआरडी मेडिकल कॉलेज बेहतरीन तरीके से संचालित हो रहा है। गोरखपुर में एम्स की भी सुविधा मिल रही है। गोरखपुर के अलावा महाराजगंज, देवरिया, सिद्धार्थनगर, बस्ती, बलरामपुर, गोंडा, बहराइच, आजमगढ़, गाजीपुर, रायबरेली, अमेठी, मिजार्पुर, चंदौली में मेडिकल कॉलेज बन गए हैं। इन मेडिकल कॉलेज में क्लासेज के साथ हॉस्पिटल भी बेहतरीन तरीके से चल रहे हैं। बलिया में भी मेडिकल कॉलेज को स्वीकृति मिल चुकी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज सरकारी अस्पतालों में सभी स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध हैं, जबकि 2017 के पहले लखनऊ, दिल्ली, मुंबई सहित सभी बड़े शहरों में इलाज के लिए पूर्वी उत्तर प्रदेश के लोगों की लंबी कतार नजर आती थी। 2005 में गोरखपुर के जिला अस्पताल में कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. एके गुप्ता की दुखद मृत्यु कार्डियक अरेस्ट से हो गई थी। तब एक भी आईसीयू बेड नहीं था। डायलिसिस की सुविधा नहीं थी, अच्छे ब्लड बैंक नहीं थे, प्लेटलेट्स की सुविधा नहीं थी। आज गोरखपुर में दो दर्जन से अधिक अस्पताल ऐसे हैं, जहां आईसीयू की सुविधा है। 2007 में गोरखनाथ हॉस्पिटल में 10 बेड के साथ पहली बार आईसीयू की सुविधा शुरू हुई थी। ब्लड सेपरेटर मशीन और डायलिसिस मशीन भी पहली बार गोरखनाथ हॉस्पिटल में ही लगाई गई। आज सभी सरकारी अस्पतालों में बेहतरीन सुविधाएं उपलब्ध हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि विश्वसनीय स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध कराना अस्पताल और डॉक्टर की बड़ी जिम्मेदारी है। प्रयास होना चाहिए हम स्वस्थ रहें। फिर भी कभी बीमारी आ गई तो उपचार का केंद्र अच्छा होना चाहिए। उपचार के अच्छे केंद्र के रूप में आज एस्ट्रोमेडिक्स हॉस्पिटल के जरिए एक नई कड़ी जुड़ी है। यूपी में जो स्वास्थ्य क्षेत्र पहले की सरकारों में उपेक्षित था, आज लोगों ने उसमें निवेश करना प्रारंभ किया है। हॉस्पिटल संचालक परिवार के अभिभावक रहे पूर्व मंत्री मार्कण्डेय चंद की स्मृतियों को साझा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि पूर्व मंत्री गोरक्षपीठ के अनन्य भक्त थे। वह किसी भी दल में रहे हों, पीठ के प्रति उनका गहरा लगाव व गहरी आस्था थी। करियर दांव पर लगाकर भी वह संबंधों को महत्व देते थे। सीएम ने एक संस्मरण साझा करते हुए कहा कि मार्कण्डेय चंद ने बसपा सरकार में मंत्री रहते हुए भी विधानभवन में मुझे अपनी कुर्सी पर बैठने के लिए इस आशय से आग्रह किया कि उनके लिए गोरक्षपीठ सर्वोपरि है। उनके पुत्रों सीपी चंद और अरुण चंद ने एस्ट्रोमेडिक्स हॉस्पिटल के जरिये उनकी स्मृतियों को जीवंत किया है। हॉस्पिटल के शिलापट्ट का अनावरण करने के उपरांत मुख्यमंत्री ने भ्रमण कर व्यवस्थाओं व चिकित्सा सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने परिसर में पूर्व मंत्री स्वर्गीय मार्कण्डेय चंद की प्रतिमा का अनावरण भी किया और पुष्पार्चन कर उनकी स्मृतियों को नमन किया।

शादी अनुदान योजना से ओबीसी परिवारों को राहत, 5 हजार बेटियां लाभान्वित

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में गरीब एवं जरूरतमंद अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) परिवारों की बेटियों के विवाह में आर्थिक सहयोग देने वाली योगी सरकार की शादी अनुदान योजना लगातार प्रभावी साबित हो रही है। वित्तीय वर्ष 2026-27 की शुरूआत से अब तक 5,032 ओबीसी बेटियों को योजना का लाभ मिल चुका है। सरकार ने इस वित्तीय वर्ष में 1.05 लाख लाभार्थियों को योजना से जोड़ने का लक्ष्य निर्धारित किया है।

प्रदेश सरकार के अनुसार, बेटी की शादी गरीब परिवारों के लिए बड़ी आर्थिक जिम्मेदारी होती है। ऐसे में शादी अनुदान योजना जरूरतमंद परिवारों के लिए महत्वपूर्ण सहारा बन रही है। शुरूआती महीनों में ही हजारों पात्र परिवारों तक योजना का लाभ पहुंचना इसकी प्रभावी क्रियान्वयन व्यवस्था को दर्शाता है। कुल लाभार्थियों में 4,178 ऐसे आवेदक भी शामिल हैं, जिन्होंने मार्च में विवाह होने पर उसी महीने आवेदन किया था। योजना के तहत पात्र परिवारों को बेटी के विवाह के लिए 20 हजार रुपये की आर्थिक सहायता सीधे बैंक खाते में भेजी जाती है, जिससे पूरी प्रक्रिया पारदर्शी बनी रहती है। योजना के संचालन में सरकार ने संवेदनशील वर्गों को विशेष प्राथमिकता दी है। विकलांग, विधवा, दैवीय आपदा से प्रभावित तथा भूमिहीन परिवारों के आवेदनों को प्राथमिकता के आधार पर निस्तारित किया जाता है, जिससे सबसे अधिक जरूरतमंद परिवारों को समय पर सहायता मिल सके।

सरकारी आंकड़ों के अनुसार, वित्तीय वर्ष 2025-26 में 1.16 लाख से अधिक पात्र परिवारों को शादी अनुदान योजना के तहत आर्थिक सहायता प्रदान की गई थी। इस वर्ष भी सरकार ने लाभार्थियों की संख्या बढ़ाने का लक्ष्य तय किया है। पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग के प्रमुख सचिव राजेश कुमार सिंह ने कहा कि शादी अनुदान योजना अन्य पिछड़ा वर्ग के जरूरतमंद परिवारों के लिए बड़ी राहत साबित हो रही है। उन्होंने बताया कि 20 हजार रुपये की सहायता सीधे लाभार्थियों के बैंक खाते में भेजी जा रही है, जिससे पारदर्शिता बनी हुई है और समय पर आर्थिक सहयोग मिल रहा है। उन्होंने कहा कि योगी सरकार पिछड़े वर्ग के उत्थान और सामाजिक सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है तथा यह योजना गरीब परिवारों की बेटियों के विवाह में महत्वपूर्ण आर्थिक सहयोग प्रदान कर रही है।

'वंदे मातरम' माँ भारती के प्रति अटूट प्रेम, त्याग और राष्ट्रभक्ति का अमर मंत्र है – केशव प्रसाद मौर्य

सामाजिक न्याय, समानता और शिक्षा के क्षेत्र में राजर्षि शाहू जी महाराज का योगदान सदैव प्रेरणादायी रहेगा

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ । उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने शुक्रवार को लखनऊ स्थित अपने सरकारी आवास, सात कालिदास मार्ग पर राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम' के अमर रचयिता, युग मनीषी श्रद्धेय बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय जी तथा सामाजिक न्याय एवं समानता के अग्रदूत राजर्षि छत्रपति शाहू जी महाराज की जयंती के अवसर पर उनके स्मृति-चित्रों पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धासुमन नमन किया। उप मुख्यमंत्री श्री मौर्य ने कहा कि राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम' माँ भारती के प्रति अटूट प्रेम, बलिदान, आत्मसम्मान और राष्ट्रभक्ति का ऐसा अमर मंत्र है, जिसने स्वतंत्रता संग्राम के दौरान असंख्य क्रांतिकारियों और देशवासियों में नई ऊर्जा का संचार किया। श्रद्धेय बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय जी ने अपने साहित्य और कालजयी कृति 'आनंदमठ' के माध्यम से जन-जन में राष्ट्रप्रेम की भावना जागृत करने का कार्य किया। उन्होंने कहा कि बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय जी का राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम' आज भी प्रत्येक भारतीय के हृदय में देशभक्ति और मातृभूमि के प्रति समर्पण की भावना को और अधिक प्रबल करता है। उनका साहित्य एवं राष्ट्र के प्रति समर्पण सदैव प्रेरणा का स्रोत रहेगा। श्री मौर्य ने सामाजिक न्याय के पुरोधा राजर्षि छत्रपति शाहू जी महाराज को नमन करते हुए कहा कि उन्होंने समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को सम्मान, शिक्षा और समान अवसर दिलाने के लिए अपना पूरा जीवन समर्पित कर दिया। शिक्षा,

सामाजिक सुधार और वंचित वर्गों के उत्थान के क्षेत्र में उनका योगदान अतुलनीय है। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि राजर्षि छत्रपति शाहू जी महाराज ने सामाजिक समानता और न्याय के विचारों को केवल व्यक्त ही नहीं किया, बल्कि उन्हें व्यवहार में लागू कर समाज में परिवर्तन की मजबूत नींव रखी। उनके विचार आज भी समतामूलक समाज के निर्माण के लिए प्रेरणा देते हैं। उन्होंने कहा कि बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय जी और राजर्षि छत्रपति शाहू जी महाराज जैसे महान विभूतियों का जीवन राष्ट्रसेवा, सामाजिक समरसता, शिक्षा और जनकल्याण के लिए सदैव मार्गदर्शन करता रहेगा।

नशे की लत पूरी दुनिया के लिए चुनौती

नशा दुनिया के लिए चुनौती और समाज के लिए अभिशाप बन चुकी है

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। 'मादक पदार्थों का दुरुपयोग एवं अवैध व्यापार विरोधी अंतर्राष्ट्रीय दिवस' के अवसर पर शुक्रवार को मद्य निषेध विभाग, उत्तर प्रदेश की ओर से चौधरी चरण सिंह सभागार, सहकारिता भवन में राज्य स्तरीय मद्य निषेध कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ आबकारी एवं मद्य निषेध राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नितिन अग्रवाल ने किया। इस दौरान उन्होंने युवाओं में बढ़ती नशे की प्रवृत्ति पर चिंता जताते हुए कहा कि नशे की लत पूरी दुनिया के लिए चुनौती और समाज के लिए अभिशाप बन चुकी है।

कार्यक्रम में मंत्री ने उपस्थित लोगों को नशे से दूर रहने तथा दूसरों को भी इसके प्रति जागरूक करने की शपथ दिलाई। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा शुरू किए गए 'नशा मुक्त भारत अभियान' का उद्देश्य विशेष रूप से युवाओं को नशे से बचाना है। वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लक्ष्य को हासिल करने में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है, इसलिए उनकी ऊर्जा को राष्ट्र निर्माण में लगाना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश तेज गति से विकास कर रहा है और युवाओं को नशे जैसी बुराइयों से बचाकर ही राज्य और देश की प्रगति को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया जा सकता है। उन्होंने स्वयंसेवी संस्थाओं, सामाजिक संगठनों और सिविल सोसायटी से नशा मुक्ति अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील की। कार्यक्रम में प्रमुख सचिव समाज कल्याण अनुराग यादव ने कहा कि नशा मुक्त भारत का लक्ष्य केवल सरकारी प्रयासों से पूरा नहीं होगा, बल्कि समाज के प्रत्येक व्यक्ति की भागीदारी आवश्यक है। इस अवसर पर बलरामपुर चिकित्सालय के मानसिक रोग विशेषज्ञ डॉ. पी.के. श्रीवास्तव ने मादक पदार्थों के सेवन के मनोवैज्ञानिक एवं सामाजिक दुष्प्रभावों तथा उनसे बचाव के उपायों पर विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम के दौरान मद्य निषेध विभाग की ओर से आयोजित नशा मुक्ति प्रतियोगिताओं के विजेता प्रतिभागियों को आबकारी मंत्री एवं अन्य अतिथियों ने प्रशस्ति पत्र और पुरस्कार देकर सम्मानित किया। राज्य मद्य निषेध अधिकारी आर.एल. राजवंशी ने विभाग की उपलब्धियों और नशा मुक्त भारत अभियान के तहत संचालित गतिविधियों की जानकारी दी।

कार्यक्रम में क्षेत्रीय मद्य निषेध अधिकारी रमेश कुमार, जिला मद्य निषेध अधिकारी नीतू वर्मा सहित विभाग के कई अधिकारी, कर्मचारी एवं विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

मन की बात का सामूहिक श्रवण 28 को

अमन लेखनी समाचार

● भारतीय जनता पार्टी महानगर की संगठनात्मक बैठक संपन्न

लखनऊ। हजरतगंज स्थित हलवासिया कोर्ट में भारतीय जनता पार्टी लखनऊ महानगर की संगठनात्मक बैठक की अध्यक्षता भाजपा के महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी ने की। उन्होंने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस से जन्मदिवस तक आयोजित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों की रूपरेखा तय की गयी है।

28 जून को सभी बूथों बैठक से पूर्व निर्धारित मन की बात कार्यक्रम का सामूहिक श्रवण किया जाएगा। इसके बाद डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की जाएगी तथा सभी बूथों पर वृक्षारोपण किया जाएगा। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर गोष्ठी 2 जुलाई को सहकारिता भवन में सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। उनके जन्म दिवस 6 जुलाई को सभी बूथों पर डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उनके योगदान का स्मरण किया जाएगा।

इस अवसर पर विधायक डा. नीरज बोरा, सुधीर हलवासिया, अंजनी कुमार श्रीवास्तव, रजनीश गुप्ता, महानगर महामंत्री घनश्याम अग्रवाल, महामंत्री सतेंद्र सिंह, विनायक पांडेय, दीपक शुक्ला उपस्थित रहे।

149 आईटीआई में शुरू होंगे अत्याधुनिक कोर्स

टाटा टेक्नोलॉजीज के सहयोग से ईवी, रोबोटिक्स सहित 11 आधुनिक ट्रेडों में मिलेगा प्रशिक्षण

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। प्रदेश सरकार ने युवाओं को आधुनिक तकनीकी कौशल से लैस कर रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में राज्य सरकार ने टाटा टेक्नोलॉजीज लिमिटेड के सहयोग से प्रदेश के 149 राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) तथा प्रादेशिक स्टाफ प्रशिक्षण एवं शोध केंद्र, अलीगंज-लखनऊ में अत्याधुनिक तकनीकी कोर्स शुरू करने का निर्णय लिया है। इन कोर्सों के संचालन के लिए 1,065 पदों पर आउटसोर्सिंग के माध्यम से भर्ती की जाएगी।

1065 पदों पर होगी आउटसोर्सिंग भर्ती

व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल ने बताया कि आधुनिक ट्रेडों के सुचारु संचालन के लिए कुल 171 वर्कशॉप इंस्ट्रक्टर और 894 प्रशिक्षकों की सेवाएं आउटसोर्सिंग के माध्यम से ली जाएंगी। इन पदों के लिए सेवा प्रदाता एजेंसी का चयन जेम पोर्टल के जरिए पारदर्शी प्रक्रिया से किया जाएगा। उन्होंने कहा कि भर्ती प्रक्रिया कार्मिक, एमएसएमई और श्रम विभाग के शासनादेशों के अनुरूप होगी, जबकि शैक्षणिक योग्यता एवं अन्य मानक प्रशिक्षण निदेशालय तय करेगा। मंत्री ने कहा कि सरकार का उद्देश्य युवाओं को चौथी औद्योगिक क्रांति (इंडस्ट्री 4.0) के अनुरूप कौशल प्रदान करना है। इसी उद्देश्य से टाटा टेक्नोलॉजीज के सहयोग से इलेक्ट्रिक व्हीकल मैकेनिक, इंडस्ट्रियल रोबोटिक्स एंड डिजिटल मैन्युफैक्चरिंग, एडवांस्ड सीएनसी मशीनिंग, मैन्युफैक्चरिंग प्रोसेस कंट्रोल एंड ऑटोमेशन, इंडस्ट्रियल इंटरनेट ऑफ थिंग्स, एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग (3डी प्रिंटिंग), सीएएम प्रोग्रामिंग सहित कुल 11 आधुनिक कोर्स संचालित किए जाएंगे।

कपिल देव अग्रवाल ने कहा कि इन कोर्सों के माध्यम से आईटीआई के छात्र वैश्विक उद्योगों की आवश्यकताओं के अनुरूप प्रशिक्षित होंगे, जिससे उन्हें देश ही नहीं बल्कि विदेशों में भी बेहतर रोजगार के अवसर मिलेंगे। उन्होंने कहा कि योगी सरकार का लक्ष्य उत्तर प्रदेश को देश का सबसे बड़ा 'स्किल हब' बनाना है और यह पहल उसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

सपा ने चढ़ावा चोरी और चंदा चोरी की उठायी आवाज : अखिलेश यादव

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा जनता से हार गयी तो सांसद खरीदने की योजना बना रही है ताकि भारतीय संविधान में मनमाने संशोधन करने में सफल हो सके। भाजपा सरकार की तरह हिटलर भी जबरदस्ती बहुमत हासिल कर तानाशाह बन बैठा था। शुक्रवार को समाजवादी पार्टी के प्रदेश मुख्यालय में अखिलेश यादव ने कहा कि 2027 में भाजपा को प्रदेश की सत्ता से हटाकर लोकतंत्र बचाना है। यूपी ही देश को बचा सकता है। उत्तर प्रदेश की जनता भाजपा को सबक सिखाने की ताकत रखती है। भाजपा सरकार में वोट चोरी, चंदा चोरी, चढ़ावा चोरी हो रही है। भगवान श्रीराम की कृपा से समाजवादी पार्टी ने चढ़ावा चोरी और चंदा चोरी की आवाज उठायी। श्री यादव ने कहा कि कमीशनखोरी के कारण पुलों, सड़कों और पानी की टंकियों का बेहद घटिया निर्माण हुआ। भ्रष्टाचार के कारण कुछ भी टिकाऊ नहीं है। लोकतंत्र और संविधान बचाने के लिए 2027 में समाजवादी पार्टी की सरकार जरूरी है, नहीं तो उत्तर प्रदेश का विधानसभा चुनाव देश का अंतिम चुनाव होगा। समाजवादी पार्टी कार्यकर्ताओं से कहा कि सब मिलकर कार्य करें। भाषा और व्यवहार ठीक रखे। जनता के बीच रहकर सम्पर्क और मदद करें।

अज्ञात अनियंत्रित ट्रक की टक्कर से पल्लेदार की जीवनलीला हुई समाप्त

अमन लेखनी समाचार

बिंदकी, फतेहपुर। जनपद के बिंदकी कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत कस्बे की सब्जी मंडी से वापस जा रहे कोतवाली थाना क्षेत्र के मुरादपुर गांव निवासी 55 वर्षीय रामनारायण पुत्र नन्हूदास को एक अनियंत्रित ट्रक ने टक्कर मार दी जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए आनन-फानन मौजूद लोगों ने घायल को नजदीकी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया जहां चिकित्सकों ने उपचार किया तथा उपचार के दौरान मजदूर पल्लेदार की मौत हो गई मिली जानकारी के अनुसार मजदूर पल्लेदार सब्जी मंडी सब्जी लेने अपनी साइकिल से गया था जहां मुहर्रम त्यौहार होने के कारण बाजार बंद थी तथा वह वापस अपने गांव जा रहा था प्रशासन द्वारा मिली जानकारी के अनुसार मृतक के शव को पंचनामा करते हुए पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है वही अज्ञात ट्रक की तलाश जारी है

नशेबाज युवक ने डीजल डालकर लगाई आग हुई मौत

अमन लेखनी समाचार

फतेहपुर। जनपद के मलवां थाना क्षेत्र अंतर्गत गांव तारापुर निवासी 40 वर्षीय युवक पवन उर्फ अवधेश पुत्र सुखदेव पटेल ने नशे की हालत में अपने ऊपर डीजल डालकर आग लगा लिया जिस कारण उसकी मौत हो गई मिली जानकारी के अनुसार युवा के नशे का आदी था जहां शराब पीकर कल दोपहर समय अपने ऊपर डीजल डालकर आग लगा लिया कुछ ही देर में डीजल ने आग पकड़ ली तथा युवक तेजी से जलने लगा आग ने भयंकर विकराल रूप धारण किया तब अपनी जान बचाने के लिए युवक पवन ने शोर मचाया यह शोर सुनकर आसपास के लोग पहुंचे तथा आग बुझाने का प्रयास किया कड़ी मशक्कत के बाद आग बुझाया तथा घायल युवक को तत्काल उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया जहां उपचार के दौरान युवक पवन की मौत हो गई यह जानकारी जैसे ही पत्नी विनीता को मिली तो रो-रो कर उसका बुरा हाल हो गया मिली जानकारी के अनुसार पत्नी विनीता कल दोपहर समय क्षेत्र के सहिली गांव में स्थापित एक बैंक से कुछ धन निकालने के लिए गई थी वहीं घर में पवन अकेला था पत्नी ने बताया कि पति शराब का आदी था घर में कोई न होने पर शराब के नशे में आकर ऐसी घटना घटित कर दी जानकारी लेने पर कोतवाली प्रभारी दिनेश मिश्रा ने भी बताया कि पवन की मौत की सूचना आई है पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के पश्चात अग्रिम कार्रवाई की जाएगी वही स्थानीय थाने को भी सूचना दे दी गई है

एलयू के हॉस्टलों का होगा कायाकल्प

नए सत्र में छात्रों को मिलेंगी बेहतर सुविधाएं

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। लविवि में नए शैक्षणिक सत्र 2026-27 की तैयारियों को लेकर छात्रावासों को बेहतर बनाने का अभियान शुरू कर दिया गया है। विवि प्रशासन ने मुख्य और द्वितीय परिसर के सभी हॉस्टलों में सुविधाओं को दुरुस्त करने की कार्ययोजना तैयार की है। इसका उद्देश्य नए छात्रों को सुरक्षित, स्वच्छ और पढ़ाई के अनुकूल माहौल उपलब्ध कराना है। कुलपति प्रो. जेपी सैनी की अगुवाई में निर्माण विभाग के सिविल और इलेक्ट्रिकल अनुभाग द्वारा हॉस्टलों के कमरों, मेस, रसोई और अन्य मूलभूत सुविधाओं को सुधारने का काम तेजी से किया जा रहा है।

एलयू प्रशासन के अनुसार नए सत्र में छात्रावास आवंटन की प्रक्रिया पूरी तरह ऑनलाइन और पारदर्शी तरीके से एचएमएसपोर्टल के माध्यम से होगी। तैयारियों को पूरा करने के लिए वर्तमान छात्रों को 27 जून तक हॉस्टल खाली करने और 28 जून से मेस बंद करने के निर्देश दिए गए हैं, जिससे मरम्मत कार्य समय पर पूरा किया जा सके। बता दें की विश्वविद्यालय के 18 छात्रावासों में कुल 3029 विद्यार्थियों के रहने की व्यवस्था है। इनमें छात्रों के लिए नौ और छात्राओं के लिए नौ हॉस्टल शामिल हैं। छात्रावासों में कमरों की साफ-सफाई, खराब फर्नीचर की मरम्मत, खिड़कियों और दरवाजों पर मच्छर जाली लगाने का काम किया जा रहा है। इसके अलावा पुराने और खराब शौचालयों का नवीनीकरण, नई सैनिटरी फिटिंग, पानी की टंकियों और मोटर पंप की व्यवस्था को भी सुधारा जा रहा है। गर्मी को देखते हुए पंखों की मरम्मत और जरूरत के अनुसार नए पंखे लगाए जा रहे हैं। हॉस्टलों की विद्युत व्यवस्था की जांच के साथ मेन स्विच और डिस्ट्रीब्यूशन बोर्ड भी बदले जाएंगे। कुलपति प्रो. जेपी सैनी ने कहा कि विश्वविद्यालय की प्राथमिकता छात्रों को सुरक्षित और बेहतर सुविधाओं वाला वातावरण देना है ताकि वे बिना किसी परेशानी के अपनी पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित कर सकें।

पानी की सुविधा होगी बेहतर

छात्रों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए विश्वविद्यालय परिसर का फायर सेफ्टी ऑडिट भी कराया जाएगा। वहीं, स्वच्छ पेयजल के लिए सबमर्सिबल पंप, वाटर कूलर और आरओ सिस्टम को दुरुस्त किया जा रहा है।

किचन और डाइनिंग हॉल होगा बेहतर

मेस, किचन और डाइनिंग हॉल की मरम्मत व पेंटिंग के साथ हॉस्टल तक जाने वाली सड़कों को भी बेहतर किया जा रहा है। क्षतिग्रस्त बाउंड्री वॉल और प्रवेश द्वारों की मरम्मत का कार्य भी जारी है।

जुलूस निकाल कर मनाया गया मुस्लिम समुदाय का मुहर्रम त्यौहार

प्रशासन की निगरानी में जगह-जगह निकला जुलूस

अमनलेखनी समाचार

अमौली, फतेहपुर। जनपद के सभी क्षेत्रों में मुस्लिम समुदाय के प्रमुख हजरत इमाम हुसैन का शहादत दिवस मनाया गया सभी स्थानों पर प्रशासन की निगरानी में जुलूस निकाले गए जनपद के सदर बिंदकी जहानाबाद लललौली तथा अमौली कस्बे में भी सदियों से चली आ रही इस परंपरा का निर्वहन मुस्लिम समुदाय के लोगों ने किया अमौली कस्बे में निकाली गई जुलूस यात्रा में बच्चों एवं युवा वर्ग ने डंडा लकड़ी तथा झूमर से जुलूस में अपने-अपने अद्भुत क्रियाकलाप प्रस्तुत किया वही जुलूस अंतर्गत

मुस्लिम समुदाय के साथ-साथ हिंदू समाज भी सम्मिलित होकर सभी मुस्लिम समुदाय के लोगों को इस त्यौहार में मिलकर समुदाय के प्रमुख की शहादत को नमन किया जगह जगह शीतल पेय पदार्थ तथा जलपान की व्यवस्था भी कराई गई इस मौके पर ग्राम प्रधान प्रकाश चंद्र उर्फ बंटू सोनकर इशितयाक खान रशीद खान अजीज फुलवारी गुलफाम असलम परवेज इमरान खान फूल हसन तथा युसूफ खान समेत भारी संख्या में मुस्लिम तथा हिंदू समाज के लोग मौजूद रहे सुरक्षा व्यवस्था को देखते हुए अमौली चौकी प्रभारी अविनाश मिश्रा ने जगह-जगह पुलिस बल तैनात कियो

जहरीले कीड़े के काटने से किसान की हुई मौत

अमन लेखनी समाचार

सफीपुर, उन्नाव। कोतवाली क्षेत्र के मुरादपुर गांव में खेत पर काम कर रहे एक किसान की जहरीले कीड़े के काट लिया।जानकारी होने पर परिजन उसे सीएचसी ले जाने की तैयारी कर रहे थे लेकिन इसीबीच उसने दम तोड़ दिया। मौत से परिवार में कोहराम मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। कोतवाली क्षेत्र के मुरादपुर गांव निवासी रामकुमार रावत (40) पुत्र रामऔतार खेती किसानी करता था।गुरुवार की शाम गांव के बाहर स्थित अपने खेत में पर गया था जहां किसी जहरीले कीड़े ने उसे काट लिया। कुछ ही देर में उनकी तबीयत बिगड़ने लगी। घटना की जानकारी मिलते ही परिजन मौके पर पहुंचे और उन्हें उपचार के लिए अस्पताल ले जाने की तैयारी करने लगे, लेकिन अस्पताल पहुंचने से पहले ही उनकी मौत हो गई।किसान की अचानक हुई मौत से पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई।सूचना मिलने पर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई करते हुए शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।मृतक अपने पीछे पत्नी रामकुमारी, बड़ा पुत्र संदीप कुमार, पुत्र संचित, कुलदीप तथा पुत्री ज्योति को छोड़ गया है जिनका रो-रोकर बुरा हाल है।

ससुराल आए युवक का खेत में मिला पड़ा मिला

अमन लेखनी समाचार

सफीपुर, उन्नाव। कोतवाली के परियर चौकी क्षेत्र के मरौंदा मंझवारा गांव में अपनी ससुराल आए युवक का शव शुक्रवार को सुबह गांव के बाहर बने गेट के पास एक खेत में पड़ा मिलने से हड़कंप मच गया। मृतक की पहचान माखी थाना क्षेत्र के पुरवा गांव निवासी नीरज पुत्र मुन्नू उम्र 30वर्ष के रूप में हुई।मृतक के पास से प्वाइजन की पैकेट पास से मिली है।परिजनों के अनुसार नीरज गुरुवार को दोपहर घर से कानपुर के लिए निकला था। शुक्रवार को उसका शव खेत में मिलने की सूचना पर परिजनों में कोहराम मच गया।परिजनों के अनुसार पति पत्नी का आपस में काफी समय से मन मुटाव चल रहा था मृतक की पत्नी संगीता व दो लड़की है गौरी 11वर्ष, मनु 5वर्ष परिजनों का रो रो कर हुआ बुरा हाल।

आयकर विभाग ने मजदूर की बेटी भेजा 20 करोड़ कमाई का समन परिजनो के उड़े होश

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। गिरिजाबाग मोहल्ले में रहने वाली बीए की छात्रा रश्मि सविता को आयकर विभाग ने 20.98 करोड़ रुपये की आय छिपाने और बड़े कारोबार से जुड़े लेनदेन के संबंध में समन भेजा है। मजदूर परिवार से ताल्लुक रखने वाली रश्मि और उनके परिजनों ने इस पर हैरानी जताई है। रश्मि सविता को यह समन 30 अप्रैल को आयकर विभाग चंडीगढ़ की ओर से आयकर अधिनियम की धारा 131 (1अ) के तहत जारी किया गया था। इस धारा के तहत आमतौर पर आय छिपाने या वित्तीय अनियमितताओं की आशंका होने पर जांच की जाती है। समन में रश्मि को पांच मई तक अपना पक्ष प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया था। नोटिस मिलने के बाद रश्मि ने मामले की जानकारी जुटाने के लिए विभिन्न विभागों से संपर्क किया।जांच में उन्हें पता चला कि उनके आधार कार्ड और पैन कार्ड का कथित तौर पर दुरुपयोग कर दिल्ली में एक फर्म खोली गई थी। आरोप है कि उनके दस्तावेजों का इस्तेमाल संतनगर, बुराड़ी क्षेत्र में 'आरएस इंटरप्राइजेज' नामक फर्म के संचालन के लिए किया गया।रश्मि के अनुसार, यह फर्म 15 जनवरी 2025 को शुरू हुई थी और 9 मई 2025 को बंद कर दी गई। लगभग पांच महीने तक उनके दस्तावेजों के आधार पर कारोबार किए जाने का दावा किया जा रहा है। हालांकि, रश्मि का कहना है कि उन्हें इस फर्म या किसी भी प्रकार के करोड़ों रुपये के कारोबार की कोई जानकारी नहीं थी। रश्मि के पिता अजय शंकर मजदूरी करते हैं और परिवार की आर्थिक स्थिति सामान्य है। उनका जीवन-यापन मेहनत-मजदूरी से चलता है। ऐसे में 20.98 करोड़ रुपये की आय और व्यापार से जुड़ा समन मिलने के बाद पूरा परिवार चिंतित है। रश्मि ने कानूनी प्रक्रिया के तहत आयकर विभाग को अपना जवाब भेज दिया है। साथ ही उसने जनसुनवाई पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराते हुए पैन कार्ड और आधार कार्ड के दुरुपयोग की आशंका जताई है। उसने पुलिस अधीक्षक को भी प्रार्थना पत्र देकर मामले में धोखाधड़ी करने वालों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की मांग की है।रश्मि ने पुलिस से मांग की है कि मामले की जांच कर उन लोगों की पहचान की जाए, जिन्होंने उसके दस्तावेजों का इस्तेमाल कर कथित रूप से फर्जी फर्म बनाई और वित्तीय लेनदेन किए। साथ ही आयकर विभाग चंडीगढ़ को भी पूरे मामले की जानकारी उपलब्ध कराने की अपील की गई है। आयकर अधिनियम की धारा 131 (1अ) के तहत जारी नोटिस जांच प्रक्रिया का हिस्सा होता है।जब विभाग को किसी व्यक्ति के नाम पर आय छिपाने, गलत दस्तावेजों के इस्तेमाल या वित्तीय अनियमितताओं की आशंका होती है, तो संबंधित व्यक्ति से जानकारी और दस्तावेज मांगे जा सकते हैं।रश्मि का कहना है कि उन्होंने विभाग को जवाब देकर पूरे मामले से अनभिज्ञता जताई है।रश्मि के परिवार का कहना है कि उन्होंने कभी कोई कंपनी नहीं खोली और न ही करोड़ों रुपये का कारोबार किया।परिवार ने आशंका जताई है कि किसी ने उनके आधार और पैन कार्ड की जानकारी का गलत इस्तेमाल कर फर्जी तरीके से फर्म बनाई और लेनदेन किए। अब परिवार पुलिस और आयकर विभाग से निष्पक्ष जांच की मांग कर रहा है।रश्मि ने एसपी को दिए प्रार्थना पत्र में पूरे मामले की जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। उसने कहा है कि यदि उसके दस्तावेजों का दुरुपयोग हुआ है तो संबंधित लोगों पर धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज किया जाए। साथ ही आयकर विभाग को भी जांच में सहयोग करने की बात कही है।

मोहर्रम के दृष्टिगत डीएम व एसपी ने विभिन्न ताजिया जुलूसों का किया निरीक्षण

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। मोहर्रम के दृष्टिगत जनपद में शांति, सुरक्षा एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाए रखने के उद्देश्य से जिलाधिकारी घनश्याम मीणा, जिलाधिकारी एवं जय प्रकाश सिंह, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों के साथ जनपद के विभिन्न थाना क्षेत्रों में भ्रमणशील रहकर निकल रहे ताजिया जुलूसों का स्थलीय निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों द्वारा ताजिया जुलूसों के निर्धारित मार्ग, सुरक्षा व्यवस्था, यातायात प्रबंधन, बैरिकेडिंग, संवेदनशील स्थलों पर पुलिस बल की तैनाती तथा अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं का गहनता से निरीक्षण किया गया। इस दौरान ड्यूटी पर तैनात पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सतर्क एवं मुस्तैद रहकर अपने दायित्वों का निर्वहन करने तथा प्रत्येक गतिविधि पर निरंतर निगरानी बनाए रखने के निर्देश दिए गए

कच्ची दीवार गिरी मलबे दबकर युवक की मौत

अमन लेखनी समाचार

फतेहपुर चौरासी, उन्नाव। क्षेत्र में शुक्रवार सुबह एक दर्दनाक हादसे में 45 वर्षीय व्यक्ति की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार क्षेत्र निवासी स्वर्गीय गयादीन के पुत्र पप्पू सुबह करीब 9 बजे अपने घर के पास मौजूद कच्ची दीवार के निकट थे।इसी दौरान अचानक दीवार भरभराकर गिर पड़ी और वह उसके नीचे दब गए।हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई तथा आसपास मौजूद लोगों और परिजनों ने किसी तरह मलबा हटाकर उन्हें बाहर निकाला। गंभीर अवस्था में परिजन पप्पू को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने परीक्षण के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। पप्पू की मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। बताया गया है कि पप्पू अविवाहित थे और चार भाई-बहनों में दूसरे नंबर पर थे। घटना की सूचना मिलने पर फतेहपुर चौरासी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक जांच-पड़ताल करने के बाद शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला चिकित्सालय उन्नाव भेज दिया।

फोन पर आई काल बता दिया ओटीपी खाते से पार हो गए लाखो रुपए

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। मांखी थाना क्षेत्र के अनंत खेडा गांव निवासी ईशू पुत्र दिनेश ने पुलिस को दी गयी तहरीर में आरोप लगाया कि वह एक साल से मानसिक रूप से बीमार चल रहा है इसी बीच अज्ञात व्यक्ति द्वारा फोन किया गया और कहा कि ओटीपी आई है बताओ जिस पर उसने बता दिया जिसके बाद 27 अप्रैल से 3 मई के बीच में अलग अलग माध्यम से ओटीपी और यूपीआई के माध्यम से उसके खाते से एक लाख अट्ठासी हजार एक सौ एक रुपया बैंक खाते से कट गया बैंक गया लेकिन समाधान नहीं हुआ इस सम्बंध में थाना प्रभारी योगेश कुमार सिंह ने बताया कि पीडित की तहरीर पर अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मुकद्दमा दर्ज कर लिया गया है और मामले की जांच की जा रही है।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने सीएचसी का किया निरीक्षण

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। मियागंज अस्पताल में गुरुवार को खांसी बुखार से पीड़ित युवक की इलाज के दौरान मौत हो गयी थी मृतक के परिजनों द्वारा अस्पताल गेट पर शव रखकर हंगामा किया गया था जिसके बाद डाक्टर अस्पताल छोड़ कर भाग निकला था मामले की जानकारी पर शुक्रवार सीएमओ डा अजय कुमार शर्मा एसीएमओ जे आर सिंह के साथ मियागंज अस्पताल पहुंचे जहां प्रभारी डा अभिषेक कटियार से मामले की जानकारी ली और अस्पताल का निरीक्षण किया इस दौरान उन्होंने मिली खामियों में सुधार करने का दिशा निर्देश दिया सीएमओ ने ओपीडी, दवा वितरण कक्ष, डिलीवरी रुम, एक्सरे कक्ष देखा और साफ-सफाई तथा आयुष्मान कार्ड बनाने पर जोर दिया युवक की मौत के मामले पर कहा कि जांच के बाद आरोप सही पाए जाने पर डाक्टर दिनेश कुमार के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

मियागंज अस्पताल में तैनात डाक्टर दिनेश कुमार द्वारा आने वाले मरीजों को बाहर से दवा लिखना और जांचे कराना आम बात है जिसकी ग्रामीणों द्वारा पूर्व में शिकायत भी की गयी थी जिसको संज्ञान में लेते हुए डीएम से जांच कर आख्या मांगी गयी थी जिस पर डीएम ने दो सदस्यीय टीम गठित कर जांच के लिए निर्देश दिया था 18 जून को जांच टीम मियागंज अस्पताल पहुंची जहां टीम ने तीरमदारो को बाहर से दवा लाते हुए और उनसे जानकारी ली थी जिस पर डाक्टर दिनेश कुमार द्वारा बाहर से दवाएं लिखने की बात कही इसके बावजूद भी कार्यवाई के नाम पर महज खानापूर्ति की गयी जिसके परिणामस्वरूप गुरुवार को मियागंज कस्बा निवासी राकेश पुत्र सूरज प्रसाद जिसे तीन दिन पहले खांसी बुखार से पीड़ित था अस्पताल पहुंचा तो डाक्टर दिनेश कुमार द्वारा जांच व दवाएं बाहर से लिखी गयी फायदा नहीं हुआ तो गुरुवार मां के साथ फिर अस्पताल पहुंचा तो डाक्टर द्वारा फिर से बाहर से जांच दवाएं लिख दी ग्लूकोज लगाया जिसके बाद हालत बिगड़ने लगी और कुछ देर बाद उसकी मौत हो गयी जिस पर परिजनों ने गलत इलाज का आरोप लगाते हुए मृतक का शव अस्पताल गेट पर रख कर हंगामा किया जिसके बाद डाक्टर अस्पताल छोड़ कर भाग निकला था प्रभारी डा अभिषेक कटियार का कहना है कि मना करने के बाद भी डाक्टर दिनेश कुमार मरीजों को बाहर से दवाएं और जांच कराते हैं जिसकी जानकारी उच्चाधिकारियों को दी जा चुकी है।

अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार युवक घायल

अमन लेखनी समाचार

सुमेरपुर, उन्नाव। बिहार थाने के अन्तर्गत भगवंतनगर कस्बे में अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। गंभीर घायल को जिला अस्पताल रिफर कर दिया गया। थाना क्षेत्र के बड़ी पनई निवासी गोवर्धन 35 वर्ष पुत्र राम आसरे गुरुवार देर शाम अपने पुत्र रामजीत के साथ रिश्तेदारी में हो रहे मांगलिक कार्यक्रम में सब्जी निवाजी खेडा गाँव जा रहे थे। भगवंतनगर के समीप ही अचानक किसी अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी जिससे गोवर्धन सड़क पर गिर पड़े व उनके सर पर गंभीर चोट आ गयी। बाइक सवार हेलमेट नही लगाए था। राहगीरों की मदद से उन्हें स्वास्थ्य केंद्र सुमेरपुर ले जाया गया जहा हालात गम्भीर देख जिला अस्पताल रिफर कर दिया गया। उनके पुत्र रामजीत ने बताया पिता की हालत नाजुक बनी है। कानपुर हैलट में आई सी यू वार्ड में ईलाज हो रहा है। थाना प्रभारी राहुल सिंह ने बताया वाहन चालक वाहन सहित भागने में सफल रहा । तहरीर के आधार पर कार्यवाही की जाएगी।

अज्ञात डंपर की टक्कर से बाइक सवार युवक घायल

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। अजगैन कोतवाली क्षेत्र के मिश्रीगंज गांव के पास कानपुर लखनऊ हाईवे पर अज्ञात डंपर की टक्कर से बाइक सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने घायल युवक को सीएचसी भेजा। जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सक ने घायल युवक को जिला अस्पताल रेफर कर दिया। अजगैन कोतवाली क्षेत्र के कानपुर लखनऊ हाईवे पर मिश्रीगंज गांव के पास शुक्रवार दोपहर अज्ञात डंपर ने बाइक सवार को टक्कर मार दी। जिससे बाइक सवार युवक अमित कुमार 30 पुत्र राम प्रकाश निवासी रावतपुर कानपुर गंभीर रूप से घायल हो गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने एंबुलेंस से उसे सीएचसी नवाबगंज भेजा।

विद्युत करंट की चपेट से युवक की हुई मौत

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। गंगाघाट थाना क्षेत्र के पंचमपुर गांव में शुक्रवार को बिजली के करंट की चपेट में आने से एक युवक घायल हो गया परिजनों ने युवक को आनन-फानन में अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलने पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया उद्दाखेड़ा निवासी सनोज 22 वर्ष पुत्र रमेश के रूप में हुई है। मृतक का भाई विनोद बिजली विभाग में संविदाकर्मी है।विनोद ने शुक्रवार सुबह शटडाउन लेकर अपने भाई सनोज को पंचमपुर गांव में बिजली सप्लाई जोड़ने के लिए भेजा था। इसी दौरान सनोज करंट की चपेट में आ गया।अचानक करंट लगने से वह गंभीर रूप से झुलस गया। आसपास मौजूद लोगों ने उसे बचाने का प्रयास किया, लेकिन उसकी हालत गंभीर बनी रही। अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। युवक की मौत की खबर से परिवार में शोक छा गया है।बताया जा रहा है कि सनोज की शादी करीब एक साल पहले हुई थी। वह चार भाइयों में सबसे छोटा था और उसकी तीन बहनें भी हैं। परिवार के अनुसार, सनोज घर की जिम्मेदारियों में सहयोग करता था। उसकी अचानक मौत से परिवार सदमे में है। घटना की जानकारी मिलने के बाद गंगाघाट थाना पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई की। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है कि युवक किन परिस्थितियों में बिजली के करंट की चपेट में आया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों की पुष्टि हो सकेगी।

दहेज की मांग पूरी न होने पर विवाहिता की हत्या का आरोप, पति और सास गिरफ्तार

अमन लेखनी समाचार

श्यामदेउरवा/महराजगंज। श्यामदेउरवा थाना क्षेत्र के बासपार कोठी गांव में दहेज हत्या के एक मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए पति और सास को गिरफ्तार कर लिया है। आरोप है कि अतिरिक्त दहेज की मांग को लेकर विवाहिता की हत्या कर दी गई। पुलिस अधीक्षक शक्ति मोहन अवस्थी के निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ एवं क्षेत्राधिकारी सदर अंकुर गौतम के पर्यवेक्षण में गठित टीम ने गुरुवार को दोनों आरोपितों को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार बासपार कोठी निवासी अच्छेलाल पुत्र स्वर्गीय मंगरू तथा उसकी माता भुअरी पर 23 जून 2026 को विवाहिता की हत्या करने का आरोप है। मृतका की माता की तहरीर पर 24 जून को थाना श्यामदेउरवा में मुकदमा संख्या 188/2026 दर्ज किया गया। जांच के दौरान पर्याप्त साक्ष्य मिलने के बाद पुलिस ने 25 जून को दोनों आरोपितों को उनके गांव से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस मामले की विवेचना कर रही है तथा आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है। दहेज हत्या प्रकरण में पुलिस की बड़ी कार्रवाई, दो आरोपी सलाखों के पीछे दहेज उत्पीड़न और हत्या के गंभीर आरोपों से जुड़े मामले में श्यामदेउरवा पुलिस ने पति और सास को गिरफ्तार कर न्यायिक प्रक्रिया शुरू कर दी है। मामला थाना क्षेत्र के बासपार कोठी गांव का है, जहां एक विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत के बाद परिजनों ने दहेज हत्या का आरोप लगाया था। मृतका की मां द्वारा दी गई शिकायत में आरोप लगाया गया कि उसकी पुत्री को अतिरिक्त दहेज के लिए लगातार प्रताड़ित किया जा रहा था और इसी कारण उसकी हत्या कर दी गई। शिकायत के आधार पर पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 80(2)/85 तथा दहेज प्रतिषेध अधिनियम की धारा 3/4 के तहत मुकदमा दर्ज किया।

वाहन चोरी करने वाले गिरोह का वालिव पुलिस अपराध शाखा की टीम ने किया पर्दाफाश

अमन लेखनी समाचार

वसई। मीरा-भायंदर वसई-विरार पुलिस आयुक्तालय की वालिव पुलिस अपराध शाखा की टीम ने (सेंधमारी)चोरी और वाहन चोरी करने वाले एक गिरोह का पदार्फाश किया है। पुलिस ने इस गिरोह के सदस्यों को गिरफ्तार करके उनके पास से 3 लाख 63 हजार 705 रुपये का चोरी का माल बरामद किया है। पुलिस ने बताया कि इस कार्रवाई के चलते चोरी के 8 मामलों का खुलासा हुआ है। मिली जानकारी के अनुसार वालिव पुलिस थाना क्षेत्र में दर्ज घरफोडी और वाहन चोरी के बाद अपराध शाखा की टीम को गुप्त सूचना एवं तकनीकी जांच के आधार पर अहम सुराग मिले। टीम ने कार्रवाई करते हुए गिरोह के कई सदस्यों को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के दौरान आरोपियों ने आठ जगहों पर चोरी की वारदातों को अंजाम देने की बात स्वीकार की। पुलिस ने उनके निशानदेही पर चोरी का माल बरामद कर लिया है। यह कार्रवाई पुलिस आयुक्तालय के वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में की गई। इसमें परिमंडल 2 के पुलिस उपायुक्त अशोक विरकर, सहायक पुलिस आयुक्त उमेश माने पाटील, वालिव वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक दिलीप घुगे और क्राइम पुलिस निरीक्षक गोरक्षनाथ जैद की अपराध प्रकटीकरण शाखा की टीम शामिल रही।

मतदेय स्थलों के भौतिक सत्यापन को लेकर जिला निर्वाचन अधिकारी ने की समीक्षा बैठक

सोनभद्र। जिला निर्वाचन अधिकारी/जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने विधानसभा वार तैनात सेक्टर ऑफिसर्स, समस्त उप जिलाधिकारियों एवं तहसीलदारों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक कर मतदेय स्थलों के भौतिक सत्यापन संबंधी तैयारियों की समीक्षा की। बैठक में जिला निर्वाचन अधिकारी ने निर्देशित किया कि दिनांक 27 जून, 2026 को सभी सेक्टर ऑफिसर्स अपने-अपने विधानसभा क्षेत्रों में भ्रमण कर मतदेय स्थलों का भौतिक सत्यापन सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि यह जांच की जाए कि मतदेय स्थल के लिए चयनित भवन उपयुक्त स्थिति में है अथवा नहीं तथा वहां आवश्यक मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध हैं या नहीं।

युवती का रिवॉल्वर के साथ वीडियो वायरल जांच में जुटी पुलिस

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। एक युवती का रिवॉल्वर के साथ बनाया गया रील वीडियो सामने आने के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। यह वीडियो सोशल मीडिया पर लोकप्रियता और दबदबा दिखाने के लिए हथियारों के साथ वीडियो बनाने के लगातार सामने आ रहे सिलसिले का हिस्सा है। वीडियो में युवती कार के अंदर बैठी दिखाई दे रही है। उसके हाथ में रिवॉल्वर है, जिसे वह बेखौफ अंदाज में लहरा रही है। बताया जा रहा है कि यह वीडियो इंस्टाग्राम पर 'रॅह्लल्रेह्लङ्क्ष्पी८ङ्क्ष्४' नाम के हैंडल से अपलोड किया गया है।वीडियो वायरल होने के बाद लोगों में तरह-तरह की चचाएं शुरू हो गई हैं। सोशल मीडिया पर हथियारों के प्रदर्शन को लेकर सवाल उठाए जा रहे हैं। लोगों का कहना है कि ऐसे वीडियो युवाओं में गलत संदेश पहुंचा सकते हैं और कानून व्यवस्था के लिए चुनौती बन सकते हैं। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, वीडियो में दिख रही युवती मौरावां थाना क्षेत्र के गालिबपुर गांव की बताई जा रही है। हालांकि, पुलिस ने अभी तक युवती की पहचान या वीडियो में दिख रहे हथियार की पुष्टि नहीं की है। मौरावां थाना प्रभारी इंस्पेक्टर कुंवर बहादुर सिंह ने बताया कि सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो की जानकारी मिली है। उन्होंने कहा कि पूरे प्रकरण की जांच कराई जाएगी और जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उसके आधार पर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि वीडियो में दिख रहा रिवॉल्वर लाइसेंसी है या अवैध। साथ ही, यह भी जांच की जा रही है कि वीडियो कब और कहां बनाया गया था। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि सोशल मीडिया पर हथियारों का प्रदर्शन करना कानून के दायरेमें आता है और ऐसे मामलों में नियमानुसार कार्रवाई की जाती है।

राजपत्रित पुलिस अधिकारियों के ठहरने व विभागीय कार्यों के लिए चार गेस्ट हाउस के निर्माण की मिली मंजूरी

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। पुलिस विभाग के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए शासन ने एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। राजपत्रित पुलिस अधिकारियों के ठहरने और विभागीय कार्यों के लिए चांदमारी बट में चार नए गेस्ट हाउसों के निर्माण को मंजूरी दे दी गई है। इन गेस्ट हाउसों के निर्माण पर 2 करोड़ 86 लाख 50 हजार रुपये की धनराशि खर्च की जाएगी। जनपद में बाहर से आने वाले राजपत्रित अधिकारियों के लिए पर्याप्त व्यवस्था न होने के कारण उन्हें अक्सर परेशानी का सामना करना पड़ता था।इसी समस्या को देखते हुए शासन स्तर से गेस्ट हाउस निर्माण का प्रस्ताव तैयार किया गया था, जिसे अब स्वीकृति मिल गई है। विशेष सचिव दिनेश कुमार ने अपर पुलिस महानिदेशक को पत्र भेजकर निर्माण कार्य के लिए वित्तीय स्वीकृति प्रदान की है। शासनादेश के अनुसार, ये चारों गेस्ट हाउस जनपद के दारोगा बाग स्थित चांदमारी बट में बनाए जाएंगे। निर्माण कार्य की जिम्मेदारी सी एंड डीएस जल निगम को सौंपी गई है। विभागीय अधिकारियों के अनुसार, निर्माण शुरू करने से पहले सभी आवश्यक वैधानिक प्रक्रियाएं पूरी की जाएंगी। इसमें जरूरी अनापत्तियां, पर्यावरणीय मंजूरी और तकनीकी स्वीकृतियां शामिल हैं।शासन की ओर से यह भी निर्देश दिए गए हैं कि प्रस्तावित निर्माण कार्य किसी अन्य योजना के तहत पहले से स्वीकृत न हो और किसी प्रकार का दोहराव न किया जाए। स्वीकृत धनराशि का उपयोग केवल इसी परियोजना के लिए किया जाएगा, जिसकी समय सीमा 31 मार्च 2027 तक निर्धारित की गई है।अधिकारियों का कहना है कि इन गेस्ट हाउसों के बनने के बाद जिले में आने वाले वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों और अन्य राजपत्रित अधिकारियों के ठहरने की व्यवस्था बेहतर हो सकेगी। पुलिस विभाग का मानना है कि इस निर्माण से प्रशासनिक कार्यों में भी सुविधा मिलेगी और विभागीय गतिविधियों को सुचारु रूप से संचालित करने में मदद मिलेगीशासन की मंजूरी के बाद अब निर्माण प्रक्रिया जल्द शुरू होने की उम्मीद है। चांदमारी बट में बनने वाले ये गेस्ट हाउस पुलिस विभाग की सुविधाओं में विस्तार की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माने जा रहे हैं।

पूर्वोत्तर रेलवे

ई–निविदा सूचना

निम्नलिखित कार्यों के लिए ई–निविदा वरि. मंडल विद्युत इंजीनियर /टीआरडी, पूर्वोत्तर रेलवे, लखनऊ के द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से आमंत्रित की जाती हैं। **क्र. सं.** :–1., **निविदा सं०**:–वमंविइं–टीआरडी–लजं०–ओटी–208, **कार्य का विवरण**:– पूर्वोत्तर रेलवे लखनऊ मण्डल में BLP, SOT, BRK और PD अधिकार क्षेत्र में दो साल के लिए ओएचई के रखरखाव और ब्रेकडाउन से जुड़े कामों के लिए आउटसोर्सिंग।, **ई–निविदा बन्द होने की तिथि व समय**:– 23.07.2026 व 15.00 बजे, **ई–निविदा खुलने की तिथि व समय**:– 23.07.2026 व 15.30 बजे, **अनुमानित लागत**:– रू० 3,06,43,241.77, **बयाना राशि**:– रू० 6,12,900.00, **निविदा मूल्य**:– 0.00 रु०, **कार्य सम्पादन की अवधि** 24 माह।, **नोट**– **1.** इस निविदा के विरूद्ध मैनुअल आफर स्वीकार नहीं किया जायेगा। ऐसे प्राप्त मैनुअल आफर को उपेक्षित कर दिया जायेगा। **2.** विस्तृत विवरण व निविदा जमा करने हेतु, कृपया भारतीय रेलवे की बेवसाइट **http://www.ireps.gov.in** को देखें।

वरि.मण्डल विद्युत इंजीनियर/टीआरडी
मुजाधि/विद्युत–80 लखनऊ

ट्रेनों में बीड़ी/सिगरेट न पियें

सम्पादकीय

प्रकृति के सामने सब बेबस, तैयारी जरूरी

मुद्दा
महेन्द्र तिवारी

वेनेजुएला में आए बैक-टू-बैक भूकंप और भूस्खलन ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि प्रकृति के प्रचंड प्रकोप के आगे मानव निर्मित आधुनिकता और तकनीक सब बेबस हैं। इस भीषण त्रासदी ने दिखा दिया है कि समूची मानव जाति प्रकृति की अनिश्चित और विनाशकारी शक्तियों के सामने कितनी असहाय है। सैकड़ों लोगों की मौत और हजारों के प्रभावित होने की खबरें बताती हैं कि आपदा प्रबंधन, भूकंपरोधी निर्माण और त्वरित राहत व्यवस्था कितनी महत्वपूर्ण है। इसलिए मानव जाति को प्रकृति के साथ सामंजस्य बनाना बेहद जरूरी है। ऐसी घटनाओं से बचने के लिए केवल राहत और बचाव पर ध्यान देना पर्याप्त नहीं है, बल्कि पहले से तैयारियों, सुरक्षित निर्माण मानकों और जनजागरूकता को प्राथमिकता देना समय की मांग है। प्राकृतिक आपदाओं को रोका नहीं जा सकता, लेकिन उनकी विनाशलीला को बेहतर तैयारी और मजबूत व्यवस्थाओं से काफी हद तक कम जरूर किया जा सकता है। समस्या यह नहीं है कि ये आपदाएं आती हैं, बल्कि यह है कि इनके प्रति हमारी तैयारी कितनी है। अधिकांश मामलों में देखा गया है कि आपदा के बाद राहत और बचाव कार्यों पर अधिक ध्यान दिया जाता है, जबकि आपदा से पहले की तैयारी अपेक्षाकृत कमजोर रहती है। यही कारण है कि प्राकृतिक घटनाएं कई बार बड़े मानवीय संकट में बदल जाती हैं। भारत भी इस चुनौती से अछूता नहीं है। देश का एक बड़ा हिस्सा भूकंप की दृष्टि से संवेदनशील क्षेत्रों में आता है। जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पूर्वोत्तर राज्य और पश्चिम बंगाल का दार्जिलिंग क्षेत्र भूकंप और भूस्खलन के लिहाज से जोखिम वाले क्षेत्रों में शामिल हैं। वहीं, हर वर्ष मानसून के दौरान बाढ़ और भूस्खलन लाखों लोगों के जीवन को प्रभावित करते हैं। हाल के वर्षों में उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश और केरल में आई प्राकृतिक आपदाओं ने यह स्पष्ट कर दिया है कि जलवायु परिवर्तन और अनियोजित विकास इन खतरों को और बढ़ा रहे हैं। ऐसे में केवल आपदा आने के बाद सहायता पहुंचाना पर्याप्त नहीं है। आवश्यकता इस बात की है कि आपदा जोखिम को कम करने के लिए दीर्घकालिक रणनीति अपनाई जाए। भूकंपरोधी भवन निर्माण को अनिवार्य बनाया जाए, संवेदनशील क्षेत्रों में निर्माण गतिविधियों पर वैज्ञानिक दृष्टिकोण से नियंत्रण रखा जाए और स्थानीय समुदायों को आपदा से निपटने का प्रशिक्षण दिया जाए। स्कूलों, कॉलेजों और सरकारी संस्थानों में नियमित मॉक ड्रिल आयोजित की जानी चाहिए, ताकि संकट की स्थिति में लोग घबराने के बजाय सही निर्णय ले सकें। दुनिया में जापान इसका उत्कृष्ट उदाहरण है। जापान हर वर्ष अनेक भूकंपों और सुनामी की आशंका का सामना करता है, लेकिन वहां मजबूत भवन निर्माण मानकों, उन्नत चेतावनी प्रणाली और व्यापक जनजागरूकता के कारण जनहानि को काफी हद तक नियंत्रित किया जाता है। आपदा के बाद पुनर्वास और पुनर्निर्माण की उनकी क्षमता भी उल्लेखनीय है। भारत सहित अन्य देशों को इस अनुभव से सीख लेकर अपनी व्यवस्थाओं को और मजबूत बनाना चाहिए। प्रकृति को पूरी तरह नियंत्रित करना संभव नहीं है, लेकिन उसके खतरों को कम करना जरूर संभव है। इसके लिए सरकार, वैज्ञानिक संस्थानों, स्थानीय प्रशासन और नागरिकों को मिलकर काम करना होगा। वेनेजुएला की त्रासदी केवल एक देश की समस्या नहीं है, बल्कि पूरी दुनिया के लिए चेतावनी है। यह हमें याद दिलाती है कि प्रकृति के सामने विनम्र रहना और हर समय तैयार रहना ही सबसे बड़ा बचाव है।

ईरान, होर्मुज और बदलती विश्व व्यवस्था

आज के दौर में वैश्विक व्यापार, ऊर्जा आपूर्ति, तकनीकी नेटवर्क और समुद्री मार्गों ने शक्ति की परिभाषा को एक बिल्कुल नया और बहुआयामी स्वरूप प्रदान किया है। ईरान और पश्चिमी देशों के बीच बढ़े तनाव तथा होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर उभरी परिस्थितियों ने यह पूरी तरह स्पष्ट कर दिया है कि आधुनिक दुनिया में केवल सैन्य सामर्थ्य ही निर्णायक नहीं है। किसी महत्वपूर्ण भौगोलिक मार्ग, संसाधन अथवा वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला पर नियंत्रण भी उतना ही प्रभावशाली और रणनीतिक साधन बन सकता है। यही वह महत्वपूर्ण संदेश है जो ईरान की वर्तमान रणनीति के माध्यम से पूरी दुनिया के सामने उभरकर आया है। होर्मुज जलडमरूमध्य पश्चिम एशिया का एक अत्यंत महत्वपूर्ण और संवेदनशील समुद्री मार्ग है। इस संकरे मार्ग का महत्व इस बात से समझा जा सकता है कि सऊदी अरब, इराक, कुवैत, कतर, बहरीन और संयुक्त अरब अमीरात जैसे दुनिया के सबसे प्रमुख तेल उत्पादक देशों का समुद्री निर्यात इसी मार्ग से होकर गुजरता है। वैश्विक कच्चे तेल की कुल आपूर्ति का लगभग 20 प्रतिशत हिस्सा रोजाना इस संकरे जलमार्ग से दुनिया के विभिन्न हिस्सों तक पहुंचता है। इसके अलावा, तरल प्राकृतिक गैस के वैश्विक समुद्री व्यापार का भी एक बहुत बड़ा भाग इसी रास्ते से तय होता है। इसलिए होर्मुज केवल एक साधारण जलमार्ग नहीं है, बल्कि यह वैश्विक अर्थव्यवस्था की धड़कन है। यदि इस मार्ग में किसी भी प्रकार की बाधा उत्पन्न होती है या तनाव बढ़ता है, तो उसका सीधा और तात्कालिक प्रभाव अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ऊर्जा की कीमतों, समुद्री परिवहन लागत, औद्योगिक उत्पादन और दुनिया भर के उपभोक्ता बाजारों पर दिखाई देने लगता है। इस पूरे परिदृश्य में ईरान की भौगोलिक स्थिति उसे इस क्षेत्र में एक विशिष्ट सामरिक महत्व प्रदान करती है। इस जलडमरूमध्य के उत्तरी तट पर ईरान का सीधा भौगोलिक प्रभाव है और इसी कारण वह लंबे समय से इस मार्ग को अपनी सबसे बड़ी रणनीतिक शक्ति के रूप में देखता रहा है। जब भी पश्चिमी देशों द्वारा ईरान पर कड़े आर्थिक प्रतिबंध लगाए गए या उसकी सुरक्षा संबंधी चिंताओं की अनदेखी की गई, तब उसने बार-बार यह संकेत दिया कि वह होर्मुज में जहाजों के आवागमन को प्रभावित करने की क्षमता रखता है। कई अवसरों पर ईरान ने प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से यह चेतावनी भी दी है कि यदि उसके राष्ट्रीय हितों को गंभीर नुकसान पहुंचाया गया, तो वह इस मार्ग को पूरी तरह बंद करने अथवा यहां अतिरिक्त नियंत्रण स्थापित करने पर विचार कर सकता

है। यहीं से दुनिया के लिए एक नया भू-राजनीतिक संदेश निकलता है कि आधुनिक अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था में भूगोल स्वयं एक बहुत बड़ी शक्ति है।

यदि किसी देश के पास कोई ऐसा विशिष्ट स्थान है जो वैश्विक व्यापार, ऊर्जा आपूर्ति या सामरिक गतिविधियों के लिए अनिवार्य है, तो वह देश अपनी सीमित सैन्य या आर्थिक क्षमताओं के बावजूद वैश्विक मंच पर अत्यंत महत्वपूर्ण प्रभाव रख सकता है। ईरान दशकों से भारी आर्थिक प्रतिबंधों और राजनीतिक दबावों का सामना कर रहा है, लेकिन होर्मुज पर उसकी सामरिक स्थिति उसे विश्व राजनीति में लगातार प्रासंगिक और शक्तिशाली बनाए रखती है। यह स्थिति पारंपरिक शक्ति संतुलन को भी गंभीर चुनौती देती है। लंबे समय तक वैश्विक राजनीति में यह माना जाता रहा कि बड़ी सैन्य और परमाणु शक्ति रखने वाले देश किसी भी क्षेत्रीय संकट का समाधान अपने पक्ष में करने में सक्षम होते हैं। होर्मुज का उदाहरण दिखाता है कि कठोर भौगोलिक वास्तविकताएं कई बार विशाल सैन्य शक्ति को भी सीमित कर देती हैं। यदि इस समुद्री मार्ग पर थोड़ा भी तनाव बढ़ता है तो उसका असर केवल एक क्षेत्र पर नहीं बल्कि पूरी दुनिया पर पड़ता है। इसलिए दुनिया के सबसे शक्तिशाली देशों को भी यहां किसी भी प्रकार की सैन्य कार्रवाई करने से पहले कूटनीति, समझौतों और क्षेत्रीय संतुलन का सहारा लेना पड़ता है। इसके साथ ही, ईरान की इस रणनीति ने वैश्विक ऊर्जा सुरक्षा के प्रश्न को एक बार फिर केंद्र में ला दिया है। ऊर्जा आधुनिक अर्थव्यवस्था की आधारशिला है जिसके बिना उद्योग, परिवहन, कृषि और संचार जैसे लगभग सभी क्षेत्र ठप हो सकते हैं। जब किसी ऐसे महत्वपूर्ण मार्ग पर संकट की मामूली आशंका भी उत्पन्न होती है, तब अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल और गैस की कीमतों में तेजी से उतार-चढ़ाव शुरू हो जाता है।

इससे दुनिया भर के निवेशकों में चिंता बढ़ती है और सरकारें वैकल्पिक व्यवस्थाओं की तलाश करने के लिए मजबूर हो जाती हैं। इस प्रकार एक सीमित क्षेत्रीय तनाव भी व्यापक वैश्विक आर्थिक अस्थिरता का कारण बन सकता है। इस परिस्थिति का प्रभाव केवल तेल उत्पादक या पश्चिमी देशों तक सीमित नहीं रहता है। जापान, दक्षिण कोरिया, भारत और यूरोप के अनेक प्रमुख देश अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं के लिए पूरी तरह से पश्चिम एशिया के इसी मार्ग पर निर्भर हैं। यदि होर्मुज में कोई बाधा आती है तो इन विकासशील और विकसित देशों की ऊर्जा सुरक्षा सीधे प्रभावित होती है। यही कारण है कि दुनिया के तमाम राष्ट्र इस मार्ग को हमेशा खुला और सुरक्षित बनाए रखने के पक्षधर हैं। वे अच्छी तरह समझते हैं कि यहां उत्पन्न होने वाला कोई भी संकट उनके घरेलू आर्थिक हितों को सीधे चोट पहुंचाएगा। ईरान के इस व्यवहार से यह भी स्पष्ट होता है कि भविष्य की प्रतिस्पर्धा केवल हथियारों के संचय की नहीं होगी। बीते दशकों में परमाणु हथियारों के प्रसार को लेकर व्यापक चिंताएं व्यक्त की जाती रही हैं, लेकिन आज एक नई प्रवृत्ति उभरती दिखाई दे रही है, जिसमें देश उन स्थानों, संसाधनों और मार्गों पर नियंत्रण की तलाश कर रहे हैं जिनके माध्यम से वे संपूर्ण वैश्विक व्यवस्था को प्रभावित कर सकें। इन्हें भू-राजनीति की भाषा में चोक प्वाइंट कहा जाता है, जहां से होकर व्यापार, ऊर्जा या संचार का बड़ा भाग गुजरता है। यदि वैश्विक व्यापार और ऊर्जा सुरक्षा को अक्षुण्ण रखना है, तो क्षेत्रीय देशों तथा बड़ी शक्तियों के बीच निरंतर संवाद और सहयोग आवश्यक होगा। अंततः, ईरान के व्यवहार से यही निष्कर्ष निकलता है कि 21वीं शताब्दी में शक्ति का स्वरूप बहुआयामी हो गया है, जहां भौगोलिक स्थिति, समुद्री मार्ग, संसाधन और ऊर्जा नेटवर्क ही भविष्य की विश्व राजनीति की दिशा तय करेंगे।

(लेखक स्वतंत्र स्तम्भकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

पाक रक्षा बजट
डॉ. लक्ष्मी शंकर यादव

सुरक्षा प्रणालियों को और अधिक मजबूत करे भारत

पाकिस्तान की शहबाज शरीफ के नेतृत्व वाली सरकार ने अपने वित वर्ष 2026-27 का बजट कुल 18.77 ट्रिलियन पाकिस्तानी रुपये अर्थात 67.49 अरब डॉलर का पेश किया है। इस बजट में रक्षा बजट पर विशेष ध्यान दिया गया है, क्योंकि पाकिस्तानी सेना ने भारत तथा अफगानिस्तान के साथ चल रहे तनाव एवं अन्य सैन्य अभियानों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर अधिक रक्षा बजट की मांग की थी। शरीफ सरकार ने सेना प्रमुख जनरल आसिफ मुनीर की इस मांग को मानते हुए रक्षा बजट में 18 प्रतिशत की भारी-भरकम बढ़ोत्तरी कर दी है। इस बढ़ोत्तरी के बाद पाकिस्तान का रक्षा बजट तीन ट्रिलियन अर्थात 3000 अरब रुपये हो गया है। वहां के वित्त मंत्री मोहम्मद औरंगजेब ने नेशनल असेम्बली को बताया कि सरकार जुलाई से शुरू होने वाले वित्त वर्ष में रक्षा बजट के लिए यह राशि आवंटित करेगी। उन्होंने यह भी कहा कि क्षेत्र में अनिश्चितता के कारण देश को अजेय बनाने के लिए रक्षा खर्च में यह बढ़ोत्तरी सभी प्रांतीय सरकारों के साथ बातचीत के बाद की गई है। पाकिस्तान का रक्षा बजट पिछले कुछ वर्षों में लगातार बढ़ा है। 2021-22 में यह लगभग 1280 अरब पाकिस्तानी रुपये था। वहीं, 2025-26 में यह 2550 अरब पाकिस्तानी रुपये था। अब नई उल्लेखनीय वृद्धि का निर्णय ऐसे समय में लिया गया है, जब पाक गंभीर आर्थिक संकट, बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी, विदेशी कर्ज और गरीबी जैसी अनेक समस्याओं से जूझ रहा है। एक तरफ पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के सहारे चल रही है, वहीं दूसरी ओर सरकार ने रक्षाबजट बढ़ाने का निर्णय लिया है। विदित हो कि पाकिस्तान वर्ष 2023 में डिफॉल्ट होने से बचने के बाद सात अरब डॉलर के आईएमएफ प्रोग्राम को पटरी पर लाने के लिए संघर्ष कर रहा है।

विश्व बैंक तथा आईएमएफ जैसी संस्थाएं उसकी आर्थिक स्थिति को चुनौतीपूर्ण बताती हैं। ऐसे में सवाल यह उठता है कि जब करोड़ों नागरिक आर्थिक कठिनाइयों का सामना कर रहे हों तब रक्षा बजट का बढ़ाया जाना उचित नहीं लगता है, जबकि पाकिस्तान इस निर्णय के पीछे अपनी सुरक्षा चिंताओं, क्षेत्रीय रणनीतिक परिस्थितियों एवं सैन्य जरूरतों का हवाला देता है। सैन्य नेतृत्व का यह मानना है आर्थिक संकट तो अस्थायी है, लेकिन सुरक्षा कमजोर हुई तो इसके परिणाम गंभीर हो सकते हैं। 1947 में हुए बंटवारे के बाद से अब तक पाक की रक्षानीति का सबसे बड़ा केन्द्र भारत ही रहा है और इसी के चलत उसने भारत के साथ 1947-48, 1965, 1971 एवं 1999 में संघर्ष किया और पराजित भी हुआ, लेकिन तनाव बनाए रखा। गत वर्ष की लड़ाई में मात खाना भी उसे अच्छी तरह से याद है। भारत में फैला आतंकवाद उसकी नीतियों की देन है। भारत की बढ़ती आर्थिक व सैनिक ताकत उसके लिए आज भी चिंता का विषय है। भारत लगातार अपनी आधुनिक मिसाइल प्रणालियां, आधुनिक लड़ाकू विमान, वायु रक्षाप्रणाली, ड्रोन एवं नौसैनिक ताकत का लगातार विकास कर रहा है। इस कारण पाकिस्तान अपनी सैन्य क्षमता को मजबूत बनाए रखने और भारत के मुकाबले में बने रहने हेतु अपनी रक्षाशक्ति को आधुनिक बनाने के लिए रक्षाबजट में वृद्धि को जायज मानता है। भारत के अलावा अफगानिस्तान के साथ पाकिस्तान का संघर्ष जारी है। वहां पर तालिबान का शासन स्थापित होने के बावजूद पाक की सुरक्षा चिंताएं कम नहीं हुई हैं। दोनों देशों के बीच आए दिन संघर्ष होता रहता है। पाकिस्तान का आरोप है कि कुछ आतंकवादी संगठन अफगानिस्तान की जमीन का उपयोग पाकिस्तान विरोधी गतिविधियों के लिए कर रहे हैं। इसीलिए सीमा सुरक्षा अभियानों पर खर्च बढ़ रहा है। पाकिस्तान को केवल बाहरी ही नहीं बल्कि आंतरिक सुरक्षाचुनौतियों का भी सामना करना पड़ रहा है। अगर पाकिस्तान इलेक्ट्रॉनिक युद्ध प्रणालियों, मिसाइल एवं ड्रोन जैसे क्षेत्रों में विकास करता है तो भारत को पाकिस्तानी सीमा पर अपनी निगरानी एवं सुरक्षा प्रणालियों को और अधिक मजबूत करना होगा। चीन और पाकिस्तान के बीच बढ़ता रणनीतिक सहयोग एक चिंता का विषय है क्योंकि दोनों देशों के बीच रक्षा तकनीक, हथियार प्रणालियां और संयुक्त रक्षा परियोजनाओं का विस्तार भारत के लिए दो मोर्चों की सुरक्षा तैयारी के लिए बाध्य करता है। रक्षा बजट की वृद्धि यदि पाकिस्तान की सैन्य क्षमता मजबूत करेगी तो भारत पर तत्कालिक खतरा भले ही कम हों, लेकिन दीर्घकालिक रणनीतिक चुनौती तो अवश्य बनेगी। साथ में देखना यह भी होगा कि आर्थिक तंगी के बीच पाकिस्तान का बढ़ा रक्षा बजट उसके लिए कितना लाभदायक सिद्ध होगा।

कुसंगति त्यागे, धर्मबुद्धि जागे

संकलित
दर्शन

आम और नीम दोनों की मूल जमीन में एकत्रित होने से नीम के संसर्ग में आम भी नीमपन को प्राप्त करता है। अर्थात दुर्जन की संगत से प्रायः सज्जन भी दुर्जन हो जाता है। इस बात पर यदि थोड़ा विचार किया जाए तो प्रश्न यह उठता है कि दुर्जन का प्रभाव ही क्यों पड़ता है? सज्जन का प्रभाव क्यों नहीं पड़ता। आम भी कड़वा क्यों होता है? नीम मीठा क्यों होता नहीं ? इसके पीछे यही कारण है कि सज्जन का हृदय बहुत कोमल होता है, जबकि दुर्जन कठोर हृदय का होता है। सज्जन तो खरबूजे की भांति होता है और दुर्जन चाकू की भांति। चाकू चाहे खरबूजे पर पड़े या खरबूजा चाकू के ऊपर, कटना तो खरबूजे को ही पड़ता है इसलिए सज्जन को सदैव सजग होकर रहना चाहिए। मनुष्य का अहित जितना दुश्मन नहीं करता उतना उसका अविवेक कर बैठता है। महान उपन्यासकार बाबू बंकिमचन्द्र ने एक जगह लिखा है कि मनुष्य का विशेष अहित उनके स्नेहीजन ही कर सकते है। विवेकहीन माता-पिता धर्म भावना वाली संतान को धर्म से विमुख करके उसे विषय वासना के गर्त में डाल सकते हैं। वर्तमान युग में देखा जा रहा है कि माता पिता अपनी संतान को धनवान बनाने की भावना रखते हैं मगर धर्मवान बनाने की ओर उनका ध्यान नहीं जाता है। वे अपनी संतान को सुसंस्कारित करने की ओर और ध्यान नहीं दे पाते। जिसमें स्वयं संस्कारो का अभाव होता है ,वे भला दूसरों को संस्कारित कैसे कर सकते हैं।

मंजिल तक कैसे पहुंचा जाए

संकलित
प्रेरणा

एक बार एक संत ने अपने दो भक्तों को बुलाया और कहा आप को यहां से पचास कोस जाना है। एक भक्त को एक बोरी खाने के समान से भर कर दी और कहा जो लायक मिले उसे देते जाना। और एक को खाली बोरी दी उससे कहा रास्ते में जो उसे अच्छा मिले उसे बोरी मे भर कर ले जाए। दोनो निकल पड़े जिसके कंधे पर समान था वो धीरे चल पा रहा था। खाली बोरी वाला भक्त आराम से जा रहा था। थोड़ी दूर उसको एक सोने की ईंट मिली उसने उसे बोरी में डाल लिया। थोड़ी दूर चला फिर ईंट मिली उसे भी उठा लिया। जैसे-जैसे चलता गया उसे सोना मिलता गया और वो बोरी में भरता हुआ चल रहा था। और बोरी का वजन बढ़ता गया उसका चलना मुश्किल होता गया और सांस भी चढ़ने लग गई। एक एक कदम आगे चलना कठिन होता गया। दूसरा भक्त जैसे-जैसे चलता गया रास्ते में जो भी मिलता उसको बोरी में से खाने का कुछ समान देता गया धीरे-धीरे बोरी का वजन कम होता गया। और उसका चलना आसान होता गया। जो बांटता गया उसका गंतव्य स्थान तक पहुंचना आसान होता गया। और जो लालच में आकर इकट्ठा करता रहा वो रास्ते में ही दम तोड़ गया। हम सभी को अब ये सोचना चाहिए कि हमने जीवन में क्या बांटा और क्या इकट्ठा किया हम मंजिल तक कैसे पहुंच पाएंगे। दरअसल लालच ही वह बला है जिससे मनुष्य उबर नहीं पाता और जो इससे उबर जाता है अपनी मंजिल पा लेता हैं।

अंतर्मन

आज की पाती

महिलाओं में बढ़ा तंबाकू का सेवन

देश में तंबाकू सेवन को लेकर सामने आए ताजा आंकड़े चिंता बढ़ाने वाले हैं। विशेष रूप से महिलाओं में तंबाकू सेवन की बढ़ती प्रवृत्ति समाज और स्वास्थ्य व्यवस्था दोनों के लिए गंभीर चुनौती बनती जा रही है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के अनुसार देश के 13 राज्यों में महिलाओं द्वारा तंबाकू सेवन में वृद्धि दर्ज की गई है। यह स्थिति केवल महिलाओं के स्वास्थ्य तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका प्रभाव परिवार, बच्चों और आने वाली पीढ़ियों पर भी पड़ता है। जिस समाज में महिलाएं परिवार की आधारशिला मानी जाती हैं, वहां उनका किसी भी प्रकार के नशे की ओर बढ़ना सामाजिक और स्वास्थ्य संबंधी कई नई समस्याओं को जन्म देता है। तंबाकू चाहे किसी भी रूप में लिया जाए, वह शरीर के लिए अत्यंत हानिकारक होता है। तंबाकू का सेवन छुड़वाना एक बड़ी चुनौती है।

– प्रामिला शर्मा, बहादुरगढ़

ट्रेंड

भारतीय लोकतंत्र

'संविधान हत्या दिवस' हमें उस काले दौर की याद दिलाता है जब भारतीय लोकतंत्र को बेरहमी से कुचल दिया गया था। आपातकाल का विरोध करने वाले सभी महानुभावों को मेरा सादर नमन।

- नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

सत्ता का अहंकार

सत्ता के अहंकार में डूबी मोदी सरकार इस मुकाम पर पहुंच गई है कि अपने अधिकारों, निष्पक्ष परीक्षाओं और सुरक्षित भविष्य की मांग करने वाले छात्रों को ही शिक्षा मंत्री "आतंकवादी" कह रहे हैं। जिसकी नाकामी से इतने पेपर लीक हुए, वह आज पीड़ित बच्चों को "दहशतगर्द" बता रहा है।

- राहुल गांधी, सांसद, कांग्रेस

चंपत राय की हिम्मत

चंपत राय ने प्रधानमंत्री को हिसाब देने से इनकार कर दिया है। उसने इतनी हिम्मत कहां से जुटाई? उसे कौन से राज पता है कि प्रधानमंत्री भी उनके सामने बेबस है? दूसरी तरफ, एसआईटी छोटे कर्मचारियों को तलब कर सबकी आंखों में धूल झोंक रही है।

-अरविंद केजरीवाल, पूर्व सीएम, नई दिल्ली

आवाजाही सुचारू

एनएच-44 पर कालीबाड़ी के पास रावी नदी और सेहर खड्ड पर बने दो अहम पुल, जो पिछले साल आई बाढ़ में क्षतिग्रस्त हो गए थे, उन्हें ठीक कर लिया गया है। इससे अमरनाथ तीर्थयात्रियों यात्रियों व सामान की आवाजाही सुचारू रूप से हो सकेगी।

- मनोज सिन्हा, एलजी, जम्मू-कश्मीर

करंट अफेयर

प्रतिबंध के बावजूद बच्चे कर रहे सोशल मीडिया का उपयोग

ऑस्ट्रेलिया में 16 वर्ष से कम आयु के बच्चों के लिए सोशल मीडिया प्रतिबंध लागू होने के छह महीने बाद भी 85 प्रतिशत से अधिक बच्चे सोशल मीडिया मंचों का इस्तेमाल कर रहे हैं। हालांकि, विशेषज्ञों का कहना है कि इस कानून की सफलता का आकलन केवल इस आधार पर नहीं किया जाना चाहिए कि बच्चे अब भी इन मंचों तक पहुंच बना रहे हैं। यूनिवर्सिटी ऑफ न्यूकैसल की जनस्वास्थ्य शोधकर्ता कोर्टनी बार्नेस के नेतृत्व में किए गए और ब्रिटिश मेडिकल जर्नल में प्रकाशित एक अध्ययन में पाया गया कि टिकटॉक, एक्स, फेसबुक और इंस्टाग्राम जैसे प्रतिबंधित सोशल मीडिया मंचों का उपयोग करने वाले बच्चों की संख्या में बहुत कमी नहीं आई है। शोधकर्ताओं ने 12 से 16 वर्ष आयु वर्ग के 408 किशोरों पर सर्वेक्षण किया। यह सर्वेक्षण दिसंबर 2025 में कानून लागू होने से पहले और तीन महीने बाद किया गया। अध्ययन में 16 वर्ष की आयु सीमा से ठीक नीचे और उससे ऊपर के किशोरों की तुलना कर कानून के प्रभाव को अलग से समझने का प्रयास किया गया। अध्ययन के अनुसार, अनुवर्ती सर्वेक्षण के समय 16 वर्ष से कम आयु के 85 प्रतिशत से अधिक बच्चे अब भी प्रतिबंधित सोशल मीडिया मंचों का उपयोग कर रहे थे जिनमें से अधिकतर बच्चे अपने स्वयं के खातों के जरिए इन मंचों तक पहुंच रहे थे।

ऑफ बीट

महासागर पहले कभी हरे रंग के हुआ करते थे

महासागर धरती के करीब तीन चौथाई हिस्से पर फैले हैं जिससे यह ग्रह आकाश से हल्के नीले रंग का दिखता है। लेकिन 'नेचर पत्रिका' में प्रकाशित एक अध्ययन रिपोर्ट में जापानी शोधकर्ताओं ने यह दावा किया है कि पृथ्वी के महासागर कभी हरे हुआ करते थे। प्राचीन काल में पृथ्वी के महासागरों के अलग रंग में दिखने का संबंध उनके रसायन विज्ञान और प्रकाश संश्लेषण के विकास से है। भूविज्ञान के स्नातक छात्र के रूप में, मुझे ग्रह के इतिहास को रिकॉर्ड करने के लिहाज से 'बैंडेड आयरन' संरचना के रूप में जाने जाने वाले एक प्रकार के 'चट्टानी जमाव' के महत्व के बारे में पढ़ाया गया था। 'बैंडेड आयरन' संरचना का जमाव आर्कियन और पैलियोप्रोटेरोजोइक युग में लगभग 3.8 से 1.8 अरब साल पहले हुआ था। उस समय जीवन महासागरों में एक कोशिका वाले जीवों तक ही सीमित था। महाद्वीप ग्रे, भूरे और काले रंग की चट्टानों और जमा तलछटों का एक बंजर परिदृश्य था। महाद्वीपीय चट्टानों पर गिरने वाली बारिश की बूंदों से उसमें विद्यमान लोहा घुलकर नदियों के जरिये महासागरों में पहुंच गया। लोहे के अन्य स्रोत समुद्र तल पर ज्वालामुखी थे। यह लोहा (आयरन) बाद में महत्वपूर्ण हो गया होगा।

अलीगंज अग्निकांड : जांच रिपोर्ट में पूरी इमारत अवैध, अग्नि सुरक्षा के नहीं थे इंतजाम

15 मौतों के मामले में एलडीए की जांच पूरी, मानकों के विपरीत निर्माण और निगरानी में लापरवाही उजागर

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। अलीगंज अग्निकांड में 15 लोगों की मौत के मामले में गठित लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) की पांच सदस्यीय जांच समिति ने अपनी रिपोर्ट एलडीए उपाध्यक्ष (वीसी) को सौंप दी है। जांच में संबंधित इमारत को पूरी तरह अवैध बताते हुए मानकों के विपरीत निर्माण, अग्नि सुरक्षा उपायों का अभाव, संकरा प्रवेश मार्ग और आवासीय भवन का व्यावसायिक उपयोग हादसे के प्रमुख कारण बताए गए हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, बेसमेंट सहित तीन मंजिला इमारत के प्रत्येक तल पर स्वीकृत मानचित्र से अधिक निर्माण किया गया था। पूरे प्लॉट को कवर कर निर्माण करने के कारण आवश्यक सेटबैक नहीं छोड़ा गया, जिससे आग लगने की स्थिति में बचाव और राहत कार्य प्रभावित हुए। जांच में यह भी सामने आया कि इमारत में आने-जाने के एकमात्र संकरे रास्ते पर एसी की आउटर यूनिट और एग्जॉस्ट फैन लगाए गए थे, जिससे निकासी मार्ग और बाधित हो गया। समिति ने पाया कि एलडीए से भवन का मानचित्र आवासीय उपयोग के लिए स्वीकृत कराया गया था, जबकि मौके पर उसका उपयोग व्यावसायिक गतिविधियों के लिए किया जा रहा था। इसके अलावा भवन में अग्निशमन सुरक्षा से जुड़े आवश्यक इंतजाम भी नहीं थे। जांच रिपोर्ट में एलडीए के प्रवर्तन तंत्र की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाए गए हैं। रिपोर्ट के अनुसार अवैध निर्माण की समय रहते निगरानी और प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई। वर्ष 2016 में जारी ध्वस्तीकरण आदेश वापस लेने के बाद भी यह सत्यापित नहीं किया गया कि निर्माण स्वीकृत मानचित्र के अनुरूप किया जा रहा है या नहीं। सोमवार को हुई इस भीषण आग की घटना के बाद एलडीए उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने अपर सचिव ज्ञानेंद्र वर्मा की अध्यक्षता में पांच सदस्यीय जांच समिति गठित की थी। समिति में मुख्य नगर नियोजक के.के. गौतम, मुख्य अभियंता मानवेंद्र सिंह, अधिशासी अभियंता (विद्युत-यांत्रिक) मनोज सागर तथा संपत्ति अधिकारी एवं विशेष कार्याधिकारी रवि नंदन सिंह को सदस्य बनाया गया था। अपर सचिव ज्ञानेंद्र वर्मा ने बताया कि घटनास्थल के निरीक्षण के साथ ही भवन के आवंटन और स्वीकृत मानचित्र से संबंधित अभिलेखों की भी जांच की गई है। समिति की रिपोर्ट एलडीए उपाध्यक्ष को सौंप दी गई है। अब रिपोर्ट के आधार पर दोषियों के खिलाफ आगे की कार्रवाई की जाएगी। जांच में जो तथ्य सामने आए हैं कि बेसमेंट सहित तीन मंजिला बिल्डिंग के हर तल पर मानक के अधिक निर्माण किया गया। सुरक्षा को दरकिनारकर पूरे प्लॉट को कवर कर निर्माण किया। आने जाने एक मात्र रास्ते में ही एसी की आउटर यूनिट और एग्जास्ट फैन लगाए गए थे। मानचित्र आवासीय पास कराया गया था और उपयोग व्यावसायिक किया जा रहा था। एलडीए के प्रवर्तन विभाग की ओर से अवैध निर्माण की निगरानी में ढिलाई की गई और कार्रवाई नहीं की गई। ध्वस्तीकरण आदेश होने के बाद उसे 2016 में वापस लिया गया। आदेश वापस लेने के बाद यह नहीं जांच की गई कि मौके पर निर्माण मानचित्र के अनुरूप हो रहा है कि नहीं।

अलीगंज अग्निकांड में बड़ा खुलासा

- बेसमेंट सहित तीन मंजिला इमारत के प्रत्येक तल पर स्वीकृत मानचित्र से अधिक निर्माण किया गया था

एलडीए के 100 अधिकारी व इंजीनियर जांच के दायरे में

- 2016 से 2026 तक तैनात अधिकारियों की तैयार हो रही सूची, एसआईटी ने मांगी विस्तृत रिपोर्ट

लखनऊ। अलीगंज अग्निकांड मामले में लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) के 100 से अधिक अधिकारी और इंजीनियर जांच के दायरे में आ गए हैं। शासन और विशेष जांच दल (एसआईटी) की सख्ती के बाद एलडीए वर्ष 2016 से 2026 तक अलीगंज क्षेत्र में तैनात रहे अधिकारियों और इंजीनियरों की विस्तृत सूची तैयार कर रहा है। इनमें संपत्ति, मानचित्र, प्रवर्तन और विहित प्राधिकारी से जुड़े अधिकारी शामिल हैं। अब तक एलडीए ने जांच और कार्रवाई के लिए 18 इंजीनियरों तथा छह पीसीएस अधिकारियों की सूची शासन और एसआईटी को भेजी थी, लेकिन अब यह दायरा बढ़ाकर 100 से अधिक अधिकारियों और इंजीनियरों तक किया जा रहा है।

शुक्रवार को एसआईटी ने एलडीए

के अधिकारियों को तलब कर आग प्रभावित भवन, अवैध निर्माण, मानचित्र स्वीकृति और विभिन्न स्तरों पर हुई कथित लापरवाही के संबंध में जानकारी ली। इस दौरान एलडीए उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार और एक अपर सचिव ने शासन स्तर पर अधिकारियों के समक्ष अपना पक्ष रखा। सूत्रों के अनुसार, एसआईटी ने यह भी पूछा कि भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए एलडीए क्या कदम उठा रहा है। इससे पहले एसआईटी ने भवन के आवंटन, स्वीकृत मानचित्र और ध्वस्तीकरण आदेश वापस लिए जाने से संबंधित सभी फाइलें भी एलडीए से तलब की थीं, जिन्हें जांच टीम को उपलब्ध करा दिया गया है।

एलडीए अब विस्तृत रिपोर्ट तैयार कर शासन और एसआईटी को सौंपने की तैयारी में है। साथ ही संपत्ति, मानचित्र और विहित प्राधिकारी से जुड़े कुछ अधिकारियों को शनिवार को बयान दर्ज कराने के लिए भी बुलाया गया है। जांच रिपोर्ट के आधार पर संबंधित अधिकारियों और इंजीनियरों की जवाबदेही तय करते हुए आगे की कार्रवाई की जाएगी।

कोचिंग व व्यावसायिक भवनों में अग्नि सुरक्षा का चला जांच अभियान

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। अलीगंज सेक्टर-डी स्थित कोचिंग भवन में हुए भीषण अग्निकांड के बाद उत्तर प्रदेश अग्निशमन एवं आपात सेवाएं विभाग पूरी तरह एक्शन मोड में आ गया है। ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री के निर्देशों के क्रम में महानिदेशक, उत्तर प्रदेश अग्निशमन एवं आपात सेवाएं तथा लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) के नामित अधिकारियों के साथ मुख्य अग्निशमन अधिकारी के नेतृत्व में शुक्रवार को राजधानी के विभिन्न क्षेत्रों में विशेष संयुक्त जांच अभियान चलाया गया।

अभियान के तहत होटल, कोचिंग संस्थान, अस्पताल, बैंक्वेट हॉल, गोदाम, ऑनलाइन परीक्षा केंद्र, रेस्टोरेंट और अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठानों की अग्नि सुरक्षा व्यवस्था का निरीक्षण किया गया। अधिकारियों ने अग्निशमन उपकरणों की उपलब्धता, आपातकालीन निकास मार्ग, अग्नि सुरक्षा मानकों के अनुपालन तथा आपदा की स्थिति में बचाव संबंधी व्यवस्थाओं का मौके पर जाकर परीक्षण किया। गोसाईंगंज अग्निशमन केंद्र के प्रभारी अधिकारी ने एलडीए के जोनल अधिकारी के साथ क्षेत्र के नमन हेल्थ केयर, अमेठी फिटनेस वर्ल्ड, पैसिफिक पिज्जा, आर.एस. मेडिकल सेंटर, मिश्रा पॉली क्लीनिक, जी.सी. मंगलम हॉस्पिटल और के.एल. मोटर्स का निरीक्षण किया। इस दौरान कर्मचारियों और उपस्थित लोगों को आग लगने के कारणों, उससे बचाव के उपायों तथा आपातकालीन स्थिति में सुरक्षित निकासी की जानकारी दी गई।

बीकेटी क्षेत्र में होटल, गोदाम और परीक्षा केंद्र की जांच : बीकेटी क्षेत्र में एलडीए जोन-5 के अधिकारियों के साथ एस विजन स्टेशनरी गोदाम, ए.पी. इंटरप्राइजेज प्रिंटिंग प्रेस, सन टेस्टिंग सेंटर ऑनलाइन एग्जाम सेंटर, रक्षा होटल, फ्लिकिट ई-कॉमर्स, श्रीपति होटल एंड बैंक्वेट तथा होटल स्काई इन सहित सात प्रतिष्ठानों की अग्नि सुरक्षा व्यवस्था का निरीक्षण किया गया। यहां भी कर्मचारियों को अग्निशमन उपकरणों के उपयोग और आपदा प्रबंधन की जानकारी दी गई।

गोमतीनगर में होटल और व्यावसायिक परिसर की जांच : गोमतीनगर और पीजीआई क्षेत्र में दमकल अधिकारियों ने एलडीए जोन-1 के अधिकारियों के साथ डीएलएफ माई पैड तथा होटल स्योर स्टे का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने सुरक्षा उपकरणों की स्थिति का जायजा लिया और आवश्यक सुधार के निर्देश दिए। इंदिरानगर क्षेत्र में कामा पैथ लैब, अनुदीप इंस्टीट्यूट, पूर्वांचल भवन बुकशॉप, होटल कपूर इन, श्याम स्वाद रेस्टोरेंट, इम्पीरिया न्यूरो साइंसेज एंड मल्टी स्पेशियलिटी, होटल वैष्णवी इन और होटल वेव सहित आठ प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया गया। जांच के दौरान एक प्रतिष्ठान में अग्नि सुरक्षा मानकों की कमी पाए जाने पर नोटिस जारी किया गया, जबकि अन्य संस्थानों को निर्धारित समय में आवश्यक सुरक्षा इंतजाम पूरे करने के निर्देश दिए गए। शुक्रवार को चले अभियान में कुल 24 कोचिंग एवं व्यावसायिक प्रतिष्ठानों की जांच की गई। इनमें से एक प्रतिष्ठान को अग्नि सुरक्षा मानकों का पालन न करने पर नोटिस जारी किया गया, जबकि शेष प्रतिष्ठानों को सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ करने के निर्देश दिए गए।

अग्नि सुरक्षा को लेकर चलाया जागरूकता अभियान : निरीक्षण के साथ-साथ दमकल विभाग ने विभिन्न संस्थानों में कार्यरत कर्मचारियों, छात्रों और आम नागरिकों को आग लगने के कारणों, बचाव के उपायों, अग्निशमन यंत्रों के सही उपयोग तथा आपातकालीन स्थिति में सुरक्षित निकासी के बारे में प्रशिक्षण दिया। अधिकारियों ने कहा कि किसी भी भवन में केवल अग्निशमन उपकरणों की उपलब्धता पर्याप्त नहीं है, बल्कि वहां कार्यरत कर्मचारियों का प्रशिक्षित और सतर्क होना भी उतना ही जरूरी है।

दमकल विभाग ने सभी संस्थानों से अपील की कि वे अग्नि सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन करें और अग्नि सुरक्षा ही जीवन सुरक्षा है के संदेश को अपनाते हुए नियमित रूप से सुरक्षा अभ्यास (फायर ड्रिल) कराएं, ताकि किसी भी आपदा की स्थिति में जनहानि को रोका जा सके।

केजीएमयू के नये कुलपति की नियुक्ति की प्रक्रिया तेज

लखनऊ। किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय (केजीएमयू) के नए कुलपति की नियुक्ति करने की प्रक्रिया तेज हो गयी है। चार जुलाई को कुलपति पद के लिए पहले चरण का इंटरव्यू आयोजित किया जाएगा। देशभर से आठ वरिष्ठ डाक्टरों को स्क्रीनिंग कमेटी के सामने इंटरव्यू के लिए बुलाया गया है। साक्षात्कार सुबह 11 बजे से शुरू होगा। आठ उम्मीदवारों में दो मौजूदा विश्वविद्यालयों के कुलपति भी हैं। इसके अलावा एक पूर्व कुलपति और अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के निदेशक रह चुके डॉक्टर भी दावेदारों में शामिल हैं। कमेटी में पीजीआई निदेशक डॉ. आरके धीमन, पटना एम्स के पूर्व निदेशक और केजीएमयू के हड्डी रोग विभाग के पूर्व अध्यक्ष डॉ. जीके सिंह, एक न्यायाधीश और शासन के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हैं। इंटरव्यू के बाद कमेटी तीन नामों का पैनल तैयार कर कुलाधिपति को भेजेगी। केजीएमयू के कुलपति पद पर नियुक्ति के लिए राज्यपाल के विशेष कार्याधिकारी की ओर से 20 अप्रैल को विज्ञापन जारी किया गया था। आवेदन की अंतिम तारीख 15 मई निर्धारित थी। देशभर से करीब 42 डाक्टरों ने आवेदन किया था।

केजीएमयू की कैंटीन में खानेपीने की चीजों में दिखा कॉकरोज

लखनऊ। केजीएमयू के शताब्दी फेज-2 की कैंटीन में मरीजों और तीमारदारों की सेहत से खिलवाड़ का मामला सामने आया है। यहां खाने-पीने की वस्तुएं रखने वाले फ्रीजर के अंदर कॉकरोच टहलते हुए दिखाई दिए। शुक्रवार को फ्रीजर में मौजूद कॉकरोच का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद कैंटीन की सफाई व्यवस्था पर सवाल खड़े हो गए हैं। शताब्दी फेज-1 और फेज-2 को जोड़ने वाले रैंप के पास कैंटीन है। इसमें रोजाना बड़ी संख्या में मरीज, तीमारदार और कर्मचारी खाने-पीने की चीजें खरीदते हैं। कई बार मरीजों के लिए भी यहीं से खाद्य सामग्री ले जाई जाती है। ऐसे में फ्रीजर में रखे सामान पर कॉकरोच की मौजूदगी से संक्रमण फैलने की आशंका बढ़ गई है। तीमारदारों का कहना है कि अस्पताल परिसर में चलने वाली कैंटीनों में खाद्य सामग्री की नियमित जांच होनी चाहिए। ताकि मरीजों और उनके परिजनों को सुरक्षित भोजन मिल सके।

बड़े पैमाने पर अवैध पानी की बोतलें पकड़ी

लखनऊ। लखनऊ मण्डल के मंडल में ट्रेनों और स्टेशनों पर अवैध वेडिंग पर लगाम कसनी शुरू कर दी। इस कड़ी में कॉमर्शियल टीम ने दो ट्रेनों में औचक छापेमारी की। इस इस दौरान बड़े पैमाने पर अवैध पानी की बोतलें पकड़ी गईं। एक अवैध वेंडर को गिरफ्तार किया गया। पूर्वोत्तर रेलवे, लखनऊ मण्डल के मंडल रेल प्रबंधक श्री गौरव अग्रवाल के मार्गदर्शन में वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक अरिजीत सिंह के निर्देशन में सहायक वाणिज्य प्रबंधक ओंकार नाथ वर्मा और उनकी टीम ने ट्रेन संख्या 20103 मुंबई-गोरखपुर एक्सप्रेस के रसोई यान (पैंट्री कार) के निरीक्षण के दौरान पानी की 680 और ट्रेन संख्या 13020 काठगोदाम-कोलकाता में 250 बोतलें जब्त कीं। ये मानक के अनुसार नहीं थीं और ट्रेनों व प्लेटफार्म पर इनकी बिक्री प्रतिबंधित है। ट्रेन संख्या 20103 में जांच के दौरान एक अनधिकृत वेंडर को भी पकड़ा गया, जिसे आरपीएफ स्टाफ को आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए सुपुर्द कर दिया गया है। सीनियर डीसीएम ने कहा कि अवैध वेंडिंग के खिलाफ यह अभियान आगे भी जारी रहेगा।

दो दिन और सतायेगी लू, 29 जून से बदलेगा मौसम

- 30 जून से प्रदेश में प्रवेश कर सकता है मानसून

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में भीषण गर्मी और लू से जूझ रहे लोगों को जल्द राहत मिलने की उम्मीद है। मौसम विभाग के अनुसार प्रदेश में 28 जून तक लू का असर बना रहेगा, जबकि 29 जून से मौसम का मिजाज बदलने लगेगा। इसके साथ ही तापमान में 8 से 9 डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट दर्ज होने की संभावना है। वहीं, 30 जून से प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में व्यापक बारिश हो सकती है।

शुक्रवार को राजधानी लखनऊ समेत बांदा, गाजीपुर, बलिया, सुल्तानपुर, प्रयागराज, वाराणसी, सोनभद्र, अलीगढ़, बरेली, शाहजहांपुर और फरुर्खाबाद में लू का प्रभाव बना रहा। लखीमपुर खीरी, बाराबंकी और बहराइच में तीव्र लू ने लोगों को बेहाल कर दिया। तापमान की बात करें तो 43.2 डिग्री सेल्सियस के साथ लखीमपुर खीरी देश का दूसरा सबसे गर्म शहर रहा। सबसे अधिक 43.4 डिग्री सेल्सियस तापमान हरियाणा के रोहतक में दर्ज किया गया।

उत्तर प्रदेश में बांदा और आगरा में 43 डिग्री, लखनऊ में 42.4 डिग्री, जबकि फतेहगढ़, अलीगढ़ और कानपुर में 42.2 डिग्री सेल्सियस अधिकतम तापमान रिकॉर्ड किया गया। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के अनुसार, 29 जून से प्रदेश में वर्षा का नया दौर शुरू होने की संभावना है। जिन क्षेत्रों में बारिश नहीं भी होगी, वहां भी तापमान में उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की जाएगी। उन्होंने बताया कि दक्षिण-पश्चिम मानसून के अगले तीन से चार दिनों में उत्तर प्रदेश में प्रवेश करने के लिए परिस्थितियां अनुकूल हैं।

मौसम विभाग का अनुमान है कि मानसून के प्रदेश में प्रवेश के बाद उसकी रफ्तार तेज होगी और 30 जून से अधिकांश जिलों में अच्छी बारिश देखने को मिल सकती है, जिससे भीषण गर्मी और लू से लोगों को बड़ी राहत मिलेगी।

मानसिक मंदित ने तारों में आग लगाई, 870 घरों की बत्ती गुल

लखनऊ। हजरतगंज के सीआईडी कार्यालय के पास मानसिक मंदित युवक ने आधी रात के बाद बिजली के तारों में आग लगा दी। इससे करीब 870 उपभोक्ताओं को घंटों बिना बिजली के रहना पड़ा। साथ ही, बिजली विभाग को लगभग 10 लाख रुपये का नुकसान हुआ है। पूरी घटना पास के सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। जेई आलोक कुमार सिंह ने हजरतगंज कोतवाली में मामला दर्ज कराया है। पुलिस के अनुसार गोखले मार्ग निवासी आरोपी विशाल ने 23 जून की तड़के करीब 3:35 बजे दो बिजली के खंभों पर आग लगाई थी। इसके चलते 800 उपभोक्ताओं की बिजली सवा घंटे और 70 उपभोक्ताओं की आपूर्ति साढ़े चार घंटे तक बाधित रही। एसबीआई और मातृ छाया जैसी व्यावसायिक इमारतों की बिजली भी एचटी केबल जलने से आठ घंटे तक ठप रही। आग की वजह से मोबाइल नेटवर्क के तार और उपकरण भी क्षतिग्रस्त हो गए। इसी साल 26 और 27 मार्च को भी उसने अलग-अलग इलाकों में बिजली के तारों में आग लगाई थी, जिससे तब 1500 उपभोक्ता प्रभावित हुए थे और दो लाख का नुकसान हुआ था। पुलिस ने उसे 29 मार्च को गिरफ्तार भी किया था। सुल्तानगंज चौकी प्रभारी मधुकर सिंह ने बताया कि आरोपी मानसिक रूप से बीमार है। स्थानीय लोगों ने उसे पकड़कर पुलिस को सौंपा था, जिसके बाद उसे इलाज के लिए केजीएमयू ले जाया गया।

एलडीए अपर सचिव का केडीए में स्थानांतरण

लखनऊ। लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) के अपर सचिव ज्ञानेंद्र वर्मा का ट्रांसफर कर दिया गया है। शासन ने उन्हें कानपुर विकास प्राधिकरण (केडीए) में नई जिम्मेदारी सौंपी है। ज्ञानेंद्र वर्मा पिछले करीब छह सालों से एलडीए में तैनात थे और प्राधिकरण की कई अहम शाखाओं व संपत्तियों के प्रबंधन की जिम्मेदारी संभाल रहे थे। सूत्रों के मुताबिक, उनका तबादला पहले ही कर दिया गया था, लेकिन एलडीए की कई महत्वपूर्ण योजनाओं की लॉन्चिंग और प्रशासनिक कार्यों को देखते हुए उनकी कार्यमुक्ति रोक दी गई थी। अब योजनाओं की औपचारिक शुरूआत होने के बाद उन्हें कार्यमुक्त किए जाने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। ज्ञानेंद्र वर्मा के कार्यकाल में एलडीए की कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं, संपत्तियों के प्रबंधन और प्रशासनिक निर्णयों में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही। प्राधिकरण की व्यावसायिक और आवासीय संपत्तियों से जुड़े कई अहम मामलों की जिम्मेदारी भी उनके पास थी। उनके तबादले के बाद अब एलडीए में अपर सचिव स्तर की जिम्मेदारियों के पुनर्वितरण की तैयारी शुरू हो गई है। वहीं, उनके स्थान पर किस अधिकारी की तैनाती होगी, इस संबंध में फिलहाल अलग से आदेश जारी नहीं हुआ है। शासन के इस फैसले को एलडीए के प्रशासनिक ढांचे में अहम बदलाव के रूप में देखा जा रहा है। हाल ही में अलीगंज अग्निकांड के किसी प्रकरण को लेकर अपर सचिव का स्थानांतरण नहीं किया गया है। उनके पास कभी प्रवर्तन की जिम्मेदारी नहीं रही।

पीएमएस के अध्यक्ष बने डा. यशवीर तो महामंत्री डा. शरद

लखनऊ। प्रांतीय चिकित्सा संघ की नयी कार्यकारिणी शुक्रवार को गठित हो गयी। दिन भर चली मतगणना के बाद डा. यशवीर सिंह (बागपत) निर्वाचित घोषित किये गये। इसी प्रकार महामंत्री पद के लिए डा. शरद वैश्य (लखनऊ) चुने गये। पीएमएस संघ के राज्य चुनाव समिति के सचिव डा. गयासुद्दीन खान ने बताया कि उपाध्यक्ष पद के लिए डा. मोहित कुमार, उपाध्यक्ष (सामान्य) के लिए डा. क्षेत्रपाल यादव, डा. जगमोहन, डा. यशोवर्धन को निर्वाचित किया गया है। उपाध्यक्ष (महिला) डा. प्रीति सिंह, अपर महामंत्री डा. विशाल सिंह, वित्त सचिव के लिए डा. प्रवीन कुमार और सम्पादक के लिए डा. मो. जमील अनवर चुने गये हैं।

टाटा एआईए ने लॉन्च किया नया मल्टीफैक्टर इंडेक्स फंड

लखनऊ। टाटा एआईए लाइफ इंश्योरेंस ने 'मल्टीफैक्टर इंडेक्स फंड' लॉन्च किया है। फंड निफ्टी 500 की कंपनियों में से कम उतार-चढ़ाव, क्वालिटी, वैल्यू और मोमेंटम जैसे चार प्रमुख फैक्टर्स के आधार पर 50 कंपनियों का चयन करता है। कंपनी का दावा है कि यह रणनीति बाजार की अस्थिरता के प्रभाव को कम करते हुए लंबी अवधि में बेहतर रिटर्न देने में मदद करेगी। यह एनएफओ निवेश के लिए 30 जून 2026 तक खुला रहेगा।

जेपीएनआईसी मामले में एलडीए के दो पूर्व इंजीनियर 7 जुलाई को तलब

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। गोमतीनगर स्थित बहुचर्चित जयप्रकाश नारायण इंटरनेशनल सेंटर (जेपीएनआईसी) परियोजना में कथित वित्तीय अनियमितताओं की विभागीय जांच एक बार फिर तेज हो गई है। शासन के निर्देश पर चल रही कार्रवाई के तहत लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) के तत्कालीन मुख्य अभियंता डी.पी. सिंह और तत्कालीन अधिशासी अभियंता पूरन कुमार को 7 जुलाई को लखनऊ मंडल के आयुक्त के समक्ष व्यक्तिगत सुनवाई के लिए तलब किया गया है।

दोनों अधिकारियों पर आरोप है कि उन्होंने शासन से स्वीकृत विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) से बाहर बिना अनुमति अतिरिक्त कार्य कराए तथा निर्धारित सीमा से अधिक राशि की निविदाएं स्वीकृत कर अनुबंध किए, जिससे वित्तीय अनियमितताएं हुईं। इन्हीं आरोपों के आधार पर वर्ष 2018 में विभागीय कार्रवाई शुरू की गई थी। अधिशासी अभियंता रहे पूरन कुमार के विरुद्ध उत्तर प्रदेश विकास प्राधिकरण केंद्रीकृत सेवा नियमावली के तहत विभागीय जांच चल रही है, जबकि सेवानिवृत्त मुख्य अभियंता डी.पी. सिंह के खिलाफ सीएसआर के अनुच्छेद-351ए के तहत कार्रवाई की जा रही है। दोनों अधिकारियों को अपना पक्ष रखने का अंतिम अवसर दिया गया है। 7 जुलाई को आयुक्त कार्यालय में होने वाली व्यक्तिगत सुनवाई के बाद जांच अधिकारी अपनी रिपोर्ट शासन को सौंपेंगे, जिसके आधार पर आगे की विभागीय कार्रवाई और अंतिम निर्णय लिया जाएगा।

पेट शॉप के फ्रीजर से लगी थी आग

अलीगंज अग्निकांड : चार मंजिला अवैध इमारत में लगी थी भीषण आग

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। अलीगंज की चार मंजिला अवैध इमारत में आग लगने की वजह पेट शॉप के गोदाम में रखे फ्रीजर में शॉर्ट सर्किट बताई गई है।

फर्स्ट फ्लोर पर कुत्ता-बिल्ली के सामान का गोदाम था। सबसे पहले फ्रीजर का तार जला, जिसके बाद आग इमारत पर लगे बैनर और होर्डिंग्स तक पहुंच गई। लपटें बढ़ते ही एसी के कंप्रेसर में जोरदार विस्फोट हुआ। इसके बाद आग भूतल पर प्रवेश द्वार के पास लगे एसी के आउटडोर यूनिट्स तक पहुंच गई, जिससे एक के बाद एक नौ आउटडोर यूनिट धू-धू कर जलने लगे। इसी दौरान नीचे खड़ी बुलेट समेत तीन बाइकें भी आग की लपटों से घिर गईं। बाइकों के फ्यूल टैंक फटते ही आग पूरी तरह बेकाबू हो गई। यह खुलासा अग्निशमन विभाग की तफ्तीश में हुआ है।

इमारत में नहीं थे अग्नि सुरक्षा उपकरण : मुख्य अग्निशमन अधिकारी अंकुश मित्तल ने आग लगने के कारणों और उसके विकराल होने के तमाम बिंदुओं का जिक्र करते हुए एसआईटी के लिए एक विस्तृत रिपोर्ट तैयार की है। इसके साथ ही इमारत का नजरी नक्शा भी रिपोर्ट के साथ संलग्न किया गया है। जांच में सामने आया कि भवन स्वामी वीरेंद्र शुक्ला ने दमकल विभाग से अनापत्ति प्रमाण पत्र नहीं लिया था और इमारत में स्मोक सेंसर जैसे कोई भी अग्नि सुरक्षा उपकरण नहीं लगे थे। अग्निशमन विभाग ने अपनी रिपोर्ट में इन सभी गंभीर बिंदुओं को शामिल किया है। इसके अलावा, किस तल पर कौन सा ऑफिस संचालित था और आग किन परिस्थितियों में भड़की, इसकी पूरी जानकारी दी गई है। तीन दिन तक चली गहन तफ्तीश के बाद दमकल विभाग ने अपनी यह विस्तृत रिपोर्ट तैयार की है, जिसका अध्ययन करने के बाद एसआईटी अपनी अंतिम रिपोर्ट तैयार करेगी।

कैसे इमारत में फैली आग : पेट्स शॉप के वेयर हाउस में रखे फ्रीजर में शार्ट सर्किट के बाद तार जला, आग इमारत में लगे बैनर और होर्डिंग में पहुंची। लपटें बढ़ने से एसी के कंप्रेसर में विस्फोट हुआ। भूतल पर प्रवेश द्वार के पास लगे एसी आउटर तक पहुंची आग। एक के बाद एक नौ आउटर धू-धू कर जले नीचे खड़ी तीन बाइकें आग की लपटों से घिर गईं, फ्यूल टैंक फटा और आग बेकाबू हो गई।

लखनऊ अग्निकांड में 15 की हुई थी मौत : लखनऊ अग्निकांड में 15 लोगों की मौत हुई थी। जिसमें ज्यादातर एनिमेशन सेंटर के छात्र थे। जिनकी उम्र 20 से 25 साल के बीच में थी। इस मामले में कई लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। सीएम योगी के निर्देश पर एसआईटी गठित की गई है। जो जल्द इस मामले की जांच रिपोर्ट सौंपेंगी।

केजीएमयू में बच्चों को 36 घंटे में नहीं मिला मुकम्मल इलाज

केजीएमयू में दवा खरीद घोटाले की जांच का नहीं निकला ठोस निष्कर्ष

लखनऊ। केजीएमयू के नेत्र रोग विभाग में इलाज में हीलाहवाली का एक और मामला सामने आया है। बहराइच से नवजात शिशु का इलाज कराने आए परिवारीजन 36 घंटे तक भटकते रहे। लेकिन बच्चे को मुकम्मल इलाज नहीं मिल सका। थककर कर परिवारीजन शिशु को लेकर पीजीआई पहुंचे। जहां डॉक्टरों ने आंख बचाने के लिए महंगे इंजेक्शन की डोज दी। पीड़ित परिवारीजनों ने मामले की शिकायत मुख्यमंत्री पोर्टल पर की। आरोप हैं कि कार्रवाई के बजाय अधिकारियों ने शिकायत को फर्जी निस्तारित कर रिपोर्ट लगा दी। जिस पर पीड़ित पक्ष ने आपत्ति दर्ज कराई है। बहराइच निवासी तौफीक मोहम्मद अंसारी महाराष्ट्र में कैटरिंग मैनेजर हैं। वह अपने 19 दिन की शिशु को लेकर 26 मई को केजीएमयू पहुंचे। बच्चे की आंख की रोशनी बचाने के लिए तत्काल इंजेक्शन की जरूरत थी। केजीएमयू में उन्हें ट्रॉमा सेंटर भेजा गया। जहां से चौथे तल पर बने बच्चों के वार्ड में भेजा गया। वहां से बच्चे को नेत्र रोग विभाग रेफर कर दिया गया।

अवैध निर्माण रोकने में एलडीए के प्रवर्तन तंत्र की लापरवाही उजागर

लखनऊ। अलीगंज अग्निकांड में 15 लोगों की मौत के बाद लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) के प्रवर्तन तंत्र की कार्यप्रणाली एक बार फिर सवालों के घेरे में है। मामले की जांच के दौरान यह तथ्य सामने आया है कि अवैध निर्माणों के विरुद्ध समय रहते कार्रवाई नहीं किए जाने से न केवल नियमों की अनदेखी हुई, बल्कि गंभीर हादसे की जमीन भी तैयार हुई। जानकारी के अनुसार, वर्ष 2016 में तत्कालीन एलडीए उपाध्यक्ष ने बिना स्वीकृत मानचित्र के निर्मित भवनों को सील करने और जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय करने के निर्देश दिए थे। इसके बावजूद अधिशासी अभियंता, सहायक अभियंता और अवर अभियंता स्तर पर प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई। माना जा रहा है कि यदि उस समय अवैध निर्माणों पर सख्ती से कार्रवाई होती, तो अलीगंज अग्निकांड जैसी घटना को रोका जा सकता था। एलडीए ने अवैध निर्माणों पर अंकुश लगाने के लिए 22 प्रवर्तन चौकियां भी बनाई थीं, लेकिन इसके बावजूद शहर में बिना स्वीकृत मानचित्र के निर्माण लगातार होते रहे।

आयरलैंड ने भारत को 34 रन से हराया

0-1 की बढ़त बनायी, अभिषेक की मेहनत पर फिरा पानी, खराब शुरुआत के बावजूद आयरलैंड ने भारत को दिया था 183 रन का लक्ष्य

बेलफास्ट। आयरलैंड ने भारत को 34 रनों से हरा दिया। शुक्रवार को बेलफास्ट में खेले गए पहले मुकाबले में आयरलैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 182 रन बनाए। जवाब में टीम इंडिया 18.5 ओवर में सिर्फ 148 रन ही बना सकी और ऑलआउट हो गई। इस जीत के साथ आयरलैंड ने दो टी20 मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है। भारतीय तेज गेंदबाजों ने शुरुआत में सधी हुई गेंदबाजी की लेकिन दो मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला के पहले मुकाबले में आयरलैंड ने शुक्रवार को यहां नौ विकेट पर 182 रन का स्कोर खड़ा कर लिया।

भारत की ओर से हर्षित राणा सबसे सफल गेंदबाज रहे। उन्होंने चार ओवर में 24 रन देकर तीन विकेट लिए। प्रसिद्ध कृष्णा महंगे साबित हुए। उन्होंने बिना कोई विकेट लिए 57 रन दिए। भारत के लिए अर्शदीप सिंह और अक्षर पटेल ने दो-दो विकेट हासिल किए जबकि शिवम दुबे को एक सफलता मिली। पंद्रह साल के किशोर सनसनी वैभव सूर्यवंशी का बहुप्रतीक्षित अंतरराष्ट्रीय पदार्पण इस मैच में नहीं हो सका, लेकिन स्टॉर्मोन्ट मैदान पर मौजूद दर्शकों को भारतीय गेंदबाजों और आयरलैंड के बल्लेबाजों के प्रदर्शन से भरपूर रोमांच मिला। आयरलैंड के कप्तान लोर्कान टकर ने 36 गेंदों में 50 रन की अर्धशतकीय पारी खेली, लेकिन उन्हें गेराथ डेलानी (32 गेंद में में 49 रन) के अलावा किसी अन्य बल्लेबाज का अच्छा साथ नहीं मिला। भारतीय तेज गेंदबाजों ने पावरप्ले में उन्होंने टिम टेक्टर (17), हैरी टेक्टर (शून्य) और रॉस एडेयर (12) को जल्दी पवेलियन भेजकर 30 रन तक आयरलैंड के तीन विकेट झटक लिये। पहले छह ओवर में आयरलैंड केवल 36 रन ही बना सका। दुबे ने भी छोटी लेंथ गेंदों का फायदा उठाते हुए बेन कैलिट्ज (15) को आउट किया, जिन्होंने प्रसिद्ध कृष्णा पर दो छक्के लगाए थे। उस समय आयरलैंड का स्कोर चार विकेट पर 51 रन था। इसके बाद कप्तान टकर और डेलानी ने मिलकर पारी को संभालते हुए पाचवें विकेट के लिए 64 रन जोड़े। टकर शुरुआत में धीमे रहे, लेकिन जल्द ही उन्होंने आक्रामक तेवर दिखाते हुए अक्षर के खिलाफ 13वें ओवर में लगातार दो चौके और छक्का लगाकर अपना अर्धशतक पूरा किया। प्रसिद्ध की एक गेंद पर उन्होंने शानदार स्कूप शॉट से चौका भी लगाया। टकर की पारी का अंत हर्षित राणा की धीमी बाउंसर पर तिलक वर्मा के हाथों कैच आउट होने के साथ हुआ। डेलानी और जॉर्ज डॉकरेल (19) ने इसके बाद 14.3 से 17.1 ओवर के बीच 49 रनों की साझेदारी कर टीम को 150 रन के पार पहुंचाया। डेलानी ने प्रसिद्ध के अंतिम ओवर में एक चौका और तीन छक्के लगाकर 27 रन बटोरे। वह हालांकि अपने अर्धशतक से चूक गए और 49 रन पर आर्शदीप सिंह की गेंद पर तिलक को कैच दे बैठे।

मुनिता प्रजापति ने हाफ मैराथन का स्वर्ण पदक जीता एशियाई खेलों का क्वालीफिकेशन हासिल करने से चूकीं

भुवनेश्वर। उत्तर प्रदेश की अनुभवी धावक मुनिता प्रजापति ने शुक्रवार को राष्ट्रीय अंतरराज्यीय सीनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप के तीसरे दिन भीषण गर्मी और उमस के बीच महिलाओं की हाफ मैराथन स्पर्धा का स्वर्ण पदक जीता लेकिन वह एशियाई खेलों का क्वालीफिकेशन स्तर हासिल नहीं कर पाईं।

चौबीस साल की मुनिता ने 21.09 किमी की दूरी एक घंटा 45 मिनट पांच सेकेंड में पूरी की लेकिन वह भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) द्वारा तय किए गए एशियाई खेलों के एक घंटे 37 मिनट 20 सेकेंड के क्वालीफाइंग स्तर से काफी पीछे रहीं। उनका निजी सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन एक घंटा 39 मिनट 26 सेकेंड है जो उन्होंने इस साल फरवरी में चंडीगढ़ में हुई भारतीय पैदल चाल चैंपियनशिप में दूसरे स्थान पर रहते हुए हासिल किया था।

उत्तर प्रदेश की ही रेशमा पटेल ने एक घंटा 45 मिनट 48 सेकेंड के समय के साथ रजत पदक जीता जबकि महाराष्ट्र की सेजल अनिल सिंह (एक घंटा 46 मिनट 31 सेकेंड) तीसरे स्थान पर रहीं। राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक और राष्ट्रमंडल खेलों के लिए चुनी गईं हरियाणा की रवीना एक घंटा 48 मिनट 56 सेकेंड के समय के साथ चौथे स्थान पर रहीं। एएफआई द्वारा तय किया गया एशियाई खेलों का क्वालीफाइंग समय असल में उस राष्ट्रीय रिकॉर्ड (एक घंटा 39 मिनट 15 सेकेंड) से भी मुश्किल है जिसे रवीना ने फरवरी में चंडीगढ़ में भारतीय पैदल चाल चैंपियनशिप जीतने के दौरान हासिल किया था। मुनिता ने कहा कि इस मौसम में क्वालीफाइंग समय हासिल करना मुमकिन नहीं है। यहां बहुत उमस और गर्मी है। ऐसा लग रहा था जैसे मेरी त्वचा जल रही हो। मुझे हर लैप के बाद खुद को पानी से भिगोना पड़ रहा था जिससे मेरा शरीर अकड़ जाता था लेकिन मैंने कोशिश की। सड़क ठीक है लेकिन थोड़ी ऊबड़-खाबड़ है। हम बेंगलुरु (साइ केंद्र) में भी इसी तरह की सड़क पर ट्रेनिंग करते हैं। स्पर्धा की शुरुआत के समय सुबह साढ़े पांच बजे भुवनेश्वर में तापमान लगभग 28 डिग्री सेल्सियस था और बादल छाए होने के बावजूद उमस 90 प्रतिशत से अधिक थी। उम्मीद है कि एशियाई खेलों की मेजबानी करने वाले जापान में भी 19 सितंबर से शुरू होने वाली प्रतियोगिता के दौरान काफी गर्मी और उमस होगी। मुनिता को उम्मीद है कि एएफआई की चयन समिति एशियाई खेलों की टीम चुनते समय यहां के हालात पर भी विचार करेगी। मैंने फरवरी में (भारतीय पैदल चाल चैंपियनशिप में) एक घंटा 39 मिनट 26 सेकेंड का समय भी निकाला है। मुझे उम्मीद है कि उस प्रदर्शन को भी ध्यान में रखा जाएगा। मुनिता विदेशी कोच रोनाल्ड वेइगेल, गुरमीत सिंह और प्रीति चौधरी की देखरेख में ट्रेनिंग करती हैं।

संक्षेप

भीषण गर्मी के कारण पेरिस डायमंड लीग प्रतियोगिता रद्द करने की मांग

पेरिस। फ्रांस में पड़ रही गर्मी और लू (उष्ण लहर) को देखते हुए पेरिस पुलिस प्रशासन ने इस सप्ताहांत होने वाली डायमंड लीग एथलेटिक्स प्रतियोगिता को रद्द करने की मांग की है। अधिकारियों ने शुक्रवार को कहा कि भीषण गर्मी के कारण आपातकालीन सेवाओं पर भारी दबाव है। पुलिस प्रशासन ने 21 जून से पेरिस में पर रही असाधारण गर्मी का हवाला देते हुए रविवार को होने वाली डायमंड लीग प्रतियोगिता के अलावा अन्य कार्यक्रमों को भी रद्द करने का अनुरोध किया है। प्रशासन ने स्पष्ट किया कि आयोजक अगर स्वेच्छा से कार्यक्रम रद्द नहीं करते हैं, तो उन्हें आदेश जारी कर कार्यक्रम रुकवाना पड़ेगा क्योंकि आपातकालीन सेवाओं का पूरा ध्यान बुजुर्गों, बच्चों और अन्य जरूरतमंद लोगों की सुरक्षा पर है। इस प्रतियोगिता में नोआ लाइल्स, फेम्के बोल और मोंडो डुप्लांटिस सहित विश्व के कई प्रमुख एथलीट भाग ले रहे हैं। प्रतियोगिता का आयोजन करने वाले फ्रांस एथलेटिक्स महासंघ ने बताया कि उसे अभी तक पुलिस का कोई आधिकारिक आदेश प्राप्त नहीं हुआ है। आयोजकों ने बृहस्पतिवार को जारी बयान में कहा था, हम बदले हुए प्रारूप में प्रतियोगिता कराने की योजना बना रहे हैं ताकि सभी के लिए सुरक्षा के जरूरी मानकों का पालन किया जा सके। इसमें प्रतियोगिता में सिर्फ शीर्ष खिलाड़ियों को भाग लेने की अनुमति देने की योजना शामिल है। यह पहली बार है जब फ्रांस के तीन-चौथाई से अधिक हिस्से को रेड अलर्ट (अत्यधिक गंभीर मौसम चेतावनी) के दायरे में रखा गया है।

सेरेना के सामने विम्बलडन के शुरुआती दौर में ऑस्ट्रेलिया की माया जॉइंट की चुनौती

लंदन। सात बार की विम्बलडन एकल चैंपियन सेरेना विलियम्स सोमवार से शुरू हो रहे इस ग्रैंड स्लैम के पहले दौर में ऑस्ट्रेलिया की 20 वर्षीय माया जॉइंट से भिड़ेंगी। यह लगभग चार वर्षों के अंतराल के बाद इस टूर्नामेंट में उनका पहला एकल मुकाबला होगा। इस 44 वर्षीय दिग्गज को घसियाले कोर्ट पर खेले जाने वाले टूर्नामेंट के लिए लिए वाइल्ड कार्ड मिला है। वह एकल के अलावा अपनी बड़ी बहन वीनस विलियम्स (46) के साथ युगल स्पर्धा में भी हिस्सा लेंगी। सेरेना की टेनिस में वापसी की शुरुआत दो युगल अभ्यास मुकाबलों से हुई थी, लेकिन रविवार को ऑल इंग्लैंड क्लब द्वारा उनके एकल खेलने की घोषणा के साथ उनकी वापसी को नई गति मिल गई। सेरेना ने अपना पिछला एकल मुकाबला 2022 के यूएस ओपन में खेला था, जहां उन्हें तीसरे दौर में अजला टोमल्यानोविच के हाथों हार का सामना करना पड़ा था।

तुर्की ने पहली जीत दर्ज की, अमेरिका को हराकर

इंगलवुड (अमेरिका)। कान आयहान ने मैच की आखिरी किक पर गोल किया और तुर्की ने बृहस्पतिवार को यहां अमेरिका को 3-2 से हराकर विश्व कप में अपनी एकमात्र जीत दर्ज की। ऑस्टन ट्रस्टी ने तीसरे मिनट में गोल करके अमेरिका को बढ़त दिलाई लेकिन तुर्की ने आर्डा गुलेर (10वें मिनट) और बारिस अल्पर यिलमाज (31वें मिनट) के गोल की बदौलत स्कोर 2-। कर दिया।

अमेरिका ने 49वें मिनट में सबेस्टियन बरहाल्टर के गोल से बराबरी हासिल की लेकिन आयहान ने अंतिम लम्हों में गोल दागकर तुर्की की जीत सुनिश्चित कर दी। अमेरिकी टीम पहले ही पैराग्वे और ऑस्ट्रेलिया को हराकर ग्रुप डी जीतकर नॉकआउट में जगह बना चुकी थी। कोच मौरिसियो पोचेटिनो की टीम बुधवार को राउंड ऑफ 32 में बोस्निया और हर्जेगोविना से भिड़ेगी। पोचेटिनो ने इस कम अहमियत वाले मैच के लिए नौ नए खिलाड़ियों को शुरुआती एकादश में शामिल किया लेकिन क्रिश्चियन पुलिसिक 58वें मिनट में मैदान पर उतरे। पिंडली की चोट के कारण वह अमेरिकी टीम के पहले मैच के पहले हाफ के बाद से नहीं खेले थे। तुर्की ने शानदार खेल दिखाते हुए पहले हाफ में दो गोल की बदौलत दबदबा बनाया और अंततः रोमांचक जीत दर्ज करने में सफल रहा। तुर्की अपने पहले दो मैच हारने के बाद पहले ही टूर्नामेंट से बाहर हो चुका था जबकि आंकड़ों के लिहाज से उसने दोनों मैचों में काफी हद तक दबदबा बनाए रखा था। इंजरी टाइम के आठवें मिनट में तुर्की ने अप्रत्याशित जीत हासिल की। कैन उजुन को बैक पोस्ट पर खाली जगह में गेंद मिली और उन्होंने उसे गोलकीपर मैट टर्नर के पास से आयहान की ओर धकेल दिया जिन्होंने स्लाइड करते हुए गेंद को गोल में पहुंचा दिया। खचाखच भरे सोफी स्टेडियम में दर्शकों के लिए मैच के नतीजे का कोई खास महत्व नहीं था। घरेलू मैदान पर हो रहे इस विश्व कप में अमेरिकी टीम की शानदार शुरुआत ने प्रशंसकों में जोश भर दिया था लेकिन टीम को अंततः हार झेलनी पड़ी।

विश्व जूनियर निशानेबाजी चैंपियनशिप में सात स्वर्ण पदक जीतकर पदक तालिका में शीर्ष स्थान हासिल किया

सुहल (जर्मनी)। भारतीय निशानेबाजों ने शुक्रवार को यहां संपन्न हुई आईएसएसएफ विश्व जूनियर चैंपियनशिप में सात स्वर्ण पदक जीतकर पदक तालिका में शीर्ष स्थान हासिल किया।

भारत ने पिस्टल और राइफल स्पर्धाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन के दम पर अपने अभियान का शानदार समापन किया, लेकिन शॉटगन स्पर्धा में उसे कोई पदक नहीं मिला। भारत ने 24 पदकों (सात स्वर्ण, आठ रजत और नौ कांस्य) के साथ तालिका में शीर्ष पर रहा। व्यक्तिगत तटस्थ खिलाड़ियों ने छह स्वर्ण सहित 14 पदक जीते जबकि इटली ने छह स्वर्ण सहित 10 पदकों के साथ तीसरा स्थान हासिल किया। भारत ने अपने अभियान की शानदार शुरुआत की। सेजल कांबले ने महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल में स्वर्ण पदक जीता, जबकि हिमांशी ने कांस्य पदक हासिल किया। इसके बाद सेजल, वंशिका चौधरी और नव्या बिश्नोई की तिकड़ी ने टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतकर चैंपियनशिप में भारत को शुरुआती बढ़त दिलाई। इसके बाद समीर ने पुरुषों की 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता और रोहित कन्यान ने पुरुषों की 50 मीटर राइफल थ्री-पोजिशन प्रतियोगिता में पहला स्थान हासिल किया। प्राची गायकवाड़ ने महिलाओं की 50 मीटर राइफल थ्री-पोजिशन स्पर्धा में रजत पदक जीता, जबकि भारत ने पुरुषों की 50 मीटर राइफल थ्री-पोजिशन टीम स्पर्धा और पुरुषों की 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल टीम स्पर्धा में कांस्य पदक हासिल किए। भारत का पदक जीतने का सिलसिला इसके बाद भी जारी रहा। अन्वी राठौड़ ने महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में कांस्य पदक जीता, जिसके बाद प्रीतम केंद्रे ने पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में स्वर्ण पदक हासिल किया। भारत ने पुरुषों और महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल टीम स्पर्धाओं में कांस्य पदक जीते। पुरुषों की 10 मीटर एयर पिस्टल में शिव नरवाल ने रजत पदक और युग प्रताप सिंह राठौर ने कांस्य पदक जीतकर देश को दोहरी सफलता दिलाई। इसके बाद नरवाल ने संदीप बिश्नोई और चिराग शर्मा के साथ मिलकर पुरुषों की टीम स्पर्धा में रजत पदक हासिल किया और फिर वंशिका चौधरी के साथ जोड़ी बनाकर 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम प्रतियोगिता में एक और रजत पदक जीता। शॉटगन में पुरुषों के ट्रैप और स्कीट निशानेबाजों का अभियान विशेष रूप से निराशाजनक रहा, क्योंकि कोई भी खिलाड़ी आठ निशानेबाजों के फाइनल में नहीं पहुंच सका और टीमें रैंकिंग में काफी नीचे रहीं।

एफआईएच प्रो लीग मैच में भारत पेनल्टी में इंग्लैंड से हारा

लंदन। भारतीय पुरुष हॉकी टीम को इंग्लैंड के खिलाफ एफआईएच प्रो लीग मैच के नियमित समय में 2-2 से बराबर रहने के बाद पेनल्टी में।-4 से हार झेलनी पड़ी।

बृहस्पतिवार रात ली वैली हॉकी एवं टेनिस सेंटर में भारत के लिए दिलप्रीत सिंह (10वें और 58वें मिनट) ने दोनों गोल दागे जबकि इंग्लैंड के लिए डेविड गुडफील्ड (29वें मिनट) और निकोलस बांडुरक (56वें मिनट) ने गोल किए। बाद में शूटआउट में मेजबान टीम के लिए थॉमस सोर्सबी, जेम्स अल्बेरी और कप्तान जैकरी वालेस ने अपने मौकों को गोल में बदला। इसके अलावा एक मौके पर पेनल्टी स्ट्रोक मिला जिसे भी वालेस ने गोल में बदला। शूटआउट में भारत के लिए एकमात्र गोल कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने किया। भारत का अगला मुकाबला शुक्रवार को पाकिस्तान से होगा। इससे पहले नियमित खेल के दौरान पहला हाफ रोमांचक रहा क्योंकि दोनों टीमों ने गोल किए और कुछ मौके भी बनाए। भारत ने पहले क्वार्टर में अच्छी शुरुआत की और जल्द ही एक पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया। हालांकि कप्तान हरमनप्रीत की ड्रैग फ्लिक को इंग्लैंड के गोलकीपर जेम्स माजारेलो ने रोक दिया। इंग्लैंड को भी पांचवें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर मिला लेकिन बांडुरक के प्रयास को भारतीय डिफेंस ने रोक दिया। पहला गोल 10वें मिनट में हुआ जब मनदीप सिंह ने ड्रिबलिंग करते हुए दिलप्रीत को बेहतरीन पास दिया और दिलप्रीत ने डाइविंग फिनिश के साथ गेंद को गोल में पहुंचाकर भारत को बढ़त दिलाई। दूसरे क्वार्टर में भारत अपनी बढ़त बढ़ाने के करीब था लेकिन पेनल्टी कॉर्नर पर अमनदीप लाकड़ा की ड्रैग फ्लिक को गोल लाइन पर सोर्सबी ने शानदार तरीके से बचाया। गुडफील्ड ने 29वें मिनट में मैदानी गोल इंग्लैंड को बराबरी दिलाई। तीसरे क्वार्टर में दोनों टीम का डिफेंस बहुत मजबूत रहा जिससे स्कोर।-। ही बना रहा। चौथे क्वार्टर में इंग्लैंड ने मैच खत्म होने से चार मिनट पहले बांडुरक (56वें मिनट) की ड्रैग फ्लिक से 2-। की बढ़त बनाई लेकिन दो मिनट बाद भारत ने बराबरी हासिल कर ली। इंग्लैंड ने शूटआउट 4-। से जीतकर बोनस अंक हासिल किया।

आईसीसी के ऑनलाइन ट्रोलिंग बचाव से जुड़ी 100 से अधिक महिला क्रिकेटर

लंदन। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के सोशल मीडिया मंचों पर ट्रोलिंग के बचाव से जुड़े प्लेयर प्रोटेक्शन प्रोग्राम में 100 से अधिक महिला क्रिकेटरों ने पंजीकरण कराया है। आईसीसी ने इसके लिए एआई से संचालित मॉडरेटर फ्रीडम2हियर के साथ साझेदारी की है जिसने मौजूदा महिला टी20 विश्व कप के दौरान लगभग 60,000 हानिकारक सामग्री को हटाया है।

आईसीसी ने एक विज्ञप्ति में कहा कि टूर्नामेंट की शुरुआत से अब तक 50 से अधिक नए खिलाड़ियों ने पंजीकरण कराया है। बयान में कहा गया है, यह सेवा आईसीसी के आधिकारिक सोशल मीडिया खातों पर अतिरिक्त सुरक्षा प्रदान करती है। आईसीसी महिला टी20 विश्व कप 2026 में भाग ले रही 12 में से सात टीम की खिलाड़ी इससे जुड़ी हैं। इसके अलावा अंपायर और प्रसारकों ने भी पंजीकरण कराया है। टी20 विश्व कप के पहले सप्ताह के बाद इस टूल ने लगभग 250,000 टिप्पणियों की समीक्षा की और लगभग 60,000 हानिकारक सामग्री को हटा दिया। आईसीसी ने कहा, बार-बार अपराध करने वालों में से 2,000 से अधिक लोगों की गतिविधियों पर अस्थायी प्रतिबंध लगा दिए गए और 370 उपयोगकर्ताओं को ब्लॉक कर दिया गया। भारत की बाएं हाथ की स्पिनर राधा यादव ने कार्यक्रम में शामिल होने के बारे में कहा, सोशल मीडिया मेरे लिए दुनिया भर में दोस्तों, परिवार और प्रशंसकों के साथ बातचीत करने का अच्छा मंच साबित हो सकता है लेकिन यह (ट्रोलिंग के कारण) विशेष रूप से महिला खिलाड़ियों के लिए मुसीबत भी बन गया है। उन्होंने कहा कि इस बारे में खुलकर बात करना और समस्या का समाधान ढूंढना महत्वपूर्ण है, इसीलिए मैंने आईसीसी के प्लेयर प्रोटेक्शन प्रोग्राम में पंजीकरण कराया।

रौनक ने अमेरिकी ओपन में टिएन को हराकर उलटफेर किया, क्वार्टर फाइनल में जगह बनायी

एजेंसी

फुलर्टन (अमेरिका)। युवा भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी रौनक चौहान ने अमेरिकी ओपन में बड़ा उलटफेर करते हुए चीनी ताइपे के दुनिया के छठे नंबर के खिलाड़ी और शीर्ष वरीय चाउ टिएन चेन को सीधे गेम में हरा दिया। भारत की कांस्य पदक जीतने वाली विश्व जूनियर टीम में शामिल रहे दुनिया के 80वें नंबर के खिलाड़ी रौनक ने बृहस्पतिवार को टिएन को 21-17, 26-24 से हराया और इजराइल के मिशा जिल्बरमैन के साथ क्वार्टर फाइनल मुकाबला तय किया। भारत के 18 साल के रौनक ने शुरू से ही अपने अधिक अनुभवी प्रतिद्वंद्वी पर दबाव बनाए रखा।

हालांकि टिएन 17-15 तक आगे रहे लेकिन इसके बाद रौनक ने लगातार छह अंक जीतकर पहला गेम अपने नाम कर लिया। दूसरे गेम में अधिकतर समय टिएन का दबदबा रहा और वह 17-11 से आगे थे लेकिन फिर रौनक ने लगातार छह अंक जीतकर जोरदार वापसी करते हुए स्कोर बराबर कर दिया। इसके बाद कड़ा मुकाबला हुआ जिसमें रौनक ने चार गेम प्वाइंट बचाए और फिर अपने दूसरे मैच प्वाइंट को भुनाते हुए 49 मिनट में जीत हासिल की। महिला एकल में विश्व जूनियर चैंपियनशिप की रजत पदक विजेता तन्वी शर्मा, रक्षिता श्री और देविका सिहाग भी अंतिम आठ में पहुंच गईं। पांचवीं वरीय तन्वी ने चीनी ताइपे की तुंग सिउ तोंग को 21-12, 21-19 से हराया जबकि रक्षिता ने भी चीनी ताइपे की ही चेन सु यू को 21-4, 21-19 से शिकस्त दी। छठी वरीय देविका ने थाईलैंड की टोनरुग साएहेंग को 21-17, 21-19 से हराया। अनुभवी किदांबी श्रीकांत ने पुरुष एकल में मलेशिया के ली जी जिया को 21-14, 21-13 से हराकर भारत के लिए एक शानदार दिन का समापन किया।

बीजपुर पुलिस द्वारा मानव कंकाल बरामदगी से जुड़े सनसनीखेज हत्या प्रकरण में अभियुक्त गिरफ्तार

घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल बरामद

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के निर्देशन में अपराध एवं अपराधियों की रोकथाम व वांछित/फरार चल रहे अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु चलाए जा रहे विशेष अभियान के क्रम में, अपर पुलिस अधीक्षक ऋषभ रुणवाल तथा क्षेत्राधिकारी दुद्धी राजेश कुमार राय के पर्यवेक्षण में थाना बीजपुर पुलिस को महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई है थाना बीजपुर पर पंजीकृत मु0अ0सं0-67/2026 धारा 103(1), 238(ए) बीएनएस से संबंधित हत्या प्रकरण में वांछित मुख्य अभियुक्त लाला भैया उर्फ लाले पनिका पुत्र बाल गोविन्द निवासी सिसवा झापर, थाना बभनी, जनपद सोनभद्र, उम्र लगभग 44 वर्ष को मुखबिर की सूचना पर दिनांक 25.06.2026 को प्रातः लगभग 08:49 बजे चेतवा मोड़ के पास से गिरफ्तार किया गया। उल्लेखनीय है कि दिनांक 30.05.2026 को मोटकी मुकुट पहाड़ी धरतीडाड़, थाना बीजपुर क्षेत्र में एक मानव कंकाल बरामद हुआ था, जिसके संबंध में थाना बीजपुर पर अभियोग पंजीकृत कर विवेचना की जा रही थी। विवेचना के दौरान संकलित साक्ष्यों के आधार पर उक्त अभियुक्त की संलिप्तता प्रकाश में आई थी। गिरफ्तारी के दौरान माननीय सर्वोच्च न्यायालय एवं राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग द्वारा निर्गत दिशा-निर्देशों का पूर्णतः पालन किया गया। अभियुक्त की निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त एक अदद मोटरसाइकिल ळश्र रस्त्रङ्ग१३ संख्या वढ64अउ3775 बरामद की गई है। अभियुक्त के विरुद्ध नियमानुसार आवश्यक विधिक कार्यवाही करते हुए माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जा रहा है।

बरगढ़ स्टेशन परिसर में अतिक्रमण में चला योगी बाबा का बुलडोजर

अमन लेखनी समाचार

चित्रकूट। मऊ तहसील अंतर्गत बरगढ़ रेलवे स्टेशन बैरियर से बरगढ़ थाने तक चित्रकूट जिलाधिकारी के निर्देशन में अतिक्रमण पर चला बुलडोजर। मऊ उपजिला अधिकारी राम ऋषि रमन तथा बरगढ़ थाने की पुलिस ने रेलवे बैरियर बरगढ़ थाने तक अभियान के साथ रोड से सटे मकानों पर बुलडोजर चलवाया। बरगढ़ मोड़ से यह रोड मध्य प्रदेश को जाती है इसलिए इस रोड के मध्य बिंदु से 25 मीटर तक के मकान तोड़े गए। पिछले 70 सालों में इस रोड पर कोई अतिक्रमण हटाओ अभियान नहीं चलाया गया। बरगढ़ थाने के पास पप्पू जैन के मकान में बुलडोजर ने काफी ज्यादा नुकसान अतिक्रमण के कारण कर दिया। बरगढ़ स्टेशन ग्राम पंचायत कोल मजरा में पड़ता है जिसमें काफी गरीबों के घर भी रोड के किनारे बने हैं जो वर्तमान सरकार के विकास की धारा में बह गए। मऊ उप जिला अधिकारी ने बताया कि हमने बाकायदा इन लोगों को सूचना नोटिस दे दिया था कि समय से अपने आप व्यवस्था कर लें। जनपद में अपराधियों के घर पर योगी बाबा का बुलडोजर तो नहीं चला लेकिन जनपद में विकास के नाम पर हजारों घरों को तोड़ दिया गया जनता को काफी नुकसान भी पहुंचा।

गुरमुरा में दर्दनाक सड़क हादसा: बाइक अनियंत्रित होकर संकेतक बोर्ड से टकराई, युवक की मौत, एक घायल

अमन लेखनी समाचार

डाला, संवाददाता। चोपन थाना क्षेत्र के गुरमुरा में बृहस्पतिवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक चालक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि पीछे बैठा युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। दुर्घटना के बाद क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार बृहस्पतिवार को सुबह लगभग 11 बजे बुद्धिलाल पुत्र स्वर्गीय रामलाल निवासी गुर्मा तथा गुड्डू पुत्र संतोष निवासी जवारीडाड़ एक ही बाइक से जवारीडाड़ से गुरमुरा की ओर जा रहे थे। बताया जा रहा है कि दोनों बाइक में पेट्रोल भरवाने के लिए गुरमुरा जा रहे थे। इसी दौरान गुरमुरा से करीब डेढ़ किलोमीटर पहले उनकी बाइक अचानक अनियंत्रित हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार तेज रफ्तार में जा रही बाइक सड़क किनारे लगे संकेतक (निशान) बोर्ड के खंभे से टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बाइक सवार दोनों युवक सड़क से लगभग 15 फीट नीचे झाड़ियों में जा गिरे। हादसे में बाइक चला रहे बुद्धिलाल को गंभीर चोटें आईं, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। वहीं पीछे बैठे गुड्डू गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग मौके पर पहुंच गए और घायल युवक को बाहर निकालकर उपचार के लिए भेजने की व्यवस्था की। टोल प्लाजा की एम्बुलेंस की सहायता से घायल गुड्डू को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चोपन भेजा गया, जहां उसका उपचार चल रहा है। स्थानीय लोगों ने बताया कि मृतक बुद्धिलाल मूल रूप से गुर्मा का निवासी था, लेकिन वह लंबे समय से अपने ससुराल गुरमुरा में रह रहा था। युवक की असामयिक मौत की खबर मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया और गांव में शोक की लहर दौड़ गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है तथा दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है। प्रारंभिक तौर पर हादसे का कारण बाइक का अनियंत्रित होना बताया जा रहा है। ग्रामीणों ने इस मार्ग पर सुरक्षा उपाय बढ़ाने और दुर्घटना संभावित स्थलों पर आवश्यक संकेतक एवं सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की है, ताकि भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं पर अंकुश लगाया जा सके।

खास समाचार

माँ विंध्यवासिनी धाम में श्रद्धालुओं को मिला राहत का सरबत, विंध्य धाम चैरिटेबल ट्रस्ट की पहल

अमन लेखनी समाचार

मिजार्पुर। भीषण गर्मी और उमस के बीच माँ विंध्यवासिनी धाम पहुंचे श्रद्धालुओं को राहत प्रदान करने के उद्देश्य से विंध्य धाम चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा गुरुवार को मंदिर कॉरिडोर परिसर में ठंडे सरबत का वितरण किया गया। ट्रस्ट के अध्यक्ष एवं प्रधान पुजारी श्रृंगारिया पंडित शेखर शरण उपाध्याय के नेतृत्व में आयोजित इस सेवा कार्य में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं को शीतल सरबत पिलाया गया। दर्शन-पूजन के लिए दूर-दराज से आने वाले भक्तों ने इस पहल की सराहना करते हुए इसे गर्मी से राहत दिलाने वाला सराहनीय प्रयास बताया। इस अवसर पर पंडित शेखर शरण उपाध्याय और पण्डित राघवेंद्र उपाध्याय ने कहा कि तीर्थस्थलों पर आने वाले श्रद्धालुओं की सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है। भीषण गर्मी को देखते हुए ट्रस्ट द्वारा समय-समय पर जनसेवा के ऐसे कार्यक्रम आयोजित किए जाते रहेंगे। सरबत वितरण के दौरान ट्रस्ट के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे और श्रद्धालुओं की सेवा में सहयोग किया। कार्यक्रम के दौरान श्रद्धालुओं में उत्साह देखने को मिला तथा सभी ने ट्रस्ट के इस सामाजिक एवं धार्मिक कार्य की प्रशंसा की।

आपातकाल में जेल गए लोकतंत्र सेनानियों का भाजपा नेता मनोज जायसवाल ने किया सम्मान

अमन लेखनी समाचार

मीरजापुर।पूर्व जिलाध्यक्ष भाजपा नेता मनोज जायसवाल ने आपातकाल के 51वी वर्षगांठ पर नगर के विभिन्न वार्डों में रहने वाले लोकतंत्र सेनानियों बरौंधा वार्ड के बालनाथ तिवारी,संगमोहाल निवासी नारायणदास गुप्ता के घर पहुंचकर अंगवस्त्र,माल्यार्पण और भगवत गीता देकर उन्हें सम्मानित किया।कांग्रेस शासन द्वारा देश के संविधान की हत्या कर और लोकतंत्र के इस काले अध्याय को लागू कर इन लोगों को जेल भेजे जाने की आप बीती को भाजपा नेता ने सुना।लोकतंत्र सेनानियों ने बताया कि आपातकाल के दौरान उन्हें संघर्ष का सामना करना पड़ा और उन्हें गिरफ्तार कर जेल भेजने का काम किया गया।भाजपा नेता ने कहा कि कांग्रेस ने देश में आंतरिक अशांति और राजनीतिक अस्थिरता का हवाला देकर आपातकाल लगाकर लोकतंत्र की हत्या की थी।देश के कई बड़े नेताओं जय प्रकाश नारायण,अटल बिहारी बाजपेयी,लालकृष्ण आडवाणी जैसे कई नेताओं को जेल में डाल दिया गया था,मीडिया को भी खबर छापने से पहले सरकार की अनुमति लेनी पड़ती थी,बिना मुकदमे के बड़ी संख्या में लोगों को जेलों में बंद कर दिया गया था।सरकार की नीतियों का विरोध करने पर मीरजापुर जिले से भी कई लोकतंत्र सेनाओं को कई महीने जेल में काटने पड़ी थी,आज ऐसे ही लोकतंत्र के सेनानियों के घर पहुंचकर आपातकाल की घटनाओं की आपबीती सुनी और उन सभी को सम्मानित करने का भी काम किया गया।इस मौके पर पश्चिमी अध्यक्ष नितिन विश्वकर्मा,प्रीतम केसरवानी,प्रदीप सोनकर,महेश वर्मा,रामकुमार तिवारी,बाबूराम गुप्ता,अजय अग्रहरि,शिव कुमार पटेल,रमेश यादव,राजेश पाण्डेय,शिवांशु सिंह,कृष्ण कुमार सिंह,दीपा उमर,भोला सोनकर,शंकर बिंद,सुनील चौधरी,राहुल जैन,गोपाल अग्रवाल,पुनीत मिश्रा,आनंद किशोर,संजय जायसवाल,श्रीकिशन कसेरा,द्वारिका साहू,रविकर सिंह,काजू गुप्ता,सुनील मोदनवाल,मनोज गुप्ता,सुमन यादव सहित अन्य मौजूद रहें।

जेहादी मानसिकता के लोग कर रहे हैं मेरे विरूद्ध षड़यंत्र- अखिलेश सिंह

हिन्दू हितों की रक्षा के लिये जारी रहेगा विश्व हिन्दू महासंघ का संघर्ष: सत्य की जीत होगी

अमन लेखनी समाचार

बस्ती। विश्व हिन्दू महासंघ जिलाध्यक्ष अखिलेश सिंह ने बुधवार को रौता चौराहे के निकट भव्या पैलेस के सभागार में पत्रकारों से बातचीत करते हुये कहा कि गोहत्या बंद कराने, लव जेहाद पर अंकुश लगाने के कारण उनके विरूद्ध कुछ जेहादी मानसिकता के लिये जिसमें सनातनी भी शामिल हैं, षड़यंत्र कर रहे हैं। कहा कि वे सत्य पथ पर चलते रहेंगे और षड़यंत्रकारी सफल नहीं होने पायेंगे। पत्रकारों के प्रश्नों का उत्तर देते हुये विश्व हिन्दू महासंघ जिलाध्यक्ष अखिलेश सिंह ने कहा कि जिला प्रशासन, डी.आई.जी., पुलिस अधीक्षक की तत्परता से जनपद में गोहत्या और लव जेहाद के मामलों में काफी कमी आयी है। बताया कि कुछ दिन पूर्व एक पत्रकार ने उन्हें फोन पर एक हिन्दू नाबालिग युवती के शोषण की जानकारी दिया। सूचना मिलते ही वे स्वयं और महासंघ पदाधिकारी पीड़िता को न्याय दिलाने के लिये सक्रिय हो गये, युवती से कहा गया कि वह दोषियों के विरूद्ध कोतवाली में तहरीर देकर मुकदमा दर्ज करा दे किन्तु पुलिस ने दो दिन तक मुकदमा दर्ज नहीं किया और इस बीच जेहादियों ने युवती को बहका फुसलाकर उनके विरूद्ध ही वीड़ियो बनवाकर वायरल कराया गया। कहा कि उन्होने पूरे मामले की जानकारी डीआईजी और पुलिस अधीक्षक को दिया और जांच के दौरान सच सामने आ गया। पीडित के तहरीर पर कोतवाली में कैफ खान के विरूद्ध मुकदमा दर्ज हो गया है। विश्व हिन्दू महासंघ जिलाध्यक्ष अखिलेश सिंह ने कहा कि जेहादी मानसिकता के लोग चाहे जितना षड़यंत्र करे उनका अन्याय के विरूद्ध सनानत की रक्षा के लिये संघर्ष जारी रहेगा। जीत सत्य की ही होगी। प्रेस वार्ता के दौरान विश्व हिन्दू महासंघ के युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष सौरभ त्रिपाठी, अर्पण श्रीवास्तव, अभिषेक वर्मा, कुलदीप एडवोकेट, शिवम, उपेन्द्र, सूरज श्रीवास्तव आदि उपस्थित रहे।

गुरमुरा में भीषण सड़क हादसा: खड़े अज्ञात वाहन से टकराई डीजे मैजिक, दो की मौत, 3 लोग घायल

अमन लेखनी समाचार

डाला/सोनभद्र। चोपन थाना क्षेत्र के गुरमुरा स्थित वाराणसी-शक्तिनगर राज्य मार्ग पर गुरुवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में डीजे उपकरण से लदी मैजिक वाहन खड़े अज्ञात वाहन से पीछे से जा टकराई। हादसा इतना भीषण था कि मैजिक वाहन का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। दुर्घटना में डीजे वाहन पर सवार दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। दो अन्य लोगों को मामूली चोटें आई हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार दुद्धी क्षेत्र के नगवा गांव में बारात कार्यक्रम में डीजे सेवा देने के बाद मैजिक वाहन रॉबर्ट्सगंज की ओर लौट रही थी। इसी दौरान गुरमुरा स्थित जय गुरुदेव आश्रम के समीप सड़क किनारे खड़े अज्ञात वाहन से मैजिक की जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी तेज थी कि वाहन का केबिन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और उसमें सवार लोग अंदर फंस गए। घटना की सूचना मिलते ही डायल-112 पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से राहत एवं बचाव कार्य शुरू कराया। घायलों को तत्काल एंबुलेंस से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चोपन भेजा गया। जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर रूप से घायल चंदन (42 वर्ष) पुत्र राजकुमार निवासी चुर्क की हालत नाजुक देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया। वहीं दुर्घटना में घायल शिवा (21 वर्ष) पुत्र राजमन निवासी छपका तथा विनय कुमार (21 वर्ष) पुत्र शिव प्रसाद निवासी गड़वांल को मामूली चोटें आईं। उपचार के बाद दोनों को घर भेज दिया गया। हादसे की सूचना पर चोपन थाना के उपनिरीक्षक विनोद यादव पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। स्थानीय लोगों के सहयोग से ट्रैक्टर की मदद से क्षतिग्रस्त केबिन को खींचकर उसमें फंसे लोगों को बाहर निकाला गया। लेकिन तब तक दो लोगों की मौत हो चुकी थी। पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतकों की पहचान मनोज कुमार मौर्य (32 वर्ष) पुत्र स्वर्गीय रामध्यान मौर्य निवासी लोढ़ी, आरटीओ कार्यालय के पास तथा श्याम बाबू पुत्र रामदुलारे निवासी छपका के रूप में हुई है। बताया गया कि मनोज कुमार की दो बेटियां हैं, जबकि श्याम बाबू अपने पीछे पत्नी और तीन बच्चों का भरा-पूरा परिवार छोड़ गए हैं। हादसे की खबर मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया और गांव में शोक की लहर दौड़ गई।

जनसुनवाई में पुलिस अधीक्षक ने सुनी आमजन की समस्याएं, त्वरित, निष्पक्ष एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के दिए निर्देश

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। आज दिनांक 25.06.2026 को पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा द्वारा पुलिस कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई/जनता दर्शन कार्यक्रम में जनपद के विभिन्न थाना क्षेत्रों से आए फरियादियों एवं नागरिकों की शिकायतों को गंभीरता, संवेदनशीलता एवं पूर्ण तत्परता के साथ सुना गया। जनसुनवाई के दौरान भूमि विवाद, पारिवारिक विवाद, मारपीट, साइबर अपराध, गुमशुदगी, राजस्व संबंधी प्रकरणों सहित विभिन्न पुलिस संबंधी शिकायतें प्राप्त हुईं। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र द्वारा प्रत्येक प्रकरण का स्वयं संज्ञान लेते हुए संबंधित क्षेत्राधिकारीगण एवं थाना प्रभारियों को शिकायतों का निष्पक्ष, पारदर्शी, गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। उन्होंने निर्देशित किया कि प्रत्येक शिकायत की तथ्यपरक जांच करते हुए पीड़ितों को त्वरित न्याय दिलाना प्राथमिकता रहे। साथ ही शिकायतकताओं को की गई कार्यवाही से समय-समय पर अवगत कराने तथा जनसमस्याओं के समाधान में संवेदनशील एवं जिम्मेदार व्यवहार अपनाने के निर्देश भी दिए गए। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र ने स्पष्ट कहा कि शिकायतों के निस्तारण में किसी भी प्रकार की लापरवाही, अनावश्यक विलंब अथवा उत्पीड़न पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों/कर्मचारियों के विरुद्ध कठोर कार्यवाही की जाएगी। जिन प्रकरणों में तत्काल हस्तक्षेप आवश्यक है, उनमें प्राथमिकता के आधार पर वैधानिक कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

मौत बनकर दौड़ रहे है रोड़पर खचाखच सवारियों से भरे वाहन, हो रहे हादसों के बीच प्रशासन पर उठे बड़े सवाल

अमन लेखनी समाचार

चोपन/सोनभद्र। जनपद में लगातार बढ़ रही सड़क दुर्घटनाओं ने एक बार फिर यातायात व्यवस्था और प्रशासनिक निगरानी पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगा दिया है। क्षमता से कई गुना अधिक सवारियां लेकर सड़कों पर दौड़ रहे टेम्पू यूटिलिटी वाहन, पिकअप और अन्य छोटे बड़े व्यावसायिक वाहन आम लोगों की जान के लिए खतरा बनते जा रहे हैं। इसके बावजूद ऐसे वाहनों पर प्रभावी अंकुश नहीं लग पा रहा है, जिससे लोगों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। हाल ही में एक वैवाहिक कार्यक्रम में शामिल होने जा रहे लोगों से भरे एक यूटिलिटी वाहन की तस्वीर सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुई। तस्वीर में वाहन के अंदर और पीछे बड़ी संख्या में लोग बैठे दिखाई दे रहे हैं। इस तस्वीर ने जिले में सड़क सुरक्षा व्यवस्था की पोल खोल दी है और प्रशासन की कार्यप्रणाली को लेकर सवाल खड़ा हो रहा है।

ग्रामीण और आदिवासी इलाकों में जान जोखिम में डालकर सफर

सोनभद्र के दूरस्थ ग्रामीण एवं आदिवासी क्षेत्रों में सार्वजनिक परिवहन की पर्याप्त व्यवस्था नहीं होने के कारण लोग मजबूरी में ओवरलोड वाहनों का सहारा लेते हैं शादी-विवाह, सामाजिक कार्यक्रमों और बाजार आने-जाने के दौरान लोग पिकअप, यूटिलिटी वाहनों और मालवाहक गाड़ियों में यात्रा करते देखे जाते हैं। कई बार एक वाहन में उसकी क्षमता से

दोगुने-तीन गुने तक लोग बैठा दिए जाते हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि ऐसे वाहनों में सफर करने से दुर्घटना की स्थिति और जान-माल का खतरा कई गुना बढ़ जाता है। वाहन का संतुलन बिगड़ने, ब्रेक फेल होने या चालक के नियंत्रण खोने पर बड़ी हो सकती है।

चोपन बैरियर पर तैनाती, फिर भी नहीं रुक रहे ओवरलोड वाहन

स्थानीय लोगों का कहना है कि चोपन बैरियर समेत कई प्रमुख चौराहों और मार्गों पर यातायात पुलिस तथा स्थानीय पुलिस की नियमित तैनाती रहती है। इसके बावजूद क्षमता से अधिक सवारियां लेकर चलने वाले वाहन आसानी से निकल जाते हैं। लोगों का आरोप है कि सड़क पर खुलेआम नियमों की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं, लेकिन जिम्मेदार विभागों की कार्रवाई अपेक्षित स्तर पर नजर नहीं आती। कई नागरिकों का कहना है कि अक्सर यातायात अभियान के दौरान दोपहिया वाहन चालकों के हेलमेट और दस्तावेजों की जांच पर ज्यादा जोर दिया जाता है, जबकि दर्जनों यात्रियों की जान जोखिम में डालकर चल रहे वाहनों के खिलाफ सख्त कार्रवाई कम देखने को मिलती है।

मिशन शक्ति 5.0 के दूसरे चरण के अंतर्गत महिला सुरक्षा, सम्मान एवं सशक्तिकरण की ओर सशक्त पहल

महिला सुरक्षा, सशक्तिकरण एवं साइबर अपराधों के प्रति जागरूकता कार्यक्रम आयोजित।

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं सशक्तिकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए सोनभद्र पुलिस द्वारा मिशन शक्ति 5.0 के दूसरे चरण के अंतर्गत जनपद में व्यापक एवं प्रभावी जनजागरूकता अभियान संचालित किया जा रहा है पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अभिषेक वर्मा के कुशल निर्देशन में जनपद के समस्त थाना क्षेत्रों में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित कर समाज के सभी वर्गों को जागरूक किया जा रहा है। अभियान के अंतर्गत महिलाओं एवं बच्चों से संबंधित प्रमुख सामाजिक विषयों—जैसे लिंगानुपात, लैंगिक समानता, बाल विवाह, लैंगिक शोषण, महिलाओं एवं बच्चों के प्रति होने वाली हिंसा, साक्षरता एवं स्वास्थ्य—पर विशेष रूप से प्रकाश डालते हुए जनमानस को जागरूक किया गया। इस क्रम में जनपद के समस्त थानों की मिशन शक्ति टीमों द्वारा विद्यालयों, महाविद्यालयों, कोचिंग संस्थानों, बाजारों एवं ग्राम सभाओं में संवाद कार्यक्रम आयोजित कर महिलाओं एवं बालिकाओं को गुड टच-बैड टच, आत्मरक्षा के उपाय, महिला उत्पीड़न से संबंधित विधिक अधिकारों, तथा विभिन्न हेल्पलाइन सेवाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। साथ ही साइबर अपराधों के बढ़ते खतरे को दृष्टिगत रखते हुए ऑनलाइन फ्रॉड, फर्जी कॉल/लिंक, सोशल मीडिया के दुरुपयोग, बैंकिंग धोखाधड़ी एवं डळढ साझा न करने के संबंध में विशेष जागरूकता उत्पन्न की गई।

महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबर

112-आपातकालीन सेवा
1090 / 1091-महिला सुरक्षा हेल्पलाइन
181-महिला हेल्पलाइन
1930-साइबर अपराध हेल्पलाइन
1076-मुख्यमंत्री हेल्पलाइन

एसपी चित्रकूट द्वारा नव सृजित पुलिस चौकी भरतकूप मन्दिर, थाना भरतकूप का किया गया उद्घाटन

अमन लेखनी समाचार

चित्रकूट। दिनांक 24.06.2026 को चित्रकूट जनपद में पुलिस व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ एवं प्रभावी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए पुलिस अधीक्षक चित्रकूट अरुण कुमार सिंह द्वारा अपर पुलिस अधीक्षक पीयूषकांत राय की उपस्थिति में नव सृजित पुलिस चौकी भरतकूप मन्दिर थाना भरतकूप का विधिवत उद्घाटन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ फीता काटकर एवं परिसर का निरीक्षण कर किया गया। पुलिस अधीक्षक ने नवनिर्मित भवन,कार्यालय कक्ष,अभिलेख कक्ष,आगन्तुक कक्ष एवं अन्य व्यवस्थाओं का अवलोकन करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किये। उन्होंने कहा कि नव सृजित पुलिस चौकी भरतकूप मन्दिर के संचालन से दूर दराज से आने वाले श्रद्धालुओं को सुरक्षित पर्यटन, क्षेत्र में कानून-व्यवस्था और अधिक मजबूत होगी तथा आमजन को त्वरित एवं सुलभ पुलिस सेवा उपलब्ध कराई जा सकेगी। उद्घाटन कार्यक्रम में प्रभारी निरीक्षक भरतकूप उपेन्द्र प्रताप सिंह,प्रतिसार निरीक्षक रामाशीष यादव,पीआरओ पंकज तिवारी, नवीन चौकी प्रभारी उ0नि0 बलवंत यादव सहित अन्य अधिकारी/कर्मचारीगण एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

अमन लेखनी (हिन्दी दैनिक)

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती अखिलेश सिंह द्वारा अवध एक्सप्रेस प्रकाशन, 434, सिविल लाइन, जेल रोड, उन्नाव, उत्तर प्रदेश से मुद्रित और ग्राम व पोस्ट-बनी, थाना- बन्थरा, लखनऊ-226401 (उ.प्र.) से प्रकाशित।

सम्पादक– श्रीमती अखिलेश सिंह

समाचार सम्पादक – रुद्र प्रताप सिंह

समाचार से संबंधित सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र लखनऊ होगा।

मो. - 9838159555, 9935457982

E-mail address amanlekhaninews@gmail.com

ऋतिक ने पूरी की जेलर 2 की शूटिंग, निर्देशक ने की तारीफ

मुंबई। बॉलीवुड स्टार ऋतिक रोशन ने रजनीकांत की फिल्म जेलर 2 में अपने खास कैमियो रोल की शूटिंग पूरी कर ली है। बताया जा रहा है कि एक्टर ने चेन्नई में दो दिन के शूटिंग शेड्यूल में अपना हिस्सा पूरा किया है। नेल्सन दिलीप कुमार ने 'जेलर 2' में ऋतिक रोशन के लिए एक बहुत ही शानदार किरदार तैयार किया है। उनका एक दमदार सीक्वेंस है। इसके बाद रजनीकांत के साथ एक सीन है। शूटिंग खत्म होने पर डायरेक्टर नेल्सन ने दोनों एक्टर्स की जमकर तारीफ की। सेट पर मौजूद लोगों के लिए दोनों सुपरस्टार्स को एक साथ देखना बहुत सुखद अनुभव था।

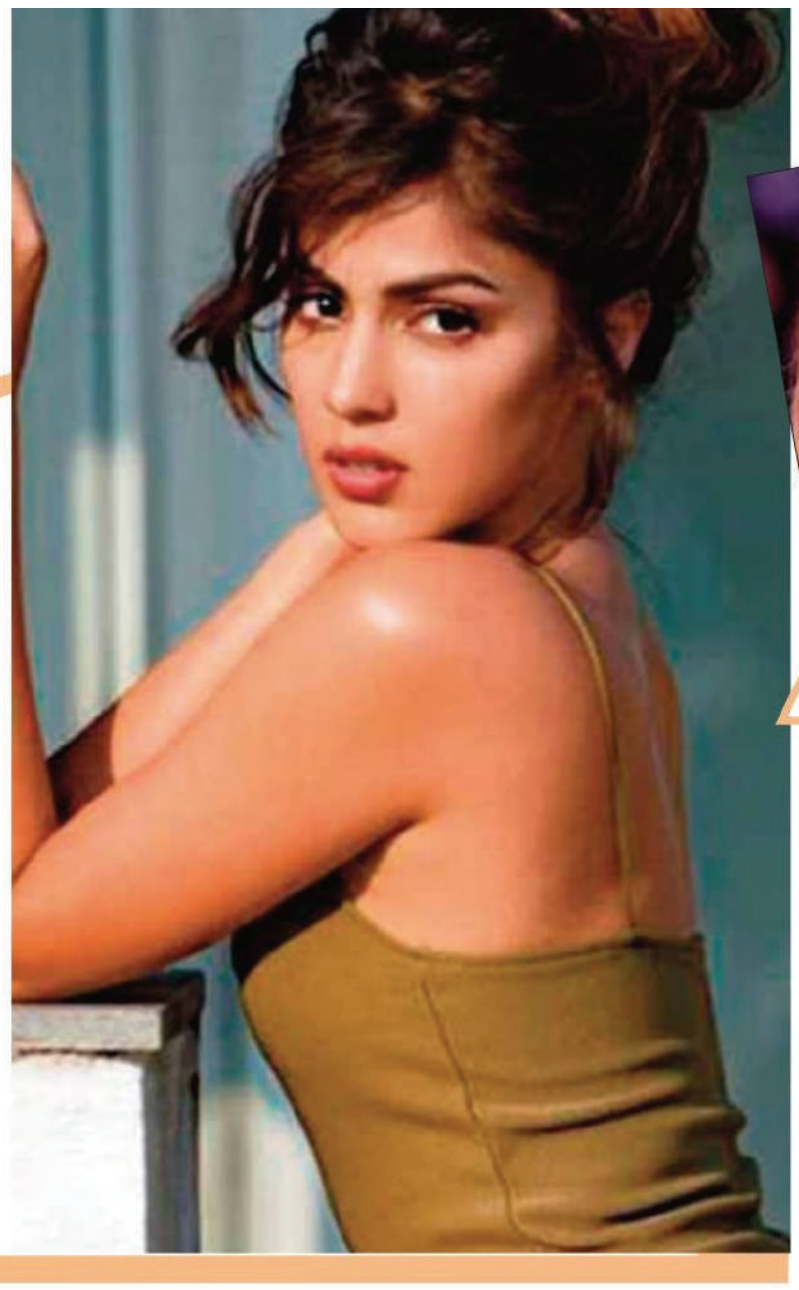

लाइफ Style

रिया

पूरी तरह से खत्म नहीं होता ट्रॉमा

एजेंसी ▶▶ मुंबई

एक्ट्रेस रिया चक्रवर्ती ने एक बार फिर सुशांत सिंह राजपूत की मौत के बाद आए मुश्किल दौर के बारे में बात की। साथ ही उनके भाई शोविक चक्रवर्ती ने याद किया कि कैसे एक घटना ने उनका पूरा जीवन बदलकर रख दिया। इस दौरान एक्ट्रेस ने ड्रग मामले और अपनी गिरफ्तारी को लेकर भी बात की।

रिया चक्रवर्ती अपने भाई शोविक चक्रवर्ती के साथ नेहा धूपिया और अंगद बेदी के चैट शो 'डबल डेट' पर पहुंचे। इस दौरान भाई-बहन ने सुशांत सिंह राजपूत की मौत मामले और इससे जुड़ी ड्रग्स की जांच के सिलसिले में नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो द्वारा 2020 में अपनी गिरफ्तारी के बारे में बात की। रिया चक्रवर्ती ने उस अनुभव के मानसिक असर और यह कैसे उनके साथ बना हुआ है, इस पर खुलकर बात की। उन्होंने बताया कि ट्रॉमा पूरी तरह से खत्म नहीं होता और इंसान के इमोशनल सिस्टम का हिस्सा बन जाता है। यह ऐसी चीज नहीं है जिससे आप पूरी तरह उबर सकें। यह ट्रॉमा है। अगर दिमाग में नहीं, तो शरीर में तो यह रहता ही है। ठीक होने के लिए लगातार कोशिश और सपोर्ट की जरूरत होती है। जैसा कि शोविक कह रहे थे, पीटीएसडी होता है। आप अपनी थेरेपी करवाते हैं और इसका सामना करते हैं। रिकवरी लगातार चलती रहती है ।रिया ने इस बारे में भी बात की कि कैसे उनका अनुभव लगातार लोगों की नजर में रहा, जिससे स्थिति और भी गंभीर हो गई और उसे समझना मुश्किल हो गया। उन्होंने कहा कि भले ही बीता हुआ समय उनकी जिंदगी का हिस्सा बना हुआ है।

हॉलीवुड मसाला

तलाक के बाद नहीं किया किसी को डेट

लॉस एंजिल्स। एंजेलिना जोली इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म 'कौचर' के प्रमोशन में व्यस्त हैं। जोली अपनी निजी जिंदगी को लेकर काफी प्राइवेट रहती हैं, लेकिन उनके पूर्व पति ब्रैड पिट से उनका चर्चित अलगाव सालों तक चर्चा में रहा। हाल ही में, एंजेलिना जोली ने अपनी डेटिंग लाइफ के बारे में बात की और बताया कि ब्रैड पिट से अलग होने के बाद से वे किसी भी रिश्ते में नहीं रही हैं। एंजेलिना जोली ने माना कि उनकी जिंदगी में रोमांस पीछे छूट गया है, क्योंकि उन्होंने खुद को अपने छह बच्चों की परवरिश में लगा दिया है।

मेरा हॉलीवुड कॅरियर आज भी बॉलीवुड से फीका ...

लॉस एंजिल्स। बॉलीवुड के साथ-साथ हॉलीवुड में भी बड़ा नाम कमा चुकीं प्रियंका चोपड़ा जोनस ने प्रड्यूसर बनने और अमेरिका में अपने कॅरियर को आगे बढ़ाने को लेकर खुलकर बातें कीं। उन्होंने यह भी कहा कि अब हॉलीवुड में नए कलाकारों और फिल्म प्रड्यूसर के लिए एंट्री की बाधाएं पहले की तुलना में काफी कम हो गई हैं। हालांकि, उन्होंने ये भी कहा है कि इतने सारे इंटरनेशनल फिल्मों और सीरीज में काम करने के बावजूद हॉलीवुड में उनका काम भारतीय सिनेमा में उनके द्वारा अर्जित किए गए काम की तुलना में फीका पड़ जाता है। प्रियंका ने कम बजट की सफल हॉरर फिल्म 'ऑब्सेशन' का उदाहरण देते हुए कहा कि आज के दौर में प्रतिभशाली लोगों के लिए अवसरों के नए दरवाजे खुल रहे हैं।

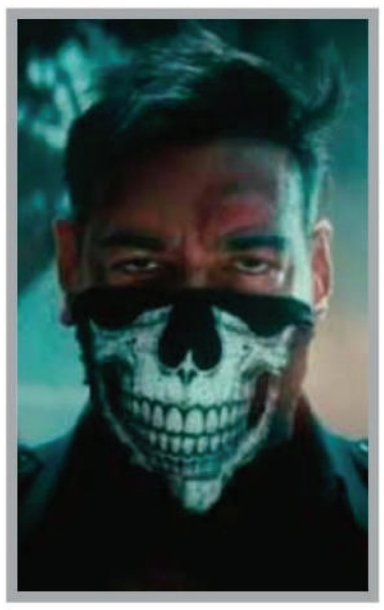

चौहान फिल्म में अजय का फौजी अवतार...

मुंबई। अजय देवगन अब अपने फैन्स के सामने 'चौहान' के रूप में एक नए और दमदार अवतार में वापसी कर रहे हैं। यह फिल्म फिल्म निर्माता आनंद एल राय के साथ उनकी पहली फिल्म है। फिल्म को जियो स्टूडियोज प्रड्यूस कर रहा है। दिवंगत एक्शन डायरेक्टर वीरू देवगन की जयंती पर उन्हें याद करते हुए, फिल्म निर्माताओं ने फिल्म में अजय देवगन का 'चौहान' के रूप में पहला लुक जारी किया, जिससे ये साफ हो गया है कि फिल्म दमदार और एक्शन से भरपूर है। इस अनाउंसमेंट वीडियो की शुरुआत एक उग्र प्रदर्शन की झलकियों से होती है, जिसके साथ दमदार डायलॉग बैकग्राउंड में सुनाई दे रहा है। इसमें कहा जा रहा है, 'चौराहे पर 300 लड़के थे, घर सिर्फ 270 पहुंचे। 30 लड़के कम हैं।'

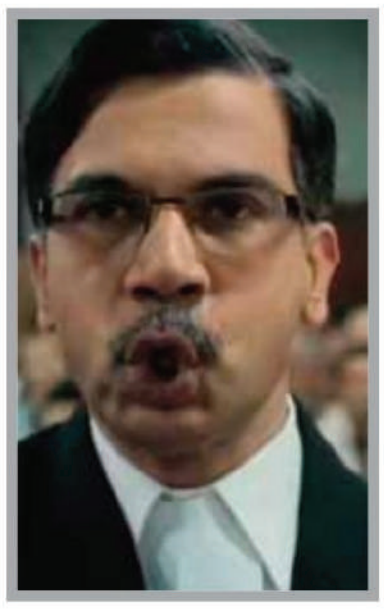

प्रहार का टीजर रिलीज वकील बने राजकुमार

मुंबई। राजकुमार राव की नई फिल्म आ रही है 'प्रहार', जिसका दमदार टीजर रिलीज कर दिया गया है। टीजर रिलीज होते ही छा गया है और राजकुमार राव की तारीफ हो रही है। यह एक बायोग्राफिकल फिल्म है, जिसमें राजकुमार राव जाने-माने वकील उज्जवल निकम के रोल में हैं। यह उनके अब तक के करियर का सबसे चैलेंजिंग रोल माना जा रहा है। 'प्रहार' को अविनाश अरुण ने डायरेक्ट किया है और यह मैडॉक फिल्म्स के बैनर तले बनी है। इसमें राजकुमार राव के अलावा वामिका गब्बी और जयदीप अहलावत भी मौजूद हैं। यह फिल्म 7 अगस्त को थिएटर्स में रिलीज होगी। फिल्म में वामिका गब्बी ने राजकुमार राव की पत्नी का किरदार निभाया है, जबकि जयदीप अहलावत एक अन्य वकील बने हैं। 'प्रहार' के टीजर की शुरुआत राजकुमार के किरदार उज्जवल निकम से होती है।

टीवी मसाला

साल 2000 का वो गाना, जिसका बच्चा-बच्चा हो गया था दीवाना...

नई दिल्ली। साल 2000 के दौर का एक ऐसा ही गाना, जिसको लेकर कहा जा सकता है कि कुछ गाने सिर्फ सुने नहीं जाते, बल्कि जिए जाते हैं। इसकी धुन सुनते ही बच्चों के कदम खुद-ब-खुद स्कूल की तरफ बढ़ने लगते थे।

एक समय था जब सुबह की शुरुआत अलार्म से नहीं, बल्कि टीवी पर बजने वाली इसी प्यारी सी धुन से हुआ करती थी। ये वो गाना था जिसने बच्चों को गुनगुनाना सिखाया। इसकी धुन सुनते ही बच्चे झूम उठते थे और बड़े मुस्कुरा देते थे। गली-मोहल्लों से लेकर गांव और शहर तक हर तरफ इसी गाने की चर्चा थी। खास बात ये थी कि ये सिर्फ एक गाना नहीं था, बल्कि एक ऐसा संदेश था जिसने लाखों बच्चों को स्कूल की ओर कदम बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। आज भी इसकी धुन सुनते ही लोग सीधे अपने बचपन की सुनहरी गलियों में पहुंच जाते हैं। अगर आप अब तक नहीं समझ पाए हैं कि हम किस गाने की बात कर रहे हैं तो आपको बता दें कि ये वही 'स्कूल चले हम' है, जिसे सुनकर एक पूरी पीढ़ी बड़ी हुई है। 'स्कूल चले हम' उस दौर के उन चुनिंदा गानों में शामिल था, जिसे सुनने के लिए बच्चे खुद टीवी के सामने बैठ जाया करते थे। आज की तरह तब हर मिनट नया कंटेंट नहीं आता था, इसलिए जो चीज लोगों के दिल में जगह बना लेती थी, वो लंबे समय तक याद रहती थी। इस गाने की धुन इतनी आसान और प्यारी थी कि बच्चे इसे खेलते-कूदते, साइकिल चलाते और स्कूल जाते वक्त भी गुनगुनाते रहते थे। यही वजह थी कि ये गीत देखते ही देखते घर-घर की पहचान बन गया। शान की आवाज ने इस गाने को और खास बना दिया था।

तुलसी और अनुपमा की राह में रोड़ा बनीं 'गंगा माई की बेटियां'

नई दिल्ली। दर्शकों की पसंद टीवी सीरियल के मामले में तेजी से बदली है। अब तक जहां टीवी सीरियल 'अनुपमा' और 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी 2' टीआरपी लिस्ट में टॉप पर बने रहते थे, लेकिन अब ये टॉप 5 में बने रहने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। सीरियल 'गंगा माई की बेटियां' ने पिछले दो-तीन हफ्ते से टीआरपी लिस्ट में टॉप 5 में अपने लिए जगह बनाई है। इस सीरियल को 24वें हफ्ते में 1.9 की रेटिंग मिली है। यह सीरियल पहले स्थान पर है। सीरियल 'वसुधा' 24वें हफ्ते में टीआरपी लिस्ट में दूसरे नंबर पर रहा है। इसकी 1.8 की टीआरपी रेटिंग रही है। यह सीरियल एक सीधी सरल की लड़की वसुधा की जिंदगी और उसके प्यार की कहानी को बयां करता है। शरद केलकर स्टारर सीरियल 'तुम से तुम तक' भी दर्शकों को पसंद आ रहा है। इस सीरियल को 24वें हफ्ते में 1.7 की रेटिंग मिली है, टीआरपी लिस्ट में यह तीसरे नंबर पर है। यह सीरियल ऐसे कपल की कहानी कहता है, जिनके बीच में उस का बड़ा फासला है। 'नागिन 7' 24वें हफ्ते की टीआरपी लिस्ट में चौथे नंबर पर है। इसे 1.6 की रेटिंग मिली है। इस सीरियल की टीआरपी बढ़ी है।

लोग महाभारत समझते हैं... तो मेरी फिल्म क्यों नहीं : इम्तियाज

मुंबई। इम्तियाज अली की फिल्म 'मैं वापस आऊंगा' सिनेमाघरों में जोरदार तरीके से चल रही है। लोग फिल्म को अभी भी देखने जा रहे हैं। इस बीच, फिल्ममेकर ने कहा है कि अगर लोग महाभारत समझ सकते हैं तो मेरी फिल्म क्यों नहीं। चमत्कार होते हैं, और इम्तियाज अली की नई फिल्म 'मैं वापस आऊंगा' के साथ कुछ ऐसा ही हुआ है। बंटवारे के दौर की प्रेम कहानी वाली इस फिल्म ने धीमी शुरुआत के बावजूद बॉक्स ऑफिस पर अपनी जगह बना ली है और अब देश भर के कई सिनेमाघरों में हाउसफुल चल रही है। फिल्ममेकर के लिए यह बेहद खुशी का पल है। वे खुद कई थिएटर जाकर दर्शकों का शुक्रिया अदा कर रहे हैं कि वे बड़ी संख्या में आए और फिल्म को सपोर्ट किया। इम्तियाज अली की बेटी इदा अली के इंस्टाग्राम पर शेयर किए गए एक ऐसे ही डायलॉग में, हाउसफुल स्क्रीनिंग के बाद फिल्म निर्माता दर्शकों से बातचीत करते और आभार जताते हुए दिखाई दे रहे हैं। उन्हें कहते हुए सुना जा सकता है, 'लोगों की शक्ति में मेरी उम्मीद को फिर से जगाने के लिए धन्यवाद। मुझे लगातार कहा जाता है कि लोग समझेंगे नहीं, कि अगर आप दर्शकों को खुश करना चाहते हैं, तो सिर्फ एक खास तरह की फिल्में बनाएं। यहां आने के लिए धन्यवाद।'

उन्होंने आगे कहा, 'मैंने अपने इंटरव्यू में लाखों बार कहा है कि अगर लोग महाभारत समझ सकते हैं, तो वे मेरी फिल्में क्यों नहीं समझ पाएंगे? मुझमें ही कुछ कमी होगी, मैं भी आप सबके लिए सुधार करने की कोशिश कर रहा हूं। लेकिन, न केवल मेरा बल्कि इस देश के सभी भाषाओं के 100 फिल्म निर्देशकों का आत्मविश्वास फिर से जगाने के लिए धन्यवाद। बहुत-बहुत धन्यवाद।

फिल्ममेकर सिद्धार्थ आनंद, जो अली शाहरुख खान के साथ 'किंग' की शूटिंग कर रहे हैं, उन्होंने 'मैं वापस आऊंगा' देखने के लिए भी समय निकाला। बुधवार को डायरेक्टर ने एक्स पर फिल्म और दर्शकों से मिल रहे अच्छे रिस्पॉन्स की तारीफ की। अपनी बात शेयर करते हुए उन्होंने लिखा, 'कितनी खूबसूरत फिल्म है!

आज सिनेमाघरों में 5 नई फिल्में होंगी रिलीज

नई दिल्ली। शुक्रवार 26 जून को हमारे-आपके नजदीकी सिनेमाघरों में 5 नई फिल्में रिलीज हो रही हैं, जिसमें हिंदी के दर्शकों के लिए सबसे बड़ी फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' है। इसके अलावा 'रामायण' की सीता मैया यानी दीपिका चिखलिया भी एक फैमिली ड्रामा 'तेरा मेरा नाता' लेकर आ रही हैं। हॉलीवुड से भी तीन बड़ी फिल्में रिलीज हो रही हैं। इनमें 'सुपरगर्ल', 'द इनवाइट', और 'जैकऐसः बेस्ट एंड लास्ट' भी आ रही है।

वेलकम टू द जंगल : वेलकम टू द जंगल बॉलीवुड की सुपरहिट कॉमेडी 'वेलकम फ्रैंचाइज' की तीसरी किस्त है। यह 2015 में आई 'वेलकम बैक' के लगभग एक दशक बाद आ रही है। इस बार फिल्म का पैमाना बहुत बड़ा है। डायरेक्टर अहमद खान ने 30 से अधिक दिग्गज कलाकारों की फौज तैयार की है।

सुपरगर्ल : डीसी यूनिवर्स के फैंस को सुपरगर्ल फिल्म का लंबे समय से इंतजार रहा है। यह फिल्म कारा जोर-एल किरदार पर आधारित है, जो अपनी गहरी भावनात्मक और आत्मा-खोज की यात्रा पर है। उसके चचेरे भाई कार-एल (सुपरमैन) को अब उसकी सुरक्षा की आवश्यकता नहीं है। ऐसे में दिशाहीन महसूस कर रही सुपरगर्ल के पास न्याय की आस लगाए एक लड़की आती है। कारा जोर-एल की यह कहानी क्रिप्टोनियन की है। उसने अपना बचपन अपनी दुनिया और परिवार को मरते हुए देखने में बिताया। पृथ्वी पर बिना किसी मकसद के घूम रही कारा, रथी नाम की लड़की के साथ मिलकर 'येलो हिल्स' के बेरहम 'क्रेम' को रोकने के लिए एक कॉस्मिक सफर पर निकलती है। अपने कजिन सुपरमैन के उलट, कारा के मन में क्रिप्टन पर बिताए बचपन की गहरी चोटें (ट्रॉमा) हैं। दुश्मन उसके प्यारे कुत्ते 'क्रिप्टो' को घायल कर देता है। अब सुपरगर्ल बदला लेने के लिए किसी भी हद तक जाने वाली है।

तेरा मेरा नाता : तेरा मेरा नाता एक फैमिली ड्रामा फिल्म है। यह प्यार, परिवार और भावनात्मक रिश्तों की दिल को छू लेने वाली कहानी है। 79वें कान फिल्म फेस्टिवल में इसका प्रीमियर हुआ था। अब यह सिनेमाघरों में आ रही है।

द इनवाइट : ओलिविया वाइल्ड के डायरेक्शन में बनी द इनवाइट एक खट्टी-मीठी सेक्स कॉमेडी और मैरिटल ड्रामा है। यह सैन फ्रांसिस्को में रहने वाले एक शादीशुदा जोड़े, जो और एंजेला के बारे में है। अपनी बोरिंग जिंदगी से बाहर निकलने के लिए वे अपने घर के ऊपरी मंजिल पर रहने वाले ग्लैमरस और एडवेंचरस पड़ोसी हॉक और पीना को डिनर पर बुलाते हैं।

जैकऐसः बेस्ट एंड लास्ट : जैकऐसः बेस्ट एंड लास्ट बेहद पॉपुलर 'जैकऐस सीरीज' की आखिरी फिल्म है। इसके साथ ही यह फ्रैंचाइजी खत्म हो जाएगी। इसमें नए और खतरनाक स्टंट्स और प्रैंक के साथ फ्रैंचाइज के क्लासिक यादगार पलों को भी जोड़ा गया है।

एक्टर्स ने 45 दिन तक पहने थे एक ही कपड़े, जीता था नेशनल अवॉर्ड

पांच लाख किसानों ने 2-2 रुपए देकर प्रोड्यूस की थी ये फिल्म

जब किसानों ने लिखी भारतीय सिनेमा की नई कहानी

'मंथन' की कहानी गुजरात के दुग्ध सहकारी आंदोलन और श्वेत क्रांति से प्रेरित थी। फिल्म के निर्माण के लिए गुजरात को-ऑपरेटिव मिल्क मार्केटिंग फेडरेशन (GCMMF) से जुड़े लगभग पांच लाख दुग्ध उत्पादक किसानों ने दो-दो रुपये का योगदान दिया था। यही वजह है कि इसे भारत की पहली क्राउड-फंडेड फिल्म भी कहा जाता है। फिल्म में गिरीश कर्नाड, स्मिता पाटिल, नसीरुद्दीन शाह, अमरीश पुरी और कुलभूषण खरबंदा जैसे दिग्गज कलाकार नजर आए. रिलीज के समय गांवों में बैलगाड़ियों और ट्रकों में भरकर किसान इस फिल्म को देखने सिनेमाघरों तक पहुंचे थे, क्योंकि उन्हें लगता था कि यह उनकी अपनी कहानी है।

नई दिल्ली। भारतीय सिनेमा में कई ऐसी फिल्में बनी हैं, जिन्होंने सिर्फ मनोरंजन ही नहीं बल्कि समाज को भी नई दिशा देने का काम किया। ऐसी ही एक फिल्म थी 'मंथन', जिसने अपनी कहानी से जितनी पहचान बनाई, उससे कहीं ज्यादा चर्चा इसके बनने के तरीके ने बटोरी। साल 1976 में रिलीज हुई श्याम बेनेगल निर्देशित इस फिल्म को किसी बड़े प्रोडक्शन हाउस ने नहीं, बल्कि करीब पांच लाख किसानों ने दो-दो रुपए का योगदान देकर बनाया था। उस दौर में यह अपने आप में अनोखा प्रयोग था। फिल्म ने राष्ट्रीय स्तर पर सराहना हासिल की और बाद में राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार भी जीता। आज भी 'मंथन' भारतीय समानांतर सिनेमा की सबसे महत्वपूर्ण फिल्मों में गिनी जाती है।

श्याम बेनेगल थे निर्देशक

फिल्म को पूरी तरह वास्तविक बनाने के लिए निर्देशक श्याम बेनेगल ने कलाकारों से मेकअप और कॉस्ट्यूम पर खास ध्यान देने को कहा. रिपोर्ट्स के मुताबिक, कई प्रमुख कलाकारों ने शूटिंग के दौरान पानी की कमी के कारण करीब 45 दिनों तक वही एक जैसे कपड़े पहने, ताकि उनके किरदारों की वास्तविकता बनी रहे और गांव का माहौल पर्दे पर बिल्कुल असली लगे।

अपने नाम किया राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार

फिल्म ने अपनी दमदार कहानी, शानदार अभिनय और सामाजिक संदेश के दम पर सर्वश्रेष्ठ हिंदी फीचर फिल्म का राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार अपने नाम किया. वर्षों बाद भी 'मंथन' भारतीय सिनेमा के इतिहास में एक मील का पत्थर मानी जाती है।